मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.2	18.0
जमशेदपुर	29.2	16.0
डालटनगंज	29.4	13.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● शुक्रवार, 24 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 216 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

ब्रीफ खबरें

प्रदेश युवा राजद की बैठक 26 नवंबर को

रांची। लोकसभा चुनाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है. इसी कड़ी में झारखंड प्रदेश युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार के निर्देश पर प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई है. पार्टी कार्यालय में 26 नवंबर को आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में पूरे प्रदेश के पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष, जिला कमिटी, प्रखंड कमिटी, पंचायत कमिटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे.

जदयू की बैठक आज खीरू महतो शामिल होंगे

रांची। झारखंड जदयू प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और प्रमंडल प्रभारी की बैठक आहूत की गई है. बैठक की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो करेंगे. प्रवक्ता डॉ विनय भारत ने कहा कि आने वाले दिनों में संगठन को सशक्त बनाया जाएगा. नए सदस्यों को जोड़कर झारखंड में संगठन को मजबूत किया जाएगा. कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव और पार्टी के विस्तार को लेकर इस बैठक में ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा.

26 को मनाया जाएगा संविधान दिवस

रांची। संविधान दिवस के दिन 26 को सरकार के सभी कार्यालयों में प्रस्तावना पढ़ाई जाएगी. केंद्रीय सचिव के पत्र के मद्देनजर झारखंड मंत्रिमंडल, निगरानी, समन्वय विभाग ने यह निर्देश जारी किया है. कहा गया कि संविधान दिवस पर राज्य के सभी कार्यालयों, निकायों, संगठनों स्वायतशासी व शैक्षणिक संस्थानों में किया जाएगा. सरकार के सभी विभाग सभी 26 नवंबर को को अपने नियंत्रणाधीन निदेशालयों /कार्यालयों/ स्वायतशासी निकायों /संगठनों/ स्थानीय स्वायतशासी संस्थान एवं शैक्षणिक संस्थानों में भारत के संविधान की प्रस्तावना का पठन सुनिश्चित किया जाएगा.

26 दिसंबर तक राज्य की 4,351 पंचायत और 50 वार्ड में होगा शिविर का होगा आयोजन

आज 'आपकी सरकार, आपके द्वार' में शामिल होंगे सीएम

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र बरहेट जाएंगे. वे यहां आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होंगे. वे गोपलाडीह से पंचायत स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे. सीएम यहां सरकार की योजनाओं की प्रगति देखेंगे और लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाएंगे.

झारखंड स्थापना दिवस पर 15 नवंबर को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का तीसरा चरण शुरू हुआ है. राज्य के पंचायतों में 26 दिसंबर तक यह कार्यक्रम आयोजित होगा. इन शिविरों में योजनाओं से अबतक वंचित जरूरतमंदों को सरकार की विकास योजनाओं से का लाभ दिलाया जाएगा. राज्यभर के 4,351 पंचायत और 50 वार्ड में शिविर लगाए जाएंगे.

नई व पुरानी योजनाओं का मिलेगा लाभ : पंचायत और वार्ड स्तर पर आयोजित शिविरों में सरकार की नई योजनाएं अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, सामुदायिक और व्यक्तिगत वनपट्टा से संबंधित मामले, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ दिया जाएगा. इसके अलावा जाति, आय, जन्म, मृत्यु, दिव्यांगता प्रमाण पत्र में संशोधन, भूमि से जुड़े मामले, राशन कार्ड में संशोधन, बिजली बिल आदि से संबधित शिकायत का निष्पादन किया जाएगा.

हर जिले में मुख्यमंत्री का होगा भ्रमण

योजना के तहत प्रत्येक जिले में किसी एक निश्चित तारीख को मुख्यमंत्री की मौजूदगी में शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहां लाभुकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा. परिसंपत्तियों का वितरण होगा और योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया जाएगा. कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को साइकिल के लिए डीबीटी/ चेक का वितरण होगा. बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, अबुआ बीर दिशोम अभियान अंतर्गत पुराने या नये सृजित वन पट्टों का वितरण समेत अन्य योजनाओं लाभ लाभुकों को मिलेगा.

सीएम हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर तैयारी पूरी

साहिबगंज। बरहेट प्रखंड में सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को गोपालाडीह पंचायत में पधारकर 'आपकी योजना ,आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम का तीसरा चरण में गोपालाडीह से प्रारंभ करेंगे. जहां से करोड़ों रुपये की परिसंपत्ति का वितरण करेंगे. अबुआ आवास सहित कई महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं को गोपालाडीह कार्यक्रम स्थल में जन-जन तक पहुंचाएंगे. कार्यक्रम की तैयारी को लेकर साहिबगंज उपायुक्त रामनिवास यादव, बरहेट प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बनर्जी सहित कई पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लिया. कार्यक्रम प्रबंधक को विशेष दिशा-निर्देश देते हुए कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया. इसमें मौजूद साहिबगंज उपायुक्त रामनिवास यादव, बरहेट प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बनर्जी, पीएचईडी, कार्यपालक अभियंता गोबिंद कक्ष्यप, ओर अन्य लोग मोजूद थे.

आपकी बात

> पिता के साथ हो रहे अन्याय व शोषण को देख राजनीति में कदम रखा और आगे बढ़ाच फिर आज तक पीछे मुड़ कर नहीं देखा.

नाम : रंजीत राम

पद : प्रदेश अध्यक्ष, युवा मोर्चा, राष्ट्रीय लोजपा
जन्मस्थल : नया नगर, बरकाकाना
कार्य क्षेत्र : संपूर्ण झारखंड

राजनीति और समाजसेवा के क्षेत्र में रंजीत राम किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं. एक अक्टूबर 1980 को एक मध्यम वर्गीय दलित परिवार में जन्मे रंजीत राम का जीवन बहुत ही संघर्षशील रहा है. उनके पिता जुगल राम सीसीएल कर्मचारी थे. बचपन में ही माता राजपति देवी का निधन हो चुका था. परिवार में चार बहन और दो भाई हैं. रंजीत बताते हैं कि उनके पिता के साथ उनके कार्यकाल में हमेशा बड़े अधिकारियों ने सौतेला व्यवहार किया करते थे. वहीं यूनियन नेताओं द्वारा उन्हें ठगा जाता था. पिताजी को 22 वर्षों से प्रमोशन ने वंचित रखा गया था. उस समय रंजीत राम जुबली कॉलेज से इंटर में पढ़ाई कर रहे थे. वर्ष 2000 में रंजीत राम लोजपा के नेता मुनाजिर हसन के संपर्क में आए और युवा अवस्था में लोजपा श्रमिक सेल का जिला अध्यक्ष बने. अपने शुरुआती राजनीतिक जीवन में रंजीत ने अपने पिता के साथ हो रहे शोषण को रोकने के लिए विभाग में जोरदार संघर्ष करते हुए अपने पिता को हक दिलाया. बाद में रंजीत राम को लोजपा युवा का हजारीबाग जिला अध्यक्ष बनाया गया. वर्ष 2001 में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बबन गुप्ता ने रंजीत राम को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामविलास पासवान से धनबाद के सर्किट हाउस में मिलवाया. वहीं से रंजीत का जज्बा बढ़ते चला गया. वर्ष 2004 में उन्हें लोजपा युवा मोर्चा का उतरी छोटानागपुर अध्यक्ष बनाया गया. 2006 में पुनः युवा का जिला अध्यक्ष बने. वर्ष 2008 में रंजीत राम को जिला का प्रधान महासचिव बनाया गया. फिर 2013 में दलित सेना के रामगढ़ जिला अध्यक्ष और कुछ माह बाद लोजपा रामगढ़ के जिला अध्यक्ष बने. वर्ष 2014 में जब रामविलास पासवान भारत सरकार में खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री बने, तो उन्होंने रंजीत राम को दो टर्म झारखंड राज्य से मंत्रालय में सलाहकार समिति का सदस्य बनाया. वहीं, 2017 में रंजीत दोबारा लोजपा जिला अध्यक्ष बनाए गए.

मजदूरों को जल्द सकुशल बाहर निकाला जाए : एक्टू

रांची। उत्तराखंड के सिलक्यारा सुरंग में झारखंड समेत 41 मजूदरों के फंसने के बाद चर्चा में आई चार धाम सड़क परियोजना में शुरू से अंत तक लापरवाही ही लापरवाही बरती गई है. एक्टू के सिचव भुवनेश्वर केवट ने कहा कि पहले तो निमार्ण कार्य के दौरान मजदूरों की सुरक्षा में लापरवाही अब उतरकासी के टनल में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के रेस्क्यू कार्य में भी लापरवाही हो रही है। 12 दिनों तक रोज नए कारगर उपाय के मीडिया प्रचार के बाद सच है कि इस दिशा में अब तक मामूली उपाय किए जा सके हैं. इस पर ऐक्टू से संबद्ध ऑल इंडिया कंस्ट्रक्शन वर्कर फेडरेशन की झारखंड कमिटी ने इसकी निंदा करते हुए मजदूरों को जल्द सकुशल बाहर निकालने की मांग की है. यूनियन नेताओं ने कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं बल्कि इसके पूर्व कई घटनाओ में मौत हुई है. चारधाम सड़क परियोजना में लापरवाही की गई हैं. केंद्र सरकार निर्माता कंपनी पर मजदूरों के जीवन खतरे में डालने का मुकदमा दर्ज करें. केंद्र मजदूरों के आश्रितों के हालात का ख्याल करते हुए सुविधाएं भी उपल्ब्ध कराए.

पश्चिमी सिंहभूम में आईईडी विस्फोट के कुछ घंटे बाद नागपुर में बोले सीएम

नक्सलवाद को खत्म करने के अंतिम चरण में सुरक्षाबल : हेमंत

संवाददाता। रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) राज्य में नक्सलवाद की समस्या को खत्म करने के अंतिम चरण में हैं. हेमंत सोरेन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ घंटे पहले ही झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के वन क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियान के दौरान उन्नत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) फटने से सीआरपीएफ का एक सिपाही घायल हो गया.

आईईडी विस्फोट के बारे में पूछे जाने पर नागपुर में सोरेन ने संवाददाताओं से कहा कि सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के गढ़ को ध्वस्त कर दिया है. वे नक्सलवाद का उन्मूलन करने के कार्य के अंतिम चरण में हैं. मुख्यमंत्री एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र के नागपुर शहर में थे. सोरेन ने राष्ट्र की सुरक्षा में सीआरपीएफ की उत्कृष्ट भूमिका का उल्लेख करते हुए देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सीआरपीएफ के जवानों को श्रद्धांजलि भी दी. इससे पहले, झारखंड की पुलिस ने एक बयान में बताया कि प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने मुफस्सिल में हेसाबंध गांव के निकट जंगल में ये आईईडी लगाया था और सीआरपीएफ, उसकी विशेष इकाई कोबरा, झारखंड जुगआर तथा जिला सशस्त्र पुलिस से सुरक्षा बलों की टीम जब माओवादियों के खिलाफ अभियान चला रही थी तभी इस आईईडी में विस्फोट हो गया.

पुलिस के मुताबिक सीआरपीएफ (174 बटालियन) के कांस्टेबल हफिजुर रहमान को विस्फोट में चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए विमान से रांची में अस्पताल ले जाया गया. उन्होंने कहा कि कांस्टेबल की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और इलाके में माओवादियों के खिलाफ तलाश अभियान जारी है. इससे पूर्व पिछले सप्ताह गोईकेरा के जंगल में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया था और दो अन्य घायल हो गए थे.

खास बातें

- निजी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नागपुर में थे सीएम
- प्राण न्योछावर करने वाले जवानों को दी श्रद्धांजलि

अविनाश पांडे के पुत्र की शादी में शामिल होने नागपुर पहुंचे सीएम

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे के पुत्र गौरांग के शादी समारोह में शामिल होने के लिए नागपुर पहुंचे. सीएम ने अविनाश पांडे के पुत्र को सुखद एवं खुशहाल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उनके समस्त परिजनों को बधाई दी. मौके पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे.

युवराज पासवान की मौत के मामले की जांच रिपोर्ट सौंपी

- मृतकों के परिजनों को 25 लाख मुआवजा दे सरकार और मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए : अमर बाउरी

संवाददाता। रांची

मांडर के संत जॉन्स हाईस्कूल के हॉस्टल में 19 नवंबर चतरा के एक छात्र युवराज पासवान की संदिग्ध मौत हो गई थी. भाजपा एससी मोर्चा ने इस मामले की जांच के लिए टीम बनाई थी. टीम ने मोर्चा के अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी को गुरुवार को अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी. बाउरी ने कहा कि युवराज की संदिग्ध मौत के मामले को पुलिस एवं सत्ता पक्ष के दबंग नेता दबाने का प्रयास कर रहे है. आनन-फानन में पुलिस- और स्कूल प्रबंधन ने बिना मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मृत के शव का पोस्ट मॉर्टम कर शव की अत्येष्टि का दबाव परिजनों पर कर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया, लेकिन भाजपा इस पूरे मामले की जांच मोर्चा स्तर पर गंभीरता से कर रही है.

बाउरी ने कहा कि मृतक के परिजनों ने स्थानीय पुलिस-प्रशासन पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है. कहा है कि युवराज पासवान ने आत्महत्या नहीं की है, बल्कि उसकी हत्या कर उसे कुएं में डाल दिया गया था. परिजनों ने यहां तक बताया कि सत्ता पक्ष के एक दबंग नेता बार बार फोन कर स्थानीय पुलिस प्रशासन पर दबाव बना कर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास कर रहे हैं. बाउरी ने कहा कि सरकार इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए और मृतक के परिजन को 25 लाख रुपये का मुआवजा दे.

सुरंग से निकलते ही मजदूरों को प्लेन से लाएगी सरकार

विशेष संवाददाता। रांची

उत्तरकाशी में झारखंड सरकार की टीम तैयार है. जैसे ही मजदूर बाहर निकलेंगे. तुरंत उन्हें हवाई मार्ग से झारखंड वापस लाया जाएगा. डॉक्टरों द्वारा चिकित्सकीय रूप से फिट घोषित किए जाने के बाद श्रमिकों को देहरादून से रांची तक हवाई मार्ग से ले जाया जाएगा. यह घोषणा संयुक्त श्रमआयुक्त राजेश प्रसाद ने की है. उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित सिलक्यारा सुरंग में फंसे झारखंड के 15 श्रमिकों को झारखंड सरकार हवाई मार्ग से लाएगी. सुरंग के अंदर कुल 41 मजदूर फंसे हुए हैं, जिनमें से 15 मजदूर झारखंड के अलग-अलग जिलों के हैं. राज्य सरकार के संयुक्त श्रम आयुक्त राजेश प्रसाद ने बताया कि झारखंड सरकार की एक टीम उत्तरकाशी में तैयार है. संयुक्त श्रमायुक्त ने आधिकारिक बयान जारी करके कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर घटना के बाद तत्काल तीन वरीय अधिकारियों की टीम को घटनास्थल पर रवाना कर दिया गया था.यह अधिकारी वहीं कैंप कर रहे हैं और लगातार स्थानीय अधिकारियों से समन्वय बनाए हुए हैं. मुख्यमंत्री ने फंसे लोगों को हर संभव सहायता का निर्देश दिया है. अधिकारी राहत अभियान चलने तक वहीं रुकेंगे. इस बीच सिल्कयारा सुरंग हाहने वाली जगह पर बचाव अभियान तेज हो गया है, जहां 41 मजदूर फंसे हुए हैं. 67 प्रतिशत ड्रिलिंग पूरी हो चुकी है.

झारखंड विधानसभा के 23वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक संध्या में सजी सुरों की महफिल

तुम्हारे शहर का मौसम सुहाना लगता है...

प्रमुख संवाददाता। रांची

'तमाम शहर के रास्ते सजा दिये जाएं. हम आ गये हैं तो कांटे बिछा दिये जायें. तुम्हारे शहर का मौसम सुहाना लगे. मैं इक शाम चुरा लूं अगर बुरा न लगे.' ऐसे ही दिलकश शेरों और गजलों से प्रसिद्ध गजल गायक कुमार सत्यम ने राजधानी रांची की शाम को गुलजार किया. मौका था झारखंड विधानसभा के 23वें स्थापना दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या का. कार्यक्रम में मौजूद लोग कुमार सत्यम के गजलों और शेरों की दुनिया में खो से गये. उन्होंने हम तेरे शहर में आए इक मुसाफिर की तरह, गमों की बरसात हो रही है, पुराने जांबाज सो रहे हैं, याद-याद-याद बस याद रह जाती है. नैना तू बुरे और छाप तिलक सब छीनी जैसे नगमों से लोगों को खूब झुमाया.

स्थापना दिवस के मौके पर प्रसिद्ध पार्श्व गायक जावेद अली ने भी अपने गीतों से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया, वहीं हास्य कलाकर रवींद्र जॉनी ने अपनी कॉमेडी से लोगों का खूब मनोरंजन किया. बुढ़मू के स्थानीय कलाकारों ने डमकच और झुंगटा पेश किया, लखन गुड़िया और उनकी टीम ने मुंडारी लोकनृत्य पेश किया. इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, विधायक अपर्णासेन गुप्ता, लंबोदर महतो, अमित मंडल समेत कई विधायक और गणमान्य लोग मौजूद थे.

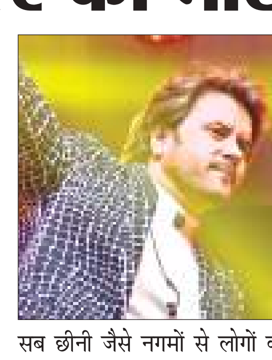

झारखंड दिवस पर गुलजार प्रगति मैदान का एम्फी थिएटर

रांची। दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे ट्रेड फेयर में झारखंड पवेलियन में राज्य दिवस का आयोजन हुआ. मौके पर एम्फी थिएटर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पद्मश्री शशिधर आचार्य के छाऊ, सुदामा और उनकी टीम के नागपुरी नृत्य, विनोद महतो के खोरठा, कृष्ण भगत और टीम के उरांव कुडुख गीत और अशोक कच्छप के पाइका डांस ने लोगों को मंत्रमुग्ध किया. मौके पर राज्य के मंत्री मिथिलेश ठाकुर, सूडा निदेशक अमित कुमार, उद्योग सचिव जीतेंद्र सिंह और भोर सिंह यादव मौजूद थे.

संकल्प यात्रा भाजपा के सभी सांसद-विधायक 3 दिन होंगे शामिल: आदित्य

जन-जन को केंद्र की योजना से जोड़ने के लिए यात्रा

- केंद्र की योजनाओं को लटकाने, अटकाने, भटकाने का हो रहा काम : आदित्य साहू

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ने कहा है कि झारखंड सरकार केंद्र की योजनाओं को लटकाने, भटकाने और अटकाने में लगी है. राज्य में प्रधानमंत्री आवास, नल-जल, अनाज वितरण, प्रधानमंत्री सड़क जैसी योजनाएं लूट, भ्रष्टाचार और लेट-लतीफी का शिकार हो रही. वहीं मोदी सरकार ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिये जनता को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल की है. यात्रा के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह यात्रा दो चरणों में संपन्न होगी. पहले चरण में झारखंड के 9 जिले खूंटी, गुमला, सिमडेगा, दुमका, पश्चिम सिंहभूम, साहेबगंज, पाकुड़, पलामू में यात्रा हुई. यात्रा का दूसरा चरण 3 दिसंबर से शुरू होकर 26 जनवरी 2024 तक चलेगा. दूसरे चरण के यात्रा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी सहित भाजपा के सभी सांसद, विधायक और पदाधिकारी मौजूद रहेंगे. आदित्य साहू प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे.

जहां भाजपा के सांसद नहीं, वहां राज्यसभा सांसद करेंगे यात्रा

आदित्य साहू ने कहा सभी नेता अपने-अपने क्षेत्र में यात्रा में 3 दिन तक शामिल होंगे. जहां भाजपा के सांसद नहीं हैं वहां राज्यसभा सांसद तीन दिन तक यात्रा के साथ रहेंगे. बताया कि केंद्र सरकार की ओर से यात्रा के समन्वय के लिए प्रदेश और जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं. साथ पार्टी की ओर से भी यात्रा कार्य को देखने के लिए प्रदेश स्तर पर जमशेदपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष नंदजी प्रसाद को नियुक्त किया गया है.

खास बातें

- पहले चरण में झारखंड के 9 जिलों में हुई थी यात्रा
- यात्रा का दूसरा चरण 3 दिसंबर से 26 जनवरी तक

पुलिसकर्मियों के तैनाती स्थल पर चलाएं मतदाता पंजीकरण अभियान : सीईओ

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने राज्य के पुलिस अफसरों के साथ बैठक की. कहा कि निर्वाचन आयोग का लक्ष्य है कि कोई मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रह जाए, ऐसे में दायित्व बनता है कि चुनाव ड्यूटी में तैनात हमारे जवानों को भी अपने वोट के प्रयोग का अवसर मिले. इसलिए सभी जवानों को पोस्टल बैलट से सुचारू तरीके से वोट कराने की तैयारी चल रही है.उक्त मुहिम के पहले चरण में सभी पुलिसकर्मियों के मतदाता पंजीकरण का लक्ष्य केंद्रित करने का निर्देश दिया गया. जिनका किसी कारण से यदि मतदाता पंजीकरण नहीं हुआ है तो उनका पंजीकरण करवाने तथा जिनका वोटर आईडी पदस्थापन स्थल से भिन्न क्षेत्र का है उनका परिवर्तन करवाने के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया गया. पुलिस कर्मियों के प्रशिक्षण के समय उनके प्रशिक्षण स्थल पर ही फैसिलिटेशन सेंटर बनाकर पोस्टल बैलट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी.

क्लासिफाइड

5:02 सूर्यास्त आज | 6:08 सूर्योदय कल

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● शुक्रवार, 24 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 216 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- हमास बंधकों की रिहाई आज शुरू होने के आसार
- अमेरिका में भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या
- जर्मन पुलिस ने हमास समर्थकों के यहां छापे मारे
- नीदरलैंड में दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की जीत

नेशनल
- मीराबाई जन्मोत्सव में भाग लेने नरेंद्र मोदी मथुरा पहुंचे
- निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी को नोटिस जारी किया
- सोना 30 रुपये टूटा, चांदी लगातार दूसरे दिन स्थिर
- ईडी ने धनशोधन मामले में प्रकाश राज को समन भेजा

स्टेट
- सिमडेगा में नक्सलियों ने पोकलेश मशीन को जलाया
- पुंडूल झरना में डूबने से बंगाल के छात्र की मौत
- प्रिंस खान ने एक और व्यवसायी को दी धमकी
- बीबीएमकेयू के 3 कॉलेज में डिजिटल क्लास से पढ़ाई

स्पोर्ट्स
- आईपीएल नहीं खेलेंगे बेन स्टोक्स, सीएसके ने पुष्टि की
- प्रणय, सात्विक, चिराग चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में
- क्रिकेटर मार्लोन सैमुअल्स 6 साल के लिए प्रतिबंधित
- जूनियर विश्व मुक्केबाजी के लिए भारतीय टीम घोषित

किसने क्या कहा

- झारखंड में नक्सलवाद को खत्म करने के अंतिम चरण में हैं सुरक्षाबल : **हेमंत सोरेन**
- कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता पर अमल करती है, भाजपा ध्रुवीकरण पर **-मल्लिकार्जुन खड़गे**
- अगर फाइनल कोलकाता या मुंबई में होता तो भारत जीत जाता : **ममता बनर्जी**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,200
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

देश की पहली महिला जज फातिमा बीवी का निधन

कोल्लम। सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज और तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति फातिमा बीवी का गुरुवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. फातिमा बीवी ने 96 साल की उम्र में अंतिम सांस ली. केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने न्यायमूर्ति फातिमा बीवी के निधन पर शोक जताया है. वीना जॉर्ज ने कहा कि फातिमा बीवी ने सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज और तमिलनाडु की राज्यपाल के रूप में अपनी अलग छाप छोड़ी. वह ऐसी हस्ती थीं, जिन्होंने अपने जीवन से यह दिखाया कि दृढ़ इच्छा शक्ति और मकसद को लेकर समझ होने से किसी भी विपरीत परिस्थिति से पार पाया जा सकता है.

साकची में 3 हथियार के साथ 5 गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर के साकची थाना अंतर्गत आरवी स्कूल के पीछे क्वार्टर नंबर 57ए में पुलिस ने छापेमारी कर तीन हथियार के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने साकची मस्जिद के पास से बाइक सवार अन्य तीन युवकों को भी गिरफ्तार किया. सभी किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए जुटे थे. पुलिस सभी को थाने ले गई, जहां पूछताछ की जा रही है. स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त क्वार्टर काफी समय से बंद पड़ा है. क्वार्टर में रात को कुछ युवक आना-जाना करते थे. कई बार आसपास के लोगों की बाइक से पेट्रोल भी चोरी होने की घटना सामने आई है.

गढ़वा के याज्ञवल्क्य बने एबीवीपी के महासचिव

नई दिल्ली। आरएसएस से संबंधित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने दोबारा से राजशरण शाही को अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष और याज्ञवल्क्य शुक्ल को राष्ट्रीय महासचिव चुना है. मुंबई में छात्र संगठन के केंद्रीय कार्यालय से चुनाव अधिकारी सीएन पटेल द्वारा जारी बयान में कहा गया कि शाही और शुक्ल सात से 10 दिसंबर तक दिल्ली में होने वाले एबीवीपी के 69वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे. याज्ञवल्क्य शुक्ल मूलतः झारखंड के गढ़वा जिले से हैं. इनके पास रांची विवि से भूगोल विषय में पीएचडी है.

धनबाद में कांपी धरती लोगों में फैली दहशत

धनबाद। गुरुवार की दोपहर लगभग 3:43 मिनट पर धरती कांपी. धरती के कांपने से धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों में अपना- तफरी का माहौल हो गया और लोगों में दहशत है. गुरुवार की दोपहर धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों से धरती कांपने की सूचना मिली. जिसमें सरायढेला, स्टील गेट, कोयलानगर, कार्मिक नगर, जगजीवन नगर समेत विभिन्न क्षेत्रों से धरती हिलने की सूचना सामने आई. भूकंप आने से लोग घर छोड़ कर बाहर निकल गए. गनीमत रही कि खबर लिखे जाने तक कहीं से भी किसी तरह के जान- माल के क्षति की सूचना नहीं आई है.

प्लांट के विस्तारीकरण को ले पिछली सरकार से होती रही घोषणा और प्रयास, मगर बातें आईं और गईं साबित हुईं

- राजबार कोल ब्लॉक का आवंटन हुआ था
- माइनिंग प्लान दिल्ली भेजा गया, अब तक नहीं मिली स्वीकृति
- हेमंत सरकार ने पिछले साल ही विस्तारीकरण की घोषणा की
- 6-7 नवंबर को ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में यह मसला उठा था
- टीटीपीएस के एमडी ने पुनः इसके विस्तारीकण का प्रस्ताव भेजा

टीटीपीएस का विस्तीकरण

घोषणा, अनुशंसा व फैसला

कौशल आनंद/रवि भारती।रांची

अपनी लाइफ खो चुके तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन के विस्तारीकरण को लेकर समय-समय पर कई घोषणाएं, निर्णय और फैसले होते रहे, मगर वो अब तक धरातल पर नहीं उतर सकीं. झारखंड के एकमात्र अपने थर्मल पावर प्लांट के विस्तीकरण को लेकर पूर्ववर्ती रघुवर सरकार की कई घोषणाओं और कैबिनेट के निर्णयों के बावजूद अब तक कुछ नहीं हो सका. मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार में फिर से इसके विस्तारीकरण के प्रयास शुरू हुए हैं. गत 6 एवं 7 दिसंबर को दिल्ली में हुए ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में यह मसला उठा.

झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह के समक्ष यह मसला उठाया. इसके बाद केंद्र सरकार ने इसमें मदद करने का आश्वासन दिया. इसके बाद टीटीपीएस के एमडी ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय को इसके विस्तारीकरण का प्रस्ताव बना कर भेजा है. जिसमें 660-660 मेगावाट की दो यूनिटों से उत्पादन शुरू करना शामिल है. वर्तमान में टीटीपीएस की क्षमता 210-210 मेगावाट है. इस बार भी इस पावर स्टेशन का भविष्य संवरेगा या नहीं. यह देखने वाली बात होगी.

अंतिम सांसें गिन रहा टीटीपीएस प्लांट : टीटीपीएस की स्थापना 1972 में तत्कालीन बिहार सरकार के समय हुई थी. एक थर्मल पावर प्लांट की अधिकतम आयु 35 साल होती है. मगर 51 वर्ष का ये प्लांट हो चुका है. हालत इतनी खराब है कि मुश्किल से ही एक महीने में दोनों यूनिट चल पाती हैं. वर्तमान में दो यूनिट की क्षमता 210-210 मेगवाट है. मगर मुश्किल से दोनों यूनिट चलने के बाद 200 से 250 मेगावाट ही बिजली का उत्पादन हो पाता है. यह प्लांट अब अंतिम सांसे गिन रहा है. मगर इस दिशा में अब तक जो भी प्रयास हुए, उनेके सार्थक परिणाम नहीं निकल पाए.

रघुवर सरकार में विस्तारीकरण की मंजूरी मिली

कोयला खरीदने का भी पूरा पैसा नहीं

टीटीपीएस प्रबंधन के पास कोयला खरीदने के लिए पूरा पैसा जुगाड़ नहीं हो पा रहा है. एक दिन में दोनों यूनिटों को चलाने के लिए 7000 टन कोयले की जरूरत होती है. हर महीने 32 करोड़ का कोयला खरीदा जाता है. वहीं टीटीपीएस के अफसरों- कर्मियों को भी वेतन देने में लगभग छह करोड़ खर्च होते हैं. जेबीवीएनएल बिजली लेने के एवज में रेगुलर टीटीपीएस को पैसे का भुगतान नहीं करता. इसके कारण टीटीपीएस सीसीएल को पैसा नहीं दे पाता है. अभी हाल में दुर्गा पूजा में सीसीएल ने कोयले की आपूर्ति रोक दी थी. ऊर्जा सचिव अविनाश कुमार की पहल पर सीसीएल ने कोयले की आपूर्ति शुरू की.

टीटीपीएस के विस्तारीकरण का बड़ा पेंच अब तक फंसा है

टीटीपीएस के विस्तारीकरण में अब तक बड़ा पेंच फंसा हुआ है. क्योंकि इसके विस्तारीकरण को लेकर राजबार कोल ब्लॉक का आवंटन हुआ था. मगर अब तक उसका परिचालन शुरू नहीं हो पाया है. इसमें 500 मिलियन टन कोयले का अनुमान लगाया गया है. हालांकि इसका माइनिंग प्लान भी केंद्र को भेज दिया गया है. लेकिन खनन का काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है.

रघुवर सरकार ने विस्तारीकरण का फैसला 2016 में लिया था

रघुवर सरकार ने 2016 में टीटीपीएस के विस्तारीकरण को कैबिनेट से स्वीकृति दिलाई थी. विस्तारीकरण के तहत मई 2021 तक पहले चरण का उत्पादन शुरू होने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक यूनिट स्थापित करने का काम भी शुरू नहीं हो पाया है.

कानूनी लड़ाई के बाद टीटीपीएस पर हुआ झारखंड का स्वामित्व

लंबी कानूनी लड़ाई के बाद चार साल पहले टीटीपीएस पर झारखंड का स्वामित्व स्थापित हो सका है. बिहार के बंटवारे के समय से ही तेनुघाट के स्वामित्व पर झारखंड के साथ विवाद शुरू हुआ. 2004 में मामला हाईकोर्ट में पहुंचा और फिर 2008 में सुप्रीम कोर्ट. लंबी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में कोर्ट के बाहर मामला सुलझाने को कहा. इसके पहले 2015 में बिहार ने बिजली बंटवारे के 50-50 प्रतिशत गणित पर सहमति का प्रस्ताव दिया. बात नहीं बनी. इस बीच बिहार ने 2018 में तेनुघाट में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी. लेकिन झारखंड ने यह कहते हुए उसे ठुकरा दिया कि पहले स्टेज को लेकर पावर पर्चेज एग्रीमेंट हो चुका है और इस प्लांट से बिजली देना संभव नहीं है. इसके विस्तारीकरण के बाद स्टेज-2 से 40 प्रतिशत बिजली देने का भरोसा दिया.

राजनीतिक दखलदांजी का भी शिकार बनता रहा टीटीपीएस

राज्य गठन के बाद तत्कालीन ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो इसके एमडी बने. इसके बाद इसमें राजनीतिक दखलदांजी इस कदर बढ़ी कि प्लांट की हालत बिगड़ती ही चली गयी. लोकल दखल हमेशा से इस प्लांट पर रहा. विधायक चमरा लिंडा भी इसके एमडी रहे. बाद में हाईकोर्ट के निर्देश के बाद कोई भी राजनीतिज्ञ व्यक्ति इसका एमडी नहीं हो सकता. इसके बाद ऊर्जा विभाग से किसी अफसर को इसका एमडी बनाए जाने लगा. सबसे अधिक समय तक राम अवतार साहू इसके एमडी रहे. तीन कार्यकाल से अधिक समय तक वे एमडी रहे. पूर्ववती सरकार में फिर से इन्हें ही अवधि विस्तार देने की तैयारी थी. मगर पूर्व मंत्री सरयू राय के कड़े विरोध और आपत्ति के बाद राम अवतार साहू को एक्सटेंशन रोक दिया गया. जीएम सनातन सिंह को प्रभारी एमडी बनाया गया. वर्तमान में ऊर्जा विभाग के अनिल शर्मा इसके एमडी हैं.

टीटीपीएस का फैक्ट

1.5 लाख टन कोयले की है जरूरत टीटीपीएस की दोनों यूनिटों को चलाने के लिए हर माह

7000 टन कोयले की जरूरत एक दिन में पड़ती है

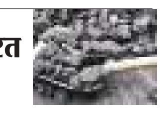

टीटीपीएस हर महीने खरीदता है 32 करोड़ का कोयला

- एक यूनिट बिजली उत्पादन में 700 से 800 ग्राम कोयले की जरूरत
- बिजली उत्पादन के लिए जेड-8 और जेड-9 श्रेणी के कोयले का होता है उपयोग
- एक यूनिट बिजली उत्पादन में 3.50 रुपये प्रति यूनिट आता है खर्च
- एक माह में 20 करोड़ की बिजली का होता है उत्पादन
- प्रति माह डीजल पर ही 3.5 करोड़ रुपये का ख
- मेंटेनेंस में दो से ढाई करोड़ खर्च
- कर्मचारियों-अधिकारियों के वेतन में हर माह लगभग छह करोड़ खर्च

कब-कब हुई क्या घोषणा और प्रयास

- लंबी कानूनी लड़ाई के बाद टीटीपीएस पर झारखंड का स्वामित्व हुआ
- पूर्ववर्ती रघुवर सरकार ने 2016 में इसके विस्तारीकरण के लिए कैबिनेट से प्रस्ताव पारित किया और 2021 तक नए प्लांट से बिजली उत्पादन की घोषणा की गयी.
- केंद्र ने हेमंत सरकार गठन के बाद इसके विस्तारीकरण के लिए राजबार कोल ब्लॉक आवंटित किया. इसका माइनिंग प्लान केंद्र को भेजा गया, मगर अब तक खनन शुरू करने की हरी झंडी नहीं दी.
- 6 एवं 7 नवंबर को दिल्ली में ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में झारखंड ने इस मसले को उठाया. केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने मदद का भरोसा दिया
- फिर से विस्तारीकरण का प्रस्ताव भेजने को कहा. इसके बाद फिर से टीटीपीएस के एमडी ने 660-660 मेगावाट के दो यूनिट उत्पादन प्लांट लगाने का प्रस्ताव भेजा
- टीटीपीएस के विस्तारीकरण को लेकर राजबार कोल ब्लॉक का आवंटन हुआ था. मगर अब तक परिचालन शुरू नहीं हो पाया है. इसमें 500 मिलियन टन कोयले का अनुमान है. हालांकि इसका माइनिंग प्लान भी केंद्र को भेज दिया गया है. लेकिन खनन का काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है.

सीएम कल पाकुड़ में करेंगे 300 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 25 नवंबर को पाकुड़ में 300 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे. साथ ही परिसंपत्तियों का भी वितरण करेंगे. मुख्यमंत्री इस दौरान पावर सब स्टेशन, एडवांस डेंटल ओपीडी, सड़क, आवासीय उच्च विद्यालय, बैटमिंटन कोर्ट, मोड्यूल ओटी का उद्घाटन करेंगे.

साथ ही जिले के स्कूलों में अतिरिक्त क्लास, स्मार्ट क्लास, मॉडल आंगनबाड़ी सेंटर, पथ मरम्मत कार्य, अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए क्वाटर निर्माण, शेड निर्माण, गार्डवाल, पीसीसी पथ, स्कूलों में बाउंड्री निर्माण और डिग्री कॉलेज का शिलान्यास करेंगे. पाकुड़ डीसी मृत्युंजय कुमार वर्णवाल के अनुसार, सीएम 24 नवंबर को हेलीकॉप्टर से पाकुड़ आएंगे और परिसदन में रात्रि विश्राम करेंगे. 25 नवंबर को मुख्यमंत्री सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में भाग लेंगे. इस कार्यक्रम में सीएम 250 से 300 करोड़ रुपये की परिसंपत्ति का वितरण, योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे.

कालूबाथन-मैथन में कोयला चोरी का भंडाफोड़, कोयला जब्त

- कोयला तस्करी के मुख्य सरगना रमेश गोप का नाम एफआईआर में नहीं
- पुलिस की कार्रवाई पर उठ रहे हैं सवाल, कहीं तस्करों से सांठगांठ तो नहीं

शुभम संदेश टीम। निरसा/मैथन

निरसा विधानसभा क्षेत्र में डंके की चोट पर हो रही है कोयला तस्करी की खबर शुभम संदेश अखबार में लगातार प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद आखिरकार जिला पुलिस सक्रिय हुई. जिला पुलिस के निर्देश पर स्थानीय पुलिस ने बुधवार की रात व गुरुवार सुबह कालूबथान व मैथन क्षेत्र की कोयला आधारित फैक्ट्री में छापेमारी कर भारी मात्रा में कोयला जब्त किया है. धनबाद से आई पुलिस टीम ने कालूबथान ओपी अंतर्गत सीएमआर भट्ठे में छापेमारी कर करीब एक हजार टन कोयला जब्त किया है. साथ ही दो लोगों को हिरासत में लिए जाने की भी सूचना है. वही स्थानीय पुलिस मामले की लीपापोती करने में जुट गयी है. कालूबथान ओपी प्रभारी अभय कुमार ने मामला टालने के अंदाज में कहा कि सूचना मिली थी कि उक्त भट्ठा में कोयला की खरीद- बिक्री की जा रही है. फैक्ट्री परिसर में करीब 1000 टन कोयले का स्टॉक मिला है.

फैक्ट्री संचालक द्वारा कागजात प्रस्तुत किया गया है. कागजात संबंधित विभाग को जांच के लिए भेज दिया गया है. जांचोंपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी. वही दो लोगों लोगों को हिरासत में लिए जाने की बात को ओपी प्रभारी ने सिरे से खारिज कर दिया.

उधर हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ दिए गए फैक्ट्री कर्मी बलराम राम ने बताया कि सीएमआर फैक्ट्री मुखिया अशोक महतो की है और वह इस फैक्ट्री में पिछले 20 वर्षों से काम कर रहे हैं.

-शेष पेज 7 पर

उठते सवाल?

1. आखिर रमेश मंडल कौन है ? कोयला चोरी के आरोपी रमेश मंडल को बड़ा बाबू से बात करने की हिम्मत कहां से मिली ?
2. इतने बड़े पैमाने पर यहां अवैध कोयले का खेल चल रहा था और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस के पास क्यों नहीं थी ?

शुभम संदेश इंपैक्ट

कोयला तस्करों का कालूबथान और पंचेत में खेल जारी

स्कूल को बनाया अवैध कोयला डिपो

अवैध कारोबार

अभिभावकों ने बच्चों को स्कूल भेजना किया बंद

22 नवंबर को प्रकाशित खबर

मैथन पुलिस ने छापेमारी कर 100 टन कोयला जब्त किया : उधर मैथन पुलिस ने गुरुवार की अहले सुबह कालीमाटी क्षेत्र में स्थित पवनधाम सॉफ्ट कोक नामक भठ्ठा में छापेमारी कर करीब सौ टन अवैध कोयला जब्त किया है. छापेमारी के दौरान पुलिस को देखते ही कोयला चोरों में भगदड़ मच गई.

कौन हैं पीयूष सहाय ?

धनबाद। शहर के व्यवसायी, खासकर कोयला व्यापार से जुड़े लोग तो सहाय जी को अच्छी तरह से जानते हैं, क्योंकि सहाय जी दोधारी तलवार हैं. भला कर रहे हैं तो बुरा करने की ताकत भी रखते हैं. ऐसे महापुरुष को नहीं जानना भी एक अपराध साबित हो सकता है. आप सोच रहे होंगे कि आखिर कौन है यह सहाय. तो बता दें इनका नाम पीयूष सहाय है. धनबाद वाले, कोयला, बालू, जमीन वाले सभी से समान भाव से मिलते हैं.

- शेष पेज 7 पर

बुरे दिनन कोउ बात न पूछत...

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

उनकी महफिलों में हर किस्म के नगीनों की भीड़ जुटती थी. वह हंसते थे, तो दरबार ठहाकों से गूंज उठता था और उनके खामोश होते ही सन्नाटा छा जाता था

बिछड़ा कुछ इस अदा से कि रुत ही बदल गई इक शख्स सारे शहर को वीरान कर गया

सहारा श्री सुब्रत राय दुनिया से रुखसत हो गये. ये वही सुब्रत राय, जिनका कभी जलवा-ए-जलाल था. उनके दरवाजे पर नेताओं, फिल्मी सितारों, खिलाड़ियों, अधिकारियों और दूसरे बड़े लोगों की भीड़ लगी रहती थी. उनकी महफिलों में हर किस्म के नगीनों की भीड़ जुटती थी. वह हंसते थे, तो दरबार ठहाकों से गूंज उठता था और उनके खामोश होते ही सन्नाटा छा जाता था. कुछ उसी तरह जैसे-तू जो चाहे तो दिन निकलता है, तू जो चाहे तो रात होती है. यह मुकाम उन्होंने अपनी फितरत, लगन, परिश्रम और परिस्थितियों के अनुरोध से प्राप्त किया था. उन्होंने अपनी चिटफंड कंपनी का मॉडल कहां से और कैसे प्राप्त किया, यह तो नहीं मालूम, लेकिन गोरखपुर से इंजीनियरिंग पढ़ने के बाद लम्ब्रेटा स्कूटर से बिस्कुट-नमकीन बेचने वाले इस शख्स ने कॉरपोरेट जगत में जितनी जल्दी धाक जमा ली, वह विस्मयकारी थी. सुब्रत राय की सहारा कंपनी को सहारा दिया- मजदूरों, रेहड़ी-पटरीवालों और खामचेवालों ने. उन्होंने पांच-पांच, दस-दस रुपये जमा करके सहारा को नन बैंकिंग कंपनियों में अग्रणी कर दिया और देखते ही देखते सुब्रत राय सहारा श्री बन गये. लेकिन उन्होंने जमाकर्ताओं की हकमारी कभी नहीं की. उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम और हॉकी टीम को स्पांसर किया. सलमान खान से लेकर अमिताभ बच्चन तक की फिल्मों में पैसे लगाये, एविएशन के क्षेत्र में हाथ आजमाया. उन्होंने अखबार भी निकाला और चैनल भी चलाया, जिसमें नामी पत्रकारों ने सेवाएं दीं. जन-गण-मन के सामूहिक गान का रिकॉर्ड भी बनाया और सहारा सिटी, लखनऊ के प्रवेश द्वार पर भारत माता की विशालकाय प्रतिमा स्थापित कर स्वयं को प्रखर राष्ट्रवादी होने का अहसास भी कराया. उन्हें कई नेशनल अवार्ड भी मिले,

लेकिन आखिर में होता वही है, जो मंजूर-ए-खुदा होता है.

सफलता की सीढ़ियां फलांगते आत्मघाती गलतियां कर बैठे : दरअसल सुब्रत राय सफलता की सीढ़ियां फलांगते हुए आत्मघाती गलतियां कर बैठे. उन्होंने अमर सिंह (अब स्वर्गवासी), अनिल अंबानी और अमिताभ बच्चन की सोहबत में खुद को मुलायम सिंह यादव के साथ एक्सपोज कर दिया. इस दोस्ती का आलम यह था कि सुब्रत राय ने 1996 के लोकसभा चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी को हराने के लिए सपा प्रत्याशी राज बब्बर के समर्थन में स्वयं को झोंक दिया. हालांकि अटल जी ने कभी इसका बुरा नहीं माना और सुब्रत राय के बेटों की शादी में बतौर प्रधानमंत्री शामिल हुए. इसके अलावा उपराष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत तथा लालकृष्ण आडवाणी भी शरीक हुए. इस शादी में क्रिकेट जगत के हीरो कपिलदेव से लेकर कई मशहूर खिलाड़ी भी सम्मिलित हुए.

-शेष पेज 7 पर

चाईबासा में आईईडी ब्लास्ट जवान घायल, रांची लाया गया

संवाददाता। चाईबासा

नक्सली साजिश

- जवान को एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया, रिम्स में भर्ती
- सुरक्षा बलों के सर्च अभियान के दौरान हो गया हादसा

पश्चिम सिंहभूम जिले के वन में माओवादियों के खिलाफ अभियान के दौरान एक आईईडी में गुरुवार को विस्फोट होने से सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया.

पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) ने मुफस्सिल में हेसाबंध गांव के पास जंगल में आईईडी लगाया था और सुरक्षा बलों की टीम जब माओवादियों के खिलाफ अभियान चला रही थी, तभी आईईडी में विस्फोट हो गया. उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ (174 बटालियन) के जवान हफीजुल रहमान को विस्फोट में चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए विमान से रांची में अस्पताल ले जाया गया. जवान की स्थिति स्थिर है. इलाके में नक्सलियों के खिलाफ तलाश अभियान जारी है.

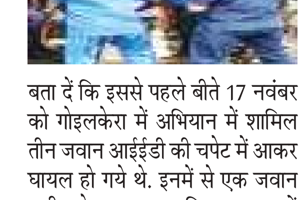

बता दें कि इससे पहले बीते 17 नवंबर को गोइलकेरा में अभियान में शामिल तीन जवान आईईडी की चपेट में आकर घायल हो गये थे. इनमें से एक जवान शहीद हो गया था. जबकि अन्य जवानों को रांची भेज दिया गया था.

ब्रीफ खबरें

होल्डिंग टैक्स और ट्रेड लाइसेंस की हुई जांच

लातेहार। नगर पंचायत के प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा ने गुरूवार में शहर में होल्डिंग व ट्रेड लाइसेंस जांच अभियान चलाया. जांच अभियान के दौरान बाइपास रोड में पंकज कुमार एवं आशीष कुमार डिफाल्टर के रूप में पाये गये. उनका ऑन द स्पॉट होल्डिंग टैक्स काटा गया. जांच अभियान में होल्डिंग टैक्स के रूप में एक लाख 70 हजार रूपये एवं ट्रेड लाइसेंस में 10621 रुपये संग्रहण किया गया. इस दौरान कई दुकानों का ऑन द स्पॉट ट्रेड लाइसेंस का रिन्यूअल किया गया.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आज से

लातेहार। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम जिले में 24 नवंबर से प्रारंभ होगा. लातेहार नगर पंचायत क्षेत्र में 25 नवंबर को वार्ड नंबर एक व दो करकट व बानपुर ग्राम में आपकी योजना आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मध्य विद्यालय करकट में शिविर का आयोजन किया जायेगा. जबकि एक दिसंबर को वार्ड नंबर चार, पांच व छह का सोमेश्वर विवाह मंडप में, छह दिसंबर को वार्ड नंबर तीन व सात का मध्य विद्यालय आश्रम में, नौ दिसंबर को वार्ड नंबर आठ, नौ व दस का सामुदायिक भवन अंबाकोठी शिविर लगाया जायेगा.

सड़क सुरक्षा को लेकर चला जागरुकता अभियान

पीरटांड़। वरीय पुलिस अधिकारी के निर्देश के बाद गुरुवार को पीरटांड़ थाना क्षेत्र के पालगंज मोड़ स्थित पीरटांड़ पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता अभियान चलाया गया. इस अभियान के तहत वहां से गुजरने वाले हर मोटरसाइकिल सवारों को सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई. पीरटांड़ थाना प्रभारी गौरव भगत ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा में कभी भी कोई कोताही बरतनी नहीं चाहिए. हर दोपहिया सवारों को अपनी सुरक्षा के लिए सबसे पहले हेलमेट का प्रयोग करना चाहिए.

सरकार आपके द्वार को लेकर एसडीएम ने की बैठक

हुसैनाबाद (पलामू)। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम को लेकर प्रखंड कार्यालय के सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने समीक्षा बैठक की. विभागीय पदाधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों से अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने कहा कि शुक्रवार 24 नवंबर से आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत प्रखंड और पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जायेगा. शिविर में ज्यादा से ज्यादा योग्य लोगों को लाभान्वित करें.

वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार घायल

घाटशिला। धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के खरसती पुलिया के समीप एनएच 18 फोरलेन पर गुरुवार की शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. पीछे से आ रहे लोगों ने सड़क पर गिरा घायल युवक को देखकर पहचान करने के बाद परिजनों को सूचना दी. सूचना पर चुकरीपाड़ा पंचायत के मुखिया सहित वार्ड सदस्य परिवार को लेकर घटनास्थल पहुंचे. तत्काल अपनी वाहन से अनुमंडल अस्पताल लेकर पहुंचे अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक डॉ आरएन टुडू ने प्राथमिक उपचार के बाद एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेज दिया.

वन विभाग ने बिजली विभाग को सूची उपलब्ध कराते हुए तार की ऊंचाई बढ़ाने के लिए लिखा पत्र

8-10 फीट की ऊंचाई पर झूल रहे हैं बिजली के तार

संवाददाता । चाकुलिया

हाई टेंशन तार के बिजली की चपेट में आकर चाकुलिया में दो और मुसाबनी में पांच हाथियों की मौत से वन विभाग की परेशानियां बढ़ गई हैं. वन विभाग द्वारा जमीन से कम ऊंचाई पर झूल रहे बिजली के तारों की जांच कर सूची बनाई जा रही है. इस सूची को बिजली विभाग को भेज कर तार को ऊंचा करने की बात कही गई है.

चाकुलिया वन क्षेत्र अंतर्गत चाकुलिया, बहरागोड़ा और धालभूमगढ़ प्रखंड क्षेत्र में वन विभाग में अब तक 67 ऐसे जगह का चयन किया है, जहां 8 से 10 फीट की ऊंचाई पर बिजली के तार झूल रहे हैं. इन जगहों पर हाथियों के बिजली की तार के चपेट में आने की प्रबल संभावनाएं हैं. इस मसले पर वन विभाग ने बिजली विभाग को सूची उपलब्ध कराते हुए तार की ऊंचाई बढ़ाने के लिए पत्र लिखा है. इसकी प्रतिलिपि जमशेदपुर की वन प्रमंडल पदाधिकारी ममता प्रियदर्शी और घाटशिला के अनुमंडल पदाधिकारी सत्यवीर रजक को भेजी गई है.

जर्जर खंभे के सहारे टिके हैं हाई वोल्टेज तार

चाकुलिया। चाकुलिया में हाई वोल्टेज तार की चपेट में आकर हुई दो हथनियों की मौत के बाद बिजली विभाग सतर्क नहीं हुआ है. नगर पंचायत क्षेत्र में ही हाई वोल्टेज तार के कई ऐसे जर्जर खंभे हैं, जिन्हें एक दूसरे खंभे के सहारे टिका कर रखा गया है. ऐसे खंभे जंगली हाथियों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं. बिजली विभाग द्वारा ऐसे जर्जर खंभों को, जो दूसरे खंभे के सहारे टिके हैं, को बदलने की दिशा में पहल नहीं कर रहा है. वन विभाग भी इस मसले पर गंभीर नहीं है. जबकि नगर पंचायत और इससे सटे हवाई पट्टी क्षेत्र में अक्सर हाथियों का दल जाकर उत्पात मचाता है. नगर पंचायत कार्यालय से करीब 100 मीटर दूर स्थित सड़क के किनारे पशु चिकित्सालय के पास एक बिजली के जर्जर खंभे को एक दूसरे खंभे के सहारे टिकाया गया है. स्वामी विवेकानंद आईटीआई से सटे नेताजी बोस पार्क के सामने एक जर्जर खंभा को दूसरे खंभे के सहारे रखा गया है. इस पार्क से सटा बिजली शक्ति उप केंद्र है. हवाई पट्टी जाने वाली सड़क पर स्वर्ण रेखा परियोजना के बांयी नहर के पास हाई वोल्टेज के तार के दो जर्जर खंभों को एक दूसरे खंभे के सहारे छोड़ दिया गया है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- नागालैंड का गठन कब हुआ था – 1 दिसंबर 1963
- बहमनी सल्तनत के संस्थापक कौन थे – अलाउद्दीन बहमन शाह
- भारत में केले का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य – तमिलनाडु
- भारत के किस पड़ोसी देश ने टिकटॉक पर बैन लगाया है – नेपाल
- मणिपुर में कितने लोकसभा सीट हैं – 2
- एक मनुष्य को प्रतिदिन कितनी मात्रा में आयोडीन की आवश्यकता होती है – .80 माइक्रोग्राम
- देश में वेंबनाड कहां पर है झील – केरल
- नंद वंश के संस्थापक कौन थे – महापदम नंद
- आईबीएम का फुल फॉर्म क्या है – इंटरनेशनल बिजनेस मशीन
- झीलों का नगर किसे कहा जाता है – श्रीनगर

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जागरुकता रथ रवाना

रथ ही अब लोगों को जागरूक करेगी: डीसी

संवाददाता । गढ़वा

समाहरणालय गढ़वा परिसर से गुरुवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर जन जागरुकता रथ रवाना किया गया. इसे डीसी शेखर जमुआर संग डीडीसी राजेश कुमार राय एवं जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ अवधेश सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रामगोपाल पांडेय, जिला जन संपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. बताया गया कि जन जागरुकता रथ जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में जाकर आमजनों को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के प्रति जागरूक करने का कार्य करेगी. इससे वह अपने निकटतम पंचायत में आयोजित कार्यक्रम के शिविरों में जाकर सरकारी योजनाओं का लाभ ले सके.

बता दें कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम 24 नवंबर से 26 दिसंबर 2023 तक आयोजित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है. जिले के सभी पंचायतों इस कार्यक्रम के तहत शिविरों का आयोजन कर सरकार क योजनाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को उपलब्ध कराए जाने का निर्देश दिया गया है.

रथ रवाना

- उपायुक्त शेखर जमुआर ने रथ को दिखाई हरी झंडी
- लोग शिविरों में जाकर योजनाओं का लाभ ले सकेंगे

कार्यक्रम की निर्धारित तिथि

- 24 नवंबर को धुरकी प्रखंड के पंचायत सचिवालय रक्सी, खरौंधी के पंचायत सचिवालय कूपा, कांडी प्रखंड में कांडी पोखरा तालाब के पास, मंझिआंव के पुरहे पंचायत भवन में, मेराल के तीसरटेटुका पंचायत अंतर्गत पेंदली छठ घाट के मैदान में, चिनिया के पंचायत भवन बरवाडीह, भवनाथपुर के मकरी पंचायत भवन में आयोजित किये जायेंगे.
- 28 नवंबर को कांडी के पतरिया पंचायत भवन के पास, केतार के परती कुशवानी पंचायत भवन, मेराल के चामा में मदरसा के मैदान में, रंका के दूधवल के नगड़ी मैदान में, रमना के पंचायत भवन बहियार खुर्द, सगमा के पंचायत सचिवालय कटहर कलां में आयोजित किये जायेंगे.
- 29 नवंबर को गढ़वा प्रखंड के छतरपुर पंचायत भवन में, धुरकी के खाला पंचायत सचिवालय में, मंझिआंव के टड़हे पंचायत भवन में, चिनिया के बेता पंचायत भवन में, आयोजित किये जाएंगे.
- 30 नवंबर को बरगढ़ प्रखंड के बरगढ़ पंचायत के प्राथमिक विद्यालय महुआटीकर में, कांडी के रानाडीह पंचायत भवन में आयोजित किए जाएंगे.
- 01 दिसंबर को बरडीहा प्रखंड के पंचायत भवन बरडीहा में, कांडी के शिवपुर पंचायत भवन में, केतार के पाचाडूमर पंचायत भवन में, मेराल के चेचरिया पंचायत भवन में, रमना के भगोड़ीह पंचायत भवन में पंचायत भवन में आयोजित किए जाएंगे.
- 02 दिसंबर को धुरकी प्रखंड के खुटिया पंचायत सचिवालय में, कांडी प्रखंड के पतिला पंचायत भवन में, मंझिआंव के रामपुर पंचायत भवन में, मेराल के ओखरगाड़ा पूर्वी पंचायत के पचफेड़ी विद्यालय के पास, बिशुनपुरा के सरांग पंचायत सचिवालय के समीप आम बगीचा के मैदान में आयोजित किए जाएंगे.
- 04 दिसंबर को खरौंधी के राजी पंचायत सचिवालय में, केतार के केतार पंचायत भवन में, मेराल के पढ़ुवा पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पतहरिया में, भंडरिया के करचाली पंचायत के दुर्गा मंडप कंजिया में, रमकंडा के रमकंडा पंचायत भवन में आयोजित किया जाना है.
- 05 दिसंबर को धुरकी के पंचायत सचिवालय धुरकी में, बरडीहा के आदर पंचायत भवन में, कांडी के डुमरसोता पंचायत के दरीदह हनुमान मंदिर के पास, चिनिया के विलायती खैर पंचायत भवन में आयोजित किया जाना है.
- 06 दिसंबर को खरौंधी के सुंडी पंचायत सचिवालय में, कांडी के हरिहरपुर पंचायत भवन में आयोजित है.
- 07 दिसंबर को केतार के बलीगढ़ पंचायत भवन में, रमना के गम्हरिया पंचायत भवन में, नगर ऊंटारी के हलिवंता कला पंचायत भवन में एवं गढ़वा के कल्याणपुर पंचायत भवन में आयोजित होगा.

जागरुकता रथ रवाना हुआ

संवाददाता । लातेहार

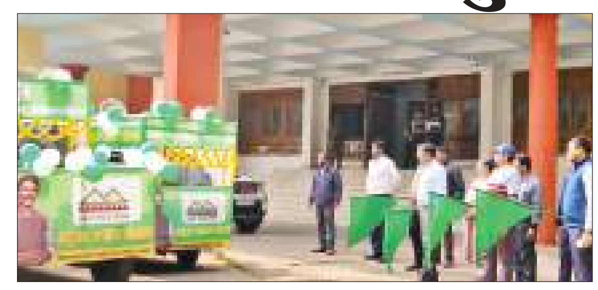

अबुआ आवास योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए गुरुवार को समाहरणालय से दो एलईडी जागरुकता रथ रवाना किया गया. उप विकास आयुक्त आलोक शिकारी कच्छप ने हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया. डीडीसी ने बताया कि इस जागरुकता रथ से अबुआ आवास योजना के सुयोग्य लाभुकों को 24 नवंबर से 23 दिसंबर तक से जिले के विभिन्न पंचायतों में होने वाले आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार शिविर में शामिल होकर अबुआ आवास योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन जमा करने के लिए प्रेरित किया जायेगा.

उन्होंने बताया कि योग्य आवास विहीन लाभुकों को तीन कमरे का पक्का मकान बनाने के लिए कुल दो लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी. इस योजना के तहत वैसे लोगों को आवास योजना का लाभ मिलेगा जिनके कच्चे मकान है. जो आवास विहीन एवं निराआश्रित, विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह, प्राकृतिक आपदा के शिकार परिवार, बंधुआ मजदूर व वैसे परिवार, जिन्हें राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा संचालित आवास योजना योजना का लाभ नहीं दिया गया हो. आवास निर्माण के लिए कुल सहायता राशि दो लाख रुपया प्रति ईकाई है. आवास का निर्माण 31 वर्ग मीटर में तीन कमरे का किया जायेगा. मौके पर निदेशक डीआरडीए प्रभात रंजन चौधरी व जिला गोपनीय शाखा प्रभारी श्रेयांश समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

28 को जिले के 13 स्थानों पर सरकार आपके द्वार

धनबाद। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 28 नवंबर को कुल 13 स्थान पर शिविर का आयोजन किया जाएगा. जिसमें पूर्वी टुंडी का लटानी, टुंडी का बांदा पूर्व, निरसा 3का बेनागड़िया, तोपचांची का ब्राह्मणडीहा, बाघमारा का बहियारडीह एवं लुतीपहाड़ी, बलियापुर का पलानी, एगारकुंड का चांच तथा गोविंदपुर प्रखंड के बागसुमा एवं रतनपुर शामिल है. वहीं नगर निगम के वार्ड संख्या 12 अंतर्गत नेपाल रवानी स्कूल भवन छाताटांड़, वार्ड 5 के वार्ड विकास केंद्र छाताबाद तथा चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 3 के बालक बालिका हिंदी मध्य विद्यालय गंजागली में शिविरों का आयोजन किया जाएगा. लोग शिविर में सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं.

डीसीएलआर ने रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता । धनबाद

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को समाहरणालय परिसर से डीसीएलआर सतीश चंद्रा ने हरी झंडी दिखा कर दो प्रचार रथ को रवाना किया. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के कार्यालय के 4 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में 24 नवंबर से 26 दिसंबर 2023 तक जिले की सभी 256 पंचायत, नगर निगम के 55 वार्ड एवं चिरकुंडा नगर परिषद के सभी वार्ड में आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है. इसके वृहत प्रचार प्रसार के लिए प्रचार गाड़ी को रवाना किया गया है. ताकि जिले के सभी लोगों को कार्यक्रम की पूरी जानकारी मिले. लोग अधिक से अधिक संख्या में अपने नजदीकी शिविर में पहुंच कर सरकार की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं.

गोलमुरी में शराब दुकान में आबकारी टीम ने मारा छापा

छापेमारी करने पहुंची आबकारी विभाग की टीम.

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोलमुरी बाजार स्थित शराब दुकान में गुरुवार सुबह आबकारी विभाग ने दबिश दी. इस दौरान आबकारी विभाग ने दुकान में छापेमारी की. विभाग की टीम को देख दुकान में मौजूद कर्मचारियों के होश उड़ गए.

आरोप है कि दुकान में नकली शराब बेची जा रही है. आबकारी विभाग से मामले की शिकायत की गई थी. शिकायत पाकर आबकारी विभाग की टीम छापेमारी करने पहुंची और दुकान में जांच की. यह पहली बार नहीं है जब शराब दुकान से नकली शराब बेचने की शिकायत मिली है. बताया जाता है कि इसके पूर्व भी सोनारी कागलनगर स्थित शराब दुकान में शराब में पानी मिलाने की शिकायत पर छापेमारी हुई थी.

बागबेड़ा विकास समिति ने दिया धरना, किया प्रदर्शन

जमशेदपुर। बागबेड़ा विकास समिति ने स्थानीय समस्याओं को लेकर बड़ोदा घाट के सामने गुरुवार को धरना प्रदर्शन किया. इसके बाद समिति के सभी सदस्य जिला मुख्यालय पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री के नाम पांच सूत्री मांगपत्र उपायुक्त को सौंपा. समिति के अध्यक्ष गणेश विश्वकर्मा ने बताया कि इससे पूर्व भी प्रशासन को एक मांगपत्र सौंपा गया था, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती हैं तब तक लोकतांत्रिक तरीके से उनका आंदोलन चलता रहेगा. उन्होंने बताया कि बागबेड़ा बड़ोदा घाट के पास सौ वर्ष पहले बना पुल पूरी तरह से जर्जर हो चुका है. मरम्मत के नाम पर वहां जिला प्रशासन द्वारा मात्र लोहे का दो एंगल लगा दिया गया है. इससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है. इसलिए पुल को तोड़कर शीघ्र नए पुल का निर्माण कराने, सम्पूर्ण बागबेड़ा क्षेत्र में जुगसलाई नगरपालिका की तर्ज पर कचरे का उठाव के लिए स्थाई व्यवस्था करने, पांच पंचायत की सड़कों की स्थिति जर्जर हो चुकी है, इन सड़कों का निर्माण जल्द से जल्द कराने की मांग की.

इसमें अधिवक्ताओं का बड़ा सभागार सहित पूरा संघ भवन शामिल है

सौर ऊर्जा से रौशन होगा अधिवक्ता भवन

संवाददाता । गिरिडीह

जिले के अधिवक्ताओं के लिए अच्छी खबर है. अधिवक्ता संघ भवन जल्द ही सौर ऊर्जा से जगमग होगा. इसमें अधिवक्ताओं का बड़ा सभागार सहित पूरा संघ भवन शामिल है. योजना को मूर्त रूप देने में कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व जिले के पांच विधायकों की अहम भूमिका होगी. महासचिव चुन्नू कांत ने बताया कि गिरिडीह अधिवक्ता संघ भवन में जल्द ही सौर ऊर्जा का कनेक्शन किया जाएगा. इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है.

चुन्नू कांत की मानें, तो राज्य में यह अधिवक्ताओं का पहला भवन होगा, जहां वैकल्पिक ऊर्जा के सहारे पंखा और लाइट का उपयोग किया जा सकेगा. उल्लेखनीय है कि संघ भवन का बिजली बिल पिछले 10 वर्षों से बकाया है. यह रकम 8 लाख के करीब है. महासचिव ने बताया कि मामले में गिरिडीह उपायुक्त को पत्र लिखकर सौर ऊर्जा कनेक्शन की बात कही गई थी. पत्र की कॉपी स्थानीय विधायक सुदिव्य कुमार सोनू को भी दी गई थी. विधायक ने पहल करते हुए न केवल जेरेडा से बात की, बल्कि जिले के सभी जनप्रतिनिधियों को इससे अवगत कराया. योजना पर 35 लाख रुपए से अधिक लागत आएगी.

गिरिडीह अविवक्ता संघ का भवन.

तैयारी पूरी

- संघ भवन का बिजली बिल पिछले 10 वर्षों से बकाया है
- इस योजना पर 35 लाख से अधिक लागत आएगी

चुन्नू कांत ने बताया कि कोडरमा सांसद सह केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, गिरीडीह विधायक सहित धनवार विधायक सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, बगोदर विधायक विनोद सिंह, जमुआ विधायक केदार हाजरा, गांडेय विधायक डॉ सरफराज अहमद ने अपने सांसद व विधायक कोटा से 5-5 लाख रुपए देने की स्वीकृति दी है. रकम कम पड़ेगी तो गिरीडीह विधायक सोनू ने और राशि देने का भरोसा दिया है.

बीडीओ ने किया पीएम आवास का उद्घाटन

कतरास। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जमुआटांड़ पंचायत मे बने आवासों का गृह प्रवेश गुरुवार को बाघमारा प्रखंड विकास पदाधिकारी सुषमा आनंद व पंचायत के मुखिया निरंजन गोप के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट एवं नारियल फोड़कर किया. इस दौरान बीडीओ ने उपस्थित ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई योजनाएं की जानकारी लोगों को दी. वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना लाभुक जिनो सिंह, गौरी सिंह ,मेंदी देवी, काली गोप, नारायण सिंह से बीडीओ ने बात चीत कर कई महत्वपूर्ण बिंदु पर जानकारी ली. इधर योजना के तहत आवास बनने साथ लाभुकों के चेहरे पर खुशी झलक रही थी. कार्यक्रम में ब्लॉक कोडिनेटर उत्तम कुमार पंचायत सचिव प्रभुदयाल महतो वार्ड सदस्य चंदन महतो वार्ड सदस्य प्रतिनिधि नेपाल सिंह समाजसेवी सुशील कुमार सिंह, शनिचर सिंह, बिनोद महतो, शंकर सिंह और छोटन रजक मौजूद थे.

पर्यटन नवंबर में साइबेरियन पक्षियों का पहुंचना शुरू होता है, जो ठंड की समाप्ति के बाद मार्च महीने में लौट जाती हैं

मौसम बदलते ही डैम में शुरू हो गया प्रवासी पक्षियों का कलरव

दिलीप कुमार । चांडिल

चांडिल डैम में सर्दी का मौसम शुरू होते ही प्रवासी पक्षियों का कलरव शुरू हो गया है. साइबेरियन पक्षियों से चांडिल डैम के प्राकृतिक सौंदर्य में चार चांद लग रहा है. सूर्योदय और सूर्यास्त के समय मेहमान पक्षियों के कलरव और अठखेलियों का विहंगम दृश्य स्थानीय लोगों के साथ सैलानियों का मन मोह लेते हैं. प्रवासी पक्षियों को देखकर स्थानीय लोगों के साथ सैलानियों को भी सुखद अनुभव होता है. जानकार बताते हैं कि यह इलाका प्रवासी पक्षियों का पसंदीदा जगह है. पक्षियों का झुंड पानी में कलोल करते हुए अलग ही आकर्षण एवं दिलचस्प नजारा पेश कर रहे हैं. साइबेरियन पक्षियों की मौजूदगी से चांडिल डैम और भी मनोरम हो जाता है. सर्दी बढ़ने के साथ-साथ इनकी संख्या में भी इजाफा होता जाएगा. नवंबर महीने में इनका आगमन शुरू हो जाता है, जो ठंड की समाप्ति के बाद मार्च महीने में पुनः वापस उड़ जाते हैं. इस वर्ष अभी मेहमान पक्षियों का आना शुरू ही हुआ है. डैम में प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट शुरू होने के बाद इन्हें देखने के लिए पर्यटकों का पहुंचना भी शुरू हो जाएगा. चांडिल डैम की मछलियां और मछलियों को खिलाए जाने वाला दाना इनका पसंदीदा आहार है. ये ऐसे पक्षी हैं जो हवा में उड़ते हैं और पानी में भी तैरते हैं. एक दिन में 1600 किमी की उड़ान भरने की क्षमता रखते हैं.

चांडिल डैम में पानी में अठखेलियां करते साइबेरियन पक्षी.

पहुंचे पक्षी

- यह इलाका प्रवासी पक्षियों के लिए सबसे पसंदीदा जगह है
- जैसे-जैसे सर्दी बढ़ेगी, पक्षियों की संख्या बढ़ती चली जाएगी

धीरे-धीरे कम हो रही पक्षियों की संख्या

चांडिल डैम पहुंचने वाले विदेशी प्रवासी पक्षियों की संख्या प्रतिवर्ष धीरे-धीरे घटती जा रही है. इसके कई कारण हो सकते हैं. चांडिल क्षेत्र का वातवरण धीरे-धीरे प्रदूषित होता जा रहा है. हरी-भरी वादियों में स्वास्थ्यवर्धक हवा अब चांडिल में नहीं रहा. प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक प्रतिष्ठानों के स्थापित होने के बाद यहां का आवोहवा स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं रहा. हो सकता है कि प्रदूषण के कारण यहां पक्षी कम पहुंच रहे हैं. प्रवासी पक्षी डिमना व सीतारामपुर डैम में भी अपना डेरा डालने लगे हैं.

डैम को है अब सजाने संवारने की जरूरत

चांडिल डैम पहुंचने वाले लोग बताते हैं कि यह जगह प्रकृति की सुंदरता से ओतप्रोत है. इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकास करने की अपार संभावनाएं हैं. राज्य सरकार और जिला प्रशासन को चाहिए कि इसे और बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए, ताकि यहां आने वाले पर्यटक चांडिल डैम से एक सुनहरी याद लेकर लौटे सकें. लोगों ने बताया कि डैम में सैलानियों के लिए बैठने के लिए न तो उचित स्थान है, न ही पेयजल की व्यवस्था है.

एसएनएमएमसीएच में लिंक फेल, मरीजों नें किया हंगामा

संवाददाता । धनबाद

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के ओपीडी के रजिस्ट्रेशन काउंटर का लिंक गुरुवार को खुलने के साथ ही फेल हो गया.

सुबह आठ बजे काउंटर तय समय से खुला. इस दौरान इंटरनेट कनेक्शन का लिंक फेल होने से रजिस्ट्रेशन शुरू नहीं हो सका. एक घंटे में रजिस्ट्रेशन काउंटर के बाहर मरीजों की लंबी कतार लग गयी. लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया. हंगामा कर रहे मरीजों को शांत कराने में होम गार्ड जवानों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. लिंक फेल होने के कारण कई मरीज बिना इलाज के ही लौट गये. वहीं कुछ मरीज दूसरी पाली में इलाज कराने का इंतजार कर रहे हैं.

तापमान
26⁰ अधिकतम | 13⁰ न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● शुक्रवार, 24 नवंबर 2023 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 216 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ संजय कुमार सिंह
- ऑर्थोपेडिकः डॉ जीके गुप्ता
- कार्डियोलॉजीः डॉ पीजी सरकार
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- नेत्रः डॉ सुनील कुमार
- ऑब्स गायनीः डॉ किरण त्रिवेदी
- ईएनटीः डॉ आरके चौधरी
- सीटीवीएसः डॉ विनीत महाजन
- नेफ्रोलॉजीः डॉ प्रज्ञा घोष पंत
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- न्यूरोलॉजीः डॉ सुरेंद्र कुमार-डॉ रूपेश प्रसाद

सदर ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ लक्ष्मीकांता सोय
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ रश्मि प्रसाद, डॉ रानी सिंह
- शिशु रोग : डॉ दयानंद
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- यूरोलॉजीः डॉ शैलेंद्र शुक्ला

शहर में आज

1. गुरुनानक जयंती के प्रकाश पर्व का पहला विशेष दीवान, विभिन्न गुरुद्वारों में 7 बजे से
2. सेपक टकरा (ताईक्वांडो) चैंपियनशिप का उद्घाटन, खेलगांव में 11 बजे से
3. चौकीदार दफादार संघ का धरना, राजभवन पर 11 बजे से
4. ट्रेड यूनियनों की प्रेस वार्ता, सीपीएम कार्यालय, मेन रोड में 1 बजे से

ब्रीफ खबरें

तेलंगाना हॉकी के प्रेसिडेंट के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई

रांची। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने तेलंगाना हॉकी के प्रेसिडेंट सरल तलवार के विरुद्ध लालपुर थाने में 21 नवंबर को प्राथमिकी दर्ज कराई है. प्राथमिकी मानहानि करने व जानबूझ कर किसी को अपमानित करने के आरोप में भादवि की धारा 469, 500 व 504 के तहत दर्ज की गई है. दर्ज प्राथमिकी में भोलानाथ सिंह ने बताया है कि वे हॉकी इंडिया के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं. लेकिन तेलंगाना हॉकी के प्रेसिडेंट सरल तलवार द्वारा 21 नवंबर को उन्हें व हॉकी इंडिया को बदनाम करने के लिए मनगढ़ंत तथ्यों को मीडिया प्रकाशित कराया गया.सरल तलवार की ओर से उन्हें बदनाम करने के लिए साजिश के तहत एक व्हाट्सएप ग्रुप में मनगढंत पत्र भेजा गया. उक्त ग्रुप में हॉकी इंडिया के 47 मेंबर है, जिसमें मैसेज भेजा गया.

चैंबर महिला स्टार्टअप उप समिति की बैठक

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की महिला स्टार्टअप उप समिति की बैठक गुरुवार को चैंबर भवन में चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री की अध्यक्षता में हुई. मौके पर स्टार्टअप से जुडे कई विषयों पर चर्चा की गई. कहा गया कि किस प्रकार राज्य भर में स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाए, इस बात पर चर्चा की गई. चर्चा हुई कि स्टार्टअप के लिए सरकार द्वारा कौन कौन से कदम उठाये जा रहे है एवं किस प्रकार इसका विस्तार किया जाए . प्रधानमंत्री द्वारा स्टार्टअप की योजनाओं पर एवं इसके विस्तार पर भी चर्चा की गई.

नई पहल : नगर निगम ने फिर से बनाया प्लान, तैयारियां जोरों पर, रात में गुलजार होगा बाजार

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में दिसंबर से शुरू होगा नाइट मार्केट

तरुण कुमार चौबे। रांची

राजधानी में फिर से एक बार नाइट मार्केट की शुरुआत की जाएगी. इस बार इसे कचहरी चौक स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के पास खोलने की तैयारी है. यह नाइट मार्केट हेल्दी एंड हाइजीन स्ट्रीट इनिशिएटिव के तहत निर्माण किया जा रहा है. इसे जल्द से जल्द शुरू करने के लिए नगर निगम की ओर से एसओपी जारी कर दिया गया है.

इसमें मॉर्डनाइजेशन ऑफ फूड स्ट्रीट के अनुरूप नगर निगम की ओर से कई बिन्दुओं पर प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसमें पहले चरण में कचहरी रोड में जयपाल सिंह स्टेडियम के बाहर नाइट स्ट्रीट मार्केट शुरू किया जाना शामिल किया गया है. मार्केट में दुकान लगाने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को सपोर्ट टू अर्बन स्ट्रीट वेंडर के तहत पीएम स्वनिधि का लाभ भी दिलाया जाएगा. ताकि वेंडर बेहतर तरीके से अपनी दुकान लगा सकें और अपनी आजीविका को भी बढ़ा सकें.

कागजी कार्यवाही पूरी जल्द शुरू होगा मार्केट

निगम द्वारा नाइट मार्केट का डीपीआर तैयार कर एनएचएम को भेज दिया गया है. इस मार्केट के निर्माण के लिए फंड स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त किया जा रहा है. जानकारी देते हुए निगम के अधिकारियों ने बताया कि मार्केट के लिए सारी प्रक्रिया पूरी कर एनएचएम को भेज दी गयी है.हम यह मार्केट दिसंबर से शुरू करना चाहते हैं. इस मार्केट का प्रचार-प्रसार एफएसएसआई के दिशा निर्देश के अनुसार किया जाएगा. मार्केट में जगह सिर्फ खाद्य सामग्री बेचने वाले विक्रेता को दी जाएगी. मार्केट में जगह लेने के लिए विक्रेता के पास आधार कार्ड, वैध निबंधन दस्तावेज (ओनर बुक, कार्ट पंजीकरण, पीएमस्वनिधि पंजीकरण), अपनी दुकान की फोटोग्राफ और फूड सेफ्टी संबंधित दस्तावेज होने चाहिए. जिसके बाद आवेदनों की जांच कर स्थल निर्धारण पर निर्णय लिया जाएगा.

कई बार फेल हो चुका प्लान

राजधानी रांची में नाइट मार्केट बनाने की कोशिश पहले कई बार फेल हो चुकी है. तीन साल पहले बड़ा तालाब के समीप नाईट मार्केट कॉन्सेप्ट पर बाजार शुरू किया गया था. लेकिन सुरक्षा में कमी के कारण कुछ ही दिन में मार्केट बंद हो गया. बड़ा तालाब के समीप सप्ताह में दो दिन शनिवार और रविवार को रात में दुकानें सजती थीं. लेकिन बमुश्किल तीन से चार हफ्ते में मार्केट बन्द होने की कगार पर आ गया था. एक साल पहले मोरहाबादी मैदान में ही नाईट मार्केट लगाने का फैसला लिया गया. जिसके लिए जगह चुन कर साज-सज्जा भी कराई गई. लेकिन दुकान लगने से पहले यह योजना ही बंद हो गई. अब जयपाल सिंह स्टेडियम के समीप इस मार्केट को सजाने का निर्णय लिया गया है.

चार सदस्यीय कमेटी तय करेगी

मार्केट में जगह आवंटन करने के लिए चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है. जो दुकानदारों द्वारा प्रस्तावित आईटम की दुकान, वेंडर के पेपर आदि की जांच कर उसे परमिशन देंगे. नाइट स्ट्रीट मोबाइल फूड हब मोबाइल फूड वैन/मोबाइल कार्ट, मोबाइल कियोस्क लगाने के लिए निगम में आवेदन करना होगा. इसके लिए निगम से निःशुल्क आवेदन पत्र जल्द ले सकेंगे. चार सदस्यीय टीम में डीएमसी, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, सहायक प्रशासक, सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी, सिटी मैनेजर शामिल हैं.

आधारभूत संरचना का निर्माण निगम करेगा

नाइट मार्केट में नगर निगम की ओर से सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. स्थल के पास आधारभूत संरचना का भी निर्माण निगम द्वारा कराया जाएगा. इसके अलावा पेविंग, पीने के लिए स्वच्छ जल, हाथ धोने के लिए पानी, टॉयलेट सुविधा, वेस्ट डिस्पोजल, लाइटिंग व पार्किंग की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. लोगों और दुकानदारों को सुरक्षा मुहैया भी नगर निगम द्वारा करायी जाएगी. इसके लिए निगम रांची पुलिस की मदद लेगा.

जमीन की नहीं हो पाई है अब तक मैपिंग

82000 जमीन के नक्शों को समझना बनी पहेली

रवि भारती। रांची

झारखंड में जमीन के नक्शों को समझना पहेली बन गया है. जमीन की मैपिंग नहीं होने के कारण जमीन विवाद बढ़ता ही जा रहा है. इसकी वजह यह है कि नक्शों को जानने और समझने वाले कैथी भाषा के जानकार हैं ही नहीं. जमीन विवाद सुलझाने और मैपिंग कराने के लिए बिहार से रघुवर सरकार ने 82129 नक्शे मंगाए थे. लेकिन इन नक्शों को अब तक पूरी तरह से समझा नहीं जा सका है. इसकी सबसे बड़ी वजह भाषा की समस्या है. इसमें कैथी भाषा का प्रयोग किया गया है. राज्य में जो कैथी के जानकार थे, वे रिटायर कर गये. अब नक्शों को समझना सरकार के लिए चुनौती बन गया है. अगर नक्शों का शुद्धीकरण हो जाता तो 80 से 90 फीसदी विवादों का हल निकल जाता. खास बात यह है कि नक्शा मंगाने में राज्य सरकार ने 52 करोड़ रुपए खर्च कर दिए.

दाखिल-खारिज के मामले हो रहे लंबित : नक्शों को नहीं समझने के कारण राज्य में दाखिल खारिज के मामले लंबित होते जा रहे हैं. आज की तारीख में दाखिल खारिज के 72311 मामले लंबित हैं. वहीं 875282 मामले रिजेक्ट कर दिए गए. 1738790 मामलों में 791187 दाखिल-खारिज के मामलों का ही निष्पादन हो सका है.

- **कैथी भाषा के नहीं मिल रहे जानकार**
- **झारखंड में बढ़ता जा रहा जमीन विवाद**
- **दाखिल खारिज के 72311 मामले लंबित**

क्या था नक्शा मंगाने का उद्देश्य

- राज्य के हर गांव की मैपिंग का सही अंदाजा लगाया जा सके
- बिहार-झारखंड की लंबित परिसंपत्तियों का बंटवारा सही तरीके से हो सके
- नक्शे की एक कॉपी रैयत के पास होती और दूसरी कॉपी प्रिंटिंग प्रेस में होती

क्या हो रहा नुकसान

- रैयती जमीन की मैपिंग नहीं होने के कारण बढ़ता जा रहा है भूमि विवाद
- **बढ़ता ही जा रहा है अवैध जमीन कब्जों का मामला**
- रैयतों को मालिकाना हक नहीं मिलने के कारण बढ़ती जा रही है लीगल मामलों की संख्या

अब तक क्या हुआ- क्या नहीं हुआ

- नहीं हो पाया नक्शों का डिजिटाइजेशन
- **फोटो कॉपी करने के लिए 25 करोड़ की लागत से किया जाना था प्रिंटिंग प्रेस स्थापित**
- 52 करोड़ रुपए खर्च कर बिहार से 82129 नक्शे मंगाए गए
- **बिहार के गुलजारबाग प्रेस से फोटो कॉपी कर कर लाए गए झारखंड**

झारखंड मॉडल को बड़ी सफलता

सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन

निलय सिंह। रांची

स्वास्थ्य सचिव अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में वीमेन डॉक्टर विंग झारखंड की मौजूदगी में सर्वाइकल कैंसर की समीक्षा बैठक हुई. बैठक में सभी सिविल सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ सभी जिलों के अस्पताल प्रबंधन और उपाधीक्षकों को ऑनलाइन जोड़ा गया. हर जिले की सर्वाइकल की स्क्रीनिंग और मिले संदिग्ध मरीज, उनके इलाज की 7 महीने की रिपोर्ट जो भेजी गई थी, उसकी समीक्षा हुई. 2021 में बने इस मॉडल में 2,70684 प्रजनन क्षमता वाली महिलाओं की स्क्रीनिंग का लक्ष्य था. लक्ष्य से अधिक स्क्रीनिंग हुई.

अपर मुख्य सचिव अरुण सिंह ने सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग के लिए महीने के 48 महिला स्वास्थ्य शिविरों के अलावा 264 ब्लॉक के लिए हर महीने 264 महिला स्वास्थ्य शिविर लगाने का भी निर्देश दिया, जिसमें सदर अस्पताल से एक स्त्री रोग विशेषज्ञ को कैंप में भेजे जाने का प्रस्ताव दिया गया है.

आज वार्ड 1 और 2 में लगेगा विशेष शिविर

रांची। राजधानी के वार्डों में शुक्रवार से आपकी योजना-आपकी सरकार कार्यक्रम शुरू होगा. इसकी शुरुआत वार्ड नंबर 1(बिरसा स्कूल कांके) व वार्ड नंबर 2 (जोगो पहाड़ एदलहातु) से की जाएगी. कार्यक्रम के तहत नगर निगम सभी 53 वार्डों में 26 दिसंबर तक रोज दो वार्डो में शिविर लगा कर लोगों से उनकी शिकायतें लेगा. इनका निपटारा ऑन स्पॉट होगा. गुरुवार को अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने सभी संबंधित अफसरों के साथ बैठक करके कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

रैना के धुरंधरों ने दर्ज की रोमांचक जीत

लीजेंड लीग क्रिकेट

खेल संवाददाता। रांची

जेएससीए में खेले जा रहे लीजेंड्स लीग क्रिकेट सीजन 2 का पांचवा मुकाबला इंडिया कैपिटल्स और अर्बनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया. जिसमें सुरेश रैना की कप्तानी वाली अर्बनराइजर्स ने गौतम गंभीर की कप्तानी वाली इंडिया कैपिटल्स को रोमांचक मुकाबले में 3 रनों से मात दी. रैना की टीम लगातार 2 जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर काबिज हो गई है.

टॉस जीत कर कैपिटल ने पहले गेंदबाजी की. अर्बनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत खराब रही और दोनों सलामी बल्लेबाज ड्वेन स्मिथ और गुप्टिल 10 रनों के अंदर लौट गए. तीसरे नंबर पर उतरे गुरकीरत सिंह मान ने 54 गेंदों में 89 रन बना कर पारी को संभाला. गुरकीरत का साथ कप्तान सुरेश रैना ने 27 गेंदों में 46 रन और पीटर टेरेगो ने 20 गेंदों में 36 रन बना कर स्कोर 6 विकेट पर 189 रन तक पहुंचा दिया. इंडिया कैपिटल की ओर से इसरू उडाना ने 2, केपी अप्पन्ना, जे रस्टी थेरॉन और मुनाफ पटेल ने 1-1 विकेट लिए.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया कैपिटल की शुरुआत खराब हुई. टीम के कप्तान गौतम गंभीर को क्रिस्टोफर म्पोफू ने पहली गेंद पर बोल्ड कर दिया. उसके बाद हाशिम अमला, क्रीक एडवड्र्स बेन डंक भी सस्ते में पैवेलियन लौट गए. केविन पीटरसन ने 48 गेंदों में 77 रन बना कर मुकाबले को रोमांचक बनाया. एश्ले नर्स ने अंत के ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर 41 रन बनाए, हालांकि वो टीम को जीत नहीं दिला सके. अर्बनराइजर्स हैदराबाद की ओर से क्रिस्टोफर म्पोफू ने 2 विकेट लिए. टीनो बेस्ट, पीटर टेरेगो और पवन सुयाल ने 1-1 विकेट लिए. 18 नवंबर से 9 दिसंबर तक होने वाले ये मुकाबले रांची के बाद देहरादून, जम्मू, विशाखापत्तनम और सूरत में खेले जाने हैं.

संत जेवियर्स कॉलेज को फिर मिला ऑटोनॉमस का दर्जा

संवाददाता। रांची

संत जेवियर्स कॉलेज रांची को ऑटोनॉमस का दर्जा फिर से मिल गया है. इसके लिए यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने प्रिंसिपल के नाम मेल भेजा है. हालांकि रांची विश्वविद्यालय की ओर से इस संबंध में फिलहाल कोई नोटिस अभी जारी नहीं की गया है. पहले की तरह अब फिर से संत जेवियर्स कॉलेज अपने पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई कराने के साथ ही अपने स्तर से ही परीक्षा ले पाएगा. संत जेवियर्स कॉलेज का ऑटोनॉमस का दर्जा 2022 में समाप्त हो गया था. उसके बाद कॉलेज रांची विवि के अंतर्गत ही संचालित था. ऑटोनॉमस दोबारा मिलने का कारण नैक रैंकिंग में ए रैंक आना है. जबसे ऑटोनॉमस का दर्जा छिना था, तभी से यूजीसी ने ऑटोनॉमस का दर्जा दिया है.

15 नवंबर को ही यूजीसी ने मेल भेज कर दी जानकारी: प्रिंसिपल : संत जेवियर्स कॉलेज के प्रिंसिपल फादर डॉ. नबोर लकड़ा एसजे ने एक चैनल से कहा कि बीते 15 नवंबर को उनके नाम मेल आया. लगता है कि यूजीसी वाले 15 नवंबर बिरसा मुंडा जयंती व राज्य स्थापना दिवस पर खुशखबरी देना चाहते थे. इसलिए 15 को मेल भेज कर कॉलेज को दुबारा ऑटोनॉमस का दर्जा देने की जानकारी दी. यूजीसी ने इस संबंध में पहले ही पत्र भेज कर कुछ दस्तावेज मांगे थे. जो रिक्वायरमेंट था, उसे हमने ने पूरा किया. जो कागजात मांगे गए थे, उसे दे दिया. इसके लिए हमलोग लगातार प्रायस करते रहे. संत जेवियर्स कॉलेज को पिछले 17 सालों से ऑटोनॉमस का दर्जा मिला हुआ है. हर पांच साल में ऑटोनॉमस दर्जा का रिन्युअल कराना होता है.

अरगोड़ा थाना के पीछे घर का ताला तोड़कर 4.50 लाख की चोरी

रांची। अरगोड़ा थाना के पीछे मकान संख्या बी-69 के बगल में रहने वाले ओम प्रकाश के घर में ताला तोड़कर 4.50 लाख की चोरी हुई है. वे किराए पर उस घर में रहते हैं. इस संबंध में ओम प्रकाश ने अरगोड़ा थाने में चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई है. दर्ज प्राथमिकी के अनुसार ओम प्रकाश पूरे परिवार के साथ 11 नवंबर की सुबह नौ बजे तिलैया कोडरमा गए हुए थे. छठ मनाने के बाद वे 21 नवंबर की शाम 5 बजे वे वापस घर पहुंचे तो देखा कि घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ है. जब वे अंदर कमरे में गए तो देखा कि कमरे में रखी अलमीरा भी टूटी हुई है. उसमें रखे करीब दो लाख रुपए के जेवरात और दो लाख रुपए मूल्य के सोने के सिक्के व नगद 50 हजार रुपए कुल साढ़े चार लाख गायब है. इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना अरगोड़ा थाना की पुलिस को दी. पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन की. हालांकि चोरो को अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है.

आयोजन : शामिल होंगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत मंत्री और विधायक भी

आदिवासी महोत्सव की तैयारियां पूरी, 2 7-28 को जुटेंगे युवा

संवाददाता। रांची

दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव का आगाज हो गया है. रांची विश्व विद्यालय के दीक्षांत मंडप में 27-28 नवंबर को हजारों युवा महोत्सव में जुटेगें. ट्राइबल यूथ फेस्ट कमेटी के कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन, कला संस्कृति विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, मांडर विधायक नेहा शिल्पी तिर्की, पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की शामिल होंगे. यह जानकारी ट्राइबल यूथ फेस्ट के अध्यक्ष ने जानकारी दी. इसमें राज्य के 32 आदिवासी समाज के युवा शामिल होंगे. रांची के पांच मौजा के पाहन पूजा पाठ कर कार्यक्रम की शुरुआत करेगें. दोपहर बाद 2 बजे से रात 10 बजे तक कार्यक्रम चलेगा. महोत्सव में 150 वेलेंटियर की नियुक्ति भी की जाएगी.

आदिवासी मुद्दों पर होगा नाटक का मंचन : विभिन्न आदिवासी भाषाओं में युवा मुंडारी, कुड़ुख,संथाली, हो और नागपुरी भाषा में लोक नृत्य प्रस्तुति करेगें. सभी लोग एक परिधान और पांरपरिक वाद्ययंत्र में कार्यक्रम में शामिल होंगे. दो दिन तक होने वाले इस कार्यक्रम में आदिवासी समाज के विभिन्न सामाजिक मुद्दों को लेकर नाटक का मंचन किया जाएगा. झारखंड के वीर शहीद धरती आबा , तिलका मांझी, फूलो झानो की वीर गाथा पर रॉक शो किया जाएगा.

विभिन्न स्कूल कॉलेजों के छात्रावास के युवा होंगे शामिल

मोरहाबादी में होने वाली आदिवासी युवा महोत्सव में रांची के विभिन्न आदिवासी छात्रावास बीएस कॉलेज लोहरदगा, उर्सलाइन प्लस टू कॉलेज समेत रांची विश्वविद्यालय के छात्रावास के युवा शामिल होंगे.

कार्यक्रम में 45 स्टॉल लगाए जाएंगे

दो दिन तक होने वाले आदिवासी महोत्सव में दीक्षांत परिसर में 45 स्टॉल लगाये जाएंगे. जिसमें झारखंडी खान पान, आदिवासी वेशभूषा आर्ट एंड डकोरेशन का स्टॉल भी लगाया जाएगा.

दो फिल्मों का पोस्टर भी रिलीज होगा

दो वर्ष से लगातार होने वाले दीक्षांत मंडप परिसर में बूढा पहाड़ और मोर हिरो बाबा फिल्म का पोस्टर रिलीज भी किया जाएगा.एक दो मिनट का फिल्म का ट्रेलर भी दिखाया जाएगा.

सामूहिक विवाह : और हो गए एक दूजे के ...

संवाददाता। रांची

अग्रसेन भवन में गुरुवार को तुलसी विवाह पर अग्नि को साक्षी मान कर दो जोड़े एक दूजे के हो गए. साथ ही अग्रवाल सभा का 29वां सामूहिक विवाह समारोह संपन्न हो गया. भवन में सुबह से ही विवाहिता जोड़ों के परिवार वाले बन्ना-बन्नी के गीत गा रहे थे. एक -एक कर शादी की रस्म पूरी कर रहे थे. शाम चार बजे गाजे-बाजे के साथ बारात निकली जो बंशीधर अडुकिया रोड, कॉट सराय, इस्ट मार्केट, नार्थ मार्केट, अपर बाजार, सरस्वती मार्केट, जेजे रोड, बड़ालाल स्ट्रीट होते हुए अग्रसेन भवन पहुंची. बारात में अग्रवाल समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया. लाल जोड़ों में दुल्हनों ने अपने राजकुमारों को वरमाला पहनायी. समाजसेवी ओमप्रकाश केजरीवाल संग बड़ी संख्या में लोगों ने भी खास तौर से इसमें हिस्सा लिया.

बन्ना-बन्नी ने कहा : सभा का कार्य सराहनीय है. ऐसा आयोजन दूसरों के लिए प्रेरणा दायक तो है ही, सामाजिक बुराई के खिलाफ भी बड़ा कदम है.

निभायी भागीदारी : भागचंद पोद्दार, किशोर माटोदिया, मनोज कुमार चौधरी, गोवर्धन गाड़ोदिया, राजकुमार केडिया, ओमप्रकाश अग्रवाल, चंडी डालमिया, नंदकिशोर पाटोदिया, रतन लाल बंका, विश्वनाथ जाजोदिया, विनोद जैन, ललित पोद्दार, पवन पोद्दार, अजय डिडवानिया, नरेश बंका, रमेश खेमका, रमन बोरा, चंद्र प्रकाश बागला, मनोज धांधनिया, विवेक, अमर अग्रवाल, आकाश आदि ने इसमें मुख्य रूप से भागीदारी निभायी.

थामा एक -दूजे का हाथ

- लोहरदगा के शुभम कुमार संग गोरखपुर की ऋतु कसोधन
- लोहरदगा के सुमित राज अग्रवाल संग रांची की मंजू कुमारी

▼ ब्रीफ खबरें

मैजिक ने बाइक में मारी टक्कर, 3 घायल

महुदा । धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर तेलमच्चो चेक पोस्ट के समीप गुरुवार को टाटा मैजिक की टक्कर से बाइक पर सवार 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. इनमें एक युवक व 2 लड़कियां शामिल हैं. ग्राम रक्षा दल के सदस्यों ने लहूलुहान अवस्था में तीनों घायलों को सड़क से उठाकर बोकारो स्थित अस्पताल में भर्ती कराया. सरयू नापित ने बताया कि फुसरो निवासी युवक उपेंद्र मोदी अपने दो मौसेरी बहनों रिंकू और संजोती के साथ बाइक से छठ का प्रसाद पहुंचाने पुपुनकी जा रहा था.

छापेमारी में भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

रांची। उत्पाद विभाग की टीम ने राजधानी में छापेमारी की है. छापेमारी में टाटा 407 वाहन से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई है. सहायक आयुक्त उत्पाद रांची को गुप्त सूचना मिली थी. जिसके आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने कांके थाना क्षेत्र के रिंग रोड में लॉ कॉलेज मोड़ के पास से चेकिंग के दौरान एक टाटा 407 पिकअप वाहन पकड़ा. वाहन की तलाशी लेने पर अवैध विदेशी शराब ओल्ड मोंक रम 750 एमएल 2880 पीस (240 पेटी) कुल 2160 लीटर जब्त की गयी.

आफताब अपहरण कांड में एक गिरफ्तार

रांची । रांची के आफताब अपहरण कांड मामले में लोअर बाजार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इस मामले में फरार चल सचिन कुमार को भी रांची पुलिस हजारीबाग से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. वहीं मृतक आफताब के मिले अवशेष से मिलान करने के लिए परिजनों का डीएनए सैंपल भी लिया गया है. बताया जाता है कि जेल भेजने से पहले गिरफ्तार आरोपी से पुलिस ने पूछताछ की.

ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक की मौत

घाटशिला । घाटशिला जयराम पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार की शाम ट्रैक्टर की चपेट में आने से 59 वर्षीय सुधीर पातर नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोग एवं घाटशिला पुलिस द्वारा घायल सुधीर पातर को उठाकर अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचा. अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक डॉ आरएन टुडू ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. पुलिस ट्रैक्टर को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है.

अज्ञात वाहन के धक्के से बुलेट सवार की मौत

जमशेदपुर । जमशेदपुर के एमजीएम थाना अंतर्गत छोटाबांकी के पास एनएच 33 पर अज्ञात वाहन के धक्के से बुलेट चालक 20 वर्षीय सुबोध गोप गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद घायल सुबोध को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए टीएमएच रेफर कर दिया गया. टीएमएच में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इधर, मामले की सूचना पाकर भाजपा नेता विमल बैठा भी अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली.

गिट्टी लदा हाइवा पलटा कोई हताहत नहीं

तिसरी (गिरिडीह) । तिसरी थाना क्षेत्र अंतर्गत घंघरीकुरा के पास गिट्टी लदा एक 18 पहिया हाइवा असंतुलित होकर पलट गया. हालांकि इस दुर्घटना में किसी के भी हताहत होने की कोई खबर नहीं है. चालक व उपचालक को मामूली रूप से चोटें आई है. बताया जाता है कि बुधवार की रात उक्त हाइवा निमियाघाट से गिट्टी लोड कर पटना में मेट्रो निर्माण कार्य में आपूर्ति के लिए निकला था. इसी बीच ब्रेक नहीं लगने के कारण असंतुलित होकर पलट गया.

बाइक से गिरकर दो गंभीर, राउरकेला रेफर

मनोहरपुर । आनंदपुर झारबेड़ा मार्ग तीखा मोड़ पर बाइक के अनियंत्रित हो जाने से बाइक एक पेड़ से टकरा गई. जिससे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल युवक संतोष नायक ओडिशा बिश्रा थाना अंतर्गत गांव कोकेरमा का रहने वाला है. वहीं बुधराम टोप्पो आनंदपुर थाना अंतर्गत गांव बुनूमदा का रहने वाला है. दोनों घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से चिकित्सकों ने राउरकेला रेफर कर दिया है.

लातेहार में नकली शराब फैक्ट्री का खुलासा, बड़ी मात्रा में शराब बरामद

रायल स्टैग की 240 बोतल में भरी नकली शराब जब्त

- रिहायशी इलाके में बनायी जा रही थी नकली शराब

आशीष टैगोर । लातेहार

रिहायशी इलाके में नकली अंग्रेजी शराब बनाने की फैक्ट्री का पुलिस ने खुलासा किया है. फैक्ट्री से बड़ी मात्रा में नकली विदेशी शराब जब्त किया गया है. शहर में नकली शराब फैक्ट्री मिलने से लोग भी अचंभे में है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि 22 नवंबर की रात तकरीबन एक बजे उन्हें सूचना मिली कि शहर के धर्मपुर मुहल्ले के लाल साहब गली में मनीष कुमार गुप्ता, पिता करमचंद साव अवैध रूप से नकली विदेशी शराब बनाकर बेचता है. सूचना की सत्यापन के बाद एसडीपीओ संतोष कुमार मिश्र के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई. टीम ने रात में ही मनीष के घर पर छापेमारी की. छापेमारी में बड़ी मात्रा में नकली शराब के अलावा शराब बनाने का सामान और स्पिरिट बरामद किया गया.

बरामद सामग्रियां : मौके से नकली रॉयल स्टैग नामक विदेशी शराब कंपनी के 375 एमएल का 110 बोतल, 180 एमएल का 130 बोतल, 40 लीटर विदेशी शराब रंग का स्पिरिट, 35 लीटर स्पिरिट, 600 पीस रॉयल स्टैग बोतल का ढक्कन, रॉयल स्टैग का रैपर, उत्पाद विभाग का स्टीकर, 1500 पीस खाली बोतल, पांच लीटर विदेशी शराब बनाने का रंग, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल बरामद किया गया है. इस संबंध में लातेहार थाना में झारखंड उत्पाद संशोधन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है. छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार मिश्र, पुअनि मनोज कुमार शर्मा, गौरव सिंह, राज रौशन सिन्हा, सअनि रविंद्र महली, नागेश्वर महतो, मनोज कुमार गोराई के अलावा सदर थाना के सशस्त्र बल एवं चौकीदार ओम प्रकाश पासवान शामिल थे.

पुलिस अनुसंधान कर रही : एसपी : एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि नकली शराब की कहां-कहां खपत की जा रही थी, इसका पता लगाया जा रहा है. ऐसे लोगों पर भी कार्रवाई की जायेगी. शुभम संदेश के द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है कि विदेशी शराब के काउंटर में भी इसकी खपत की जाती होगी. पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है.

आओ जानें

किस राज्य में कितने अंडर ट्रायल कैदी

लद्दाख	: 16	गुजरात	: 11599
जम्मू कश्मीर	: 4531	मध्यप्रदेश	: 29094
हिमाचल प्रदेश	: 2024	झारखंड	: 16249
पंजाब	: 19510	पश्चिम बंगाल	: 22577
चंडीगढ़	: 718	मेघालय	: 866
हरियाणा	: 18237	नागालैंड	: 326
उत्तराखंड	: 4674	मणिपुर	: 513
दिल्ली	: 16665	मिजोरम	: 640
उत्तरप्रदेश	: 90606	छत्तीसगढ़	: 12288
बिहार	: 59577	ओडिशा	: 18164
सिक्किम	: 302	त्रिपुरा	: 598
असम	: 7620	महाराष्ट्र	: 31752
अरुणाचल प्रदेश	: 121	तेलंगाना	: 4796

बैग में करीब 7 से 8 लाख के सोने-चांदी के आभूषण की लूट हुई थी

स्वर्ण व्यवसायी लूटकांड में 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

संवाददाता । आदित्यपुर

सीसीटीवी फुटेज की तस्वीर

सरायकेला मुख्य बाजार के स्वर्ण व्यवसायी अरुण कुमार राणा से मंगलवार की रात गहनों से भरे बैग लूटकांड के 24 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन सरायकेला पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं. बता दें कि राणा के बैग में करीब 7 से 8 लाख के सोने-चांदी के आभूषण थे. उन्होंने बताया कि हर दिन वे दुकान बंद कर गहने अपने साथ लेकर घर चले आते थे. उनकी दुकान से घर की दूरी महज सौ-दो सौ मीटर है. घटना के वक्त दो बाइक पर सवार चार अपराधी मौके पर मौजूद थे. जैसे ही घर के पास पहुंचे एक बाइक पर सवार दो अपराधी वहां पहुंचे और उन्हें धक्के मारकर गिराकर गहनों से भरा बैग लेकर भाग निकले. जब तक शोर मचाया अपराधी बहुत दूर भाग चुके थे. सूचना पर पहुंची पुलिस पूरी रात अपराधियों का सुराग लगाने में जुटी रही.

घटना की एक सीसीटीवी फुटेज हमारे हाथ लगे हैं. उसमें अपराधियों की चहल कदमी देखी जा सकती है. हालांकि कुछ सीसीटीवी के डीवीआर पुलिस अपने साथ ले गई है. फिलहाल पुलिस के हाथ खाली हैं. सवाल यह उठता है कि कब तक स्वर्ण व्यवसायी खुद को असुरक्षित महसूस करते रहेंगे. वैसे एसपी ने जिले की कमान संभालने के बाद सबसे पहले सरायकेला के थानेदार को हटाकर अर्जुन उरांव को थानेदारी सौंपी थी. उनके कंधे पर सरायकेला के एसपीओ को गिरफ्तार करने की जवाबदेही सौंपी थी. एसपीओ आज तक गिरफ्तार नहीं हुआ है. इस बीच स्वर्ण व्यवसायी से बीच बाजार में लूट ने अर्जुन उरांव के साथ एसपी के निर्णय पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. अब इसको लेकर चैंबर ने भी सवाल उठाए हैं.

बुधवार को चैंबर के प्रतिनिधियों ने एसपी से मुलाकात कर व्यवसायियों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग उठाई है. एसपी के कमान संभालने के महज कुछ महीनों के भीतर दो-दो स्वर्ण व्यवसायियों से लूट की घटना हो चुकी है. एसपी का कार्यभार संभालते ही 6 अगस्त को आदित्यपुर के गम्हरिया लाल बिल्डिंग चौक स्थित ईश्वरलाल ज्वेलरी में दिनदहाड़े हथियारबंद नकाबपोश अपराधियों ने धावा बोलकर नगदी और जेवरात की लूट की घटना को अंजाम दिया था. इसका उद्भेदन 21 अगस्त को पुलिस ने किया था. इसमें बिहार के अपराधियों की गिरफ्तारी हुई थी. हालांकि जेवरात की बरामदगी नहीं हुई थी. एसपी ने दावा किया था कि अपराधियों को रिमांड पर लेकर जेवरात के संबंध में पूछताछ की जाएगी. करीब तीन महीने बीत चुके हैं अब तक पुलिस लूटे गए गहनों का पता नहीं लगा पाई है.

दांत तोड़ा था, इसलिए सुजीत ने कर दी हत्या : एसपी

संवाददाता । आदित्यपुर

एक साल पहले एक मुक्का मारकर हत्यारोपी सुजीत मुखी का मृतक सूरज महानंद उर्फ गोलू ने दांत तोड़ा था जिसका बदला हत्यारोपी सुजीत मुखी उर्फ त्रिशूल ने अपने दोस्त महानंद की हत्या कर लिया है. उक्त जानकारी गुरुवार को प्रेसवार्ता में जिले के एसपी डॉ विमल कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि एक वर्ष पूर्व महानंद और हत्यारोपी सुजीत मुखी रेलवे कॉलोनी में साथ रहते थे. लेकिन झगड़े के बाद महानंद गम्हरिया के शिवनारायणपुर रहने चला गया था. एसपी ने बताया कि एक साल बाद महानंद रेलवे कॉलोनी आया था जिसे बहला-फुसलाकर सुजीत बंद पड़े क्वार्टर नंबर 104 में ले गया, जहां धारदार हथियार से उसका गला रेतकर हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में फेंक दिया था. एसपी ने बताया कि हत्यारोपी ने अपना अपराध कबूल लिया है और उसके निशानदेही पर हत्या में प्रत्युक्त धारदार चाकू भी पुलिस ने बरामद कर लिया है. गुरुवार को हत्यारोपी को पुलिस अभिरक्षा में जेल भेजा जा रहा है.

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मिलती है अनुदान राशि

छह नक्सलियों को मिलेगी पहली किस्त

संवाददाता । रांची

आत्मसमर्पण करने वाले छह नक्सलियों को अनुदान राशि की पहली किस्त मिलेगी. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने आदेश जारी किया है. जिन छह नक्सलियों को एक-एक लाख रुपये की अनुदान राशि मिलेगी, वो सभी लातेहार जिले के रहने वाले हैं.

इन नक्सलियों को मिलेगा अनुदान : रघुनाथ सिंह, दशरथ उरांव, सत्येंद्र उरांव, संजय प्रजापति, अनिल उरांव, मोहन परहिया.

सरकार ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण व पुनर्वास के लिए बनायी है नयी नीति : झारखंड सरकार ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण और पुनर्वास के लिए नयी नीति बनायी है. इस नयी नीति के तहत नक्सलियों को श्रेणी 'ए' व श्रेणी 'बी' में विभाजित किया गया है. श्रेणी 'ए' में जोनल कमांडर और उसके ऊपर के नक्सलियों को रखते हुए पुनर्वास अनुदान के रूप में छह लाख रुपये देने की नीति बनी है. जिसमें से दो लाख रुपये का भुगतान आत्मसमर्पण के तुरंत बाद किया जाएगा. वहीं बाकि बचे चार लाख दो किस्त में दिये जाएंगे. एक वर्ष बाद एक किस्त में दो लाख और दूसरी किस्त दो वर्ष बाद सरेंडर करने वाले नक्सली की गतिविधियों की छानबीन के बाद दी जाएगी. इसके अलावा श्रेणी 'बी' में जोनल कमांडर से नीचे स्तर के नक्सलियों को रखते हुए पुनर्वास अनुदान तीन लाख रखा गया है. इसमें से एक लाख रुपये का भुगतान तत्काल सरेंडर के बाद किया जाएगा. बाकि दो लाख रुपये दो बराबर किस्तों में दिये जाएंगे. एक किस्त के एक लाख रुपये एक वर्ष बाद और दूसरी किस्त (एक लाख) दो वर्ष बाद सरेंडर नक्सली के गतिविधियों की छानबीन के बाद दी जाएगी.

धुर्वा के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में चोरी, प्राथमिकी दर्ज

रांची। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय धुर्वा में चोरी हुई है. दीपावली के दौरान जब स्कूल की छुट्टी थी, तब चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया. चोरों ने स्कूल में लगे ताले को तोड़कर मध्याह्न भोजन की सामग्री सहित भोजन बनाने का सारा सामान उड़ा ले गये.

इस संबंध में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक एस तिग्गा ने जगन्नाथपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है. दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि स्कूल में 13 से 15 नवंबर तक दीपावली का अवकाश था. 16 नवंबर को जब स्कूल खुला तो जानकारी मिली कि स्कूल से मध्याह्न भोजन बनाने के लिए रखा गया दो सिलिडेंर, एक गैस चुल्हा, 50 किलो चावल, तीन पीस डेग, एक बड़ा गमला, दो छोटा डेंग व अन्य खाद्यान्न सामग्री गायब हैं. इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. लेकिन फिलहाल चोरों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है.

अपहृत होने से बची युवती अपहर्ता फरार, चालक धराया

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला थाना क्षेत्र के लालडीह रेलवे फाटक के समीप बुधवार को युवती की सूझबूझ से अगवा होने से बच गई. घटना के संबंध में युवती ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की शाम उसका पूर्व प्रेमी राजेश मुर्मू गुड़ाबांधा निवासी मारुति वैन से उसे अगवा करने के लिए कुछ अन्य लड़कों के साथ आया है. अगवा करने का प्रयास किया तो वह किसी तरह खुद को बचाकर भाड़े के मकान में पहुंच गई.

बुधवार को जापानी लॉज के समीप खड़ी मारुति वैन को देखकर अपने मकान मालिक को घटना की संबंध में जानकारी दी. मकान मालिक के साथ जब मारुति वैन के पास पहुंची तो पूर्व प्रेमी राजेश मुर्मू, गणेश मांझी तथा एक अन्य लड़का वहां से फरार हो गया, जबकि मारुति वैन के चालक शुभम सोरेन को लोगों ने पड़ककर पूछताछ की. युवती ने बताया कि वह कोवाली थाना क्षेत्र के तिरिंग की रहने वाली है. दहीगोड़ा में एक कमरा भाड़े में लेकर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का काम करती है. वैन के चालक शुभम सोरेन ने बताया कि राजेश मुर्मू ने कहा था कि दहीगोड़ा से फुआ को लेकर जाना है. उसे नहीं पता था कि लड़की को अगवा करने के लिए गाड़ी ली है. इस संबंध में थाना प्रभारी विमल किंडो से पूछे जाने पर बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद राजेश मुर्मू तथा उनके दोस्त को थाना बुलाया गया है. कहीं ना कहीं मामला एकतरफा प्रेम-प्रसंग का हो सकता है. दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद ही कुछ कहा जा सकता है.

सड़क पार कर रहे तीन लोगों को हाइवा ने मारी टक्कर, घायल

धनबाद । गोविंदपुर थाना के पास सड़क पार कर रहे तीन लोगों को हाइवा ने टक्कर मार दी. जिससे एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गये. घायलों में पिता मोहन गोप (55 वर्ष), मां उषा देवी (48 वर्ष) और पुत्र राजू गोप (35 वर्ष) शामिल हैं. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हाइवा चालक को पकड़ा और उसे गोविंदपुर थाना को सौंप दिया. आनन-फानन में सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया. राजू गोप ने बताया कि सड़क पार करने के दौरान हाइवा ने पीछे से टक्कर मार दी. बताया कि हाइवा ने उनके पिता के दोनों पैर को कुचल दिया. वहीं, मां के हाथ और पैर में चोट लगी है. हालांकि उनको आंशिक चोट आयी है. उन्होंने बताया कि वे निरसा के रहने वाले हैं और पिता के पैर का इलाज कराने एसएनएमएमसीएच जा रहे थे. इसी दौरान यह हादसा हो गया. राजू ने बताया कि पुलिस एसएनएमएमसीएच पहुंचकर पूरी घटना की जानकारी ली है.

बर्मामाइंस में फायरिंग मामले में एसएसपी से मिले बस्तीवासी

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के बर्मामाइंस थाना अंतर्गत ईस्टप्लांट बस्ती में फायरिंग के मामले गुरुवार को बस्ती के लोग एसएसपी से मिलने पहुंचे. इस दौरान लोगों ने फरार आरोपी ऋषिराज सिंह की गिरफ्तारी की मांग की है. बस्ती के लोगों ने बताया कि फायरिंग करने वाला सत्यनारायण गौड़ टाटा स्टील का ठेकेदार है. टाटा स्टील उसके लाइसेंस को रद्द करे, वहीं घायल प्रवेश कुमार को भी इलाज के लिए आर्थिक सहयोग किया जाए.

मामले में फरार आरोपी ऋषिराज को गिरफ्तार किया जाए. इन सब मांगों को लेकर एसएसपी से मुलाकात की गई है. एसएसपी ने आश्वासन देते हुए कहा कि एक ज्ञापन और सौंपा जाए जिसमें लाइसेंस को रद्द करने करने की अनुशंसा की जाएगी. इधर, परिजनों ने बताया कि घायल प्रवेश कुमार की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है. डॉक्टरों की एक टीम जल्द ही उसका ऑपरेशन करेगी.

रैश ड्राइविंग में विवाद के बाद चली थी गोली : बता दें कि मुहल्ले में सत्यनारायण गौड़ के बेटे मोहित द्वारा रैश ड्राइविंग किया जाता था जिसका विरोध मुहल्ले वालों ने किया था. इसी को लेकर सत्यनारायण गौड़ ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी जिसमें प्रवेश कुमार घायल हो गया था. उसे इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया था जहां से बेहतर इलाज के लिए परिजन उसे कोलकाता ले गए. मामले में पुलिस ने सत्यनारायण गौड़ उसके बेटे मोहित और भतीजे को गिरफ्तार कर जेल भेजा था.

संदिग्ध अवस्था में युवक का शव बरामद

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ थाना क्षेत्र के आरा ग्राम के सियानी टोला में पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में एक शव बरामद किया है. मृतक की पहचान बरतू गंझू के रूप में हुई है. परिजनों ने बताया कि बरतू बुधवार रात से ही घर में नहीं था. परिजनों द्वारा खोजबीन की जा रही थी. सुबह बरतू के बेटे को घर से कुछ दूरी पर हाड़ी जामुन के पास उसके पिता का नग्न अवस्था में अपने शव मिला. शव में जख्म के निशान थे. इसके बाद बेटे ने घर पहुंच परिजन एवं आसपास के लोगों को जानकारी दी. घटना की सूचना पाकर बालूमाथ थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो एवं पिकेट प्रभारी कुबेर साव दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच की. बता दें कि बरतू गांव में चिकन का दुकान चलाता था. बरतू अपने पीछे पत्नी के अलावा दो बेटे एवं दो बेटी छोड़ गया है. इस घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. एसडीपीओ दिल्लू लोहरा भी घटना स्थल पर पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल में जुट गए हैं.

कोलेबिरा-मनोहरपुर सड़क पर हुई वारदात

निर्माण कार्य में लगी पोकलेन में अपराधियों ने लगाई आग

संवाददाता । कोलेबिरा

जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र स्थित कोलेबिरा- मनोहरपुर सड़क निर्माण कार्य में लगी पोकलेन को अज्ञात अपराधियों ने बुधवार देर रात दो बजे आग के हवाले कर दिया. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. जानकारी के अनुसार, कोलेबिरा से मनोहरपुर तक सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है. सड़क निर्माण कार्य करने के बाद पोकलेन कोलेबिरा थाना से महज 4 किलोमीटर की दूरी पर बोंगराम पेट्रोल पंप के पास खड़ी थी. तभी अपराधियों ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया.

बता दें कि सिमडेगा जिले में लगातार इस तरह की घटना हो रही है. पेट्रोल पंप के समीप पोकलेन को आग के हवाले करके अपराधी भय का माहौल पैदा करना चाहते हैं. घटना की जानकारी मिलते ही कोलेबिरा थाना प्रभारी अंशु कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी लिए. वहीं, वरीय पुलिस पदाधिकारी को मिलने के बाद सभी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए. बता दें कि कोलेबिरा में सीएम हेमंत सोरेन का भी आगमन होना सुनिश्चित हुआ है. ऐसे में आगजनी की घटना के बाद प्रशासन की चिंता बढ़ गयी है.

एसएसबी की टीम ने जंगल में चलाया एलआरपी अभियान

संवाददाता । बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद थाना अंतर्गत झारखंड-बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की खबर मिलते ही पुलिस टीम अलर्ट हो गई. गुरुवार को एसएसबी की टीम द्वारा सीमावर्ती इलाके के जंगल में एलआरपी अभियान चलाया गया. टीम में शामिल दर्जनाधिक लोग सीमावर्ती क्षेत्र के जंगल पहुंचे और बारीकी से जांच पड़ताल की गयी. एसएसबी टीम में शामिल पदाधिकारी व कर्मी जंगली इलाके में घंटों सर्च अभियान में जुटे रहे और मामले की सत्यता की जांच की गई. हालांकि इस दौरान टीम को कोई सुराग हाथ लगा या नहीं इस बात की जानकारी नहीं दी गयी है. बता दें कि मंगलवार की रात बेंगाबाद थाना अंतर्गत सीमावर्ती इलाके के बीहड़ जंगल में नक्सली संगठन के बैठक किये जाने की गुप्त सूचना मिली थी. इस खबर के बाद टीम हरकत में आई और गुरुवार को क्षेत्र में एलआरपी अभियान चलाया गया.

धमकी गैंगस्टर प्रिंस खान ने हीरापुर के एक जेवर दुकानदार को दी धमकी, दहशत में परिवार

30 लाख रुपये दो वर्ना खोपड़ी खोल कर रख देंगे

- संदेहियों की सीसीटीवी फुटेज निकाल कर जांच में जुटी है पुलिस
- दुबई में बैठकर रंगदारी कर रहा गैंगस्टर, सिर धुनने को मजबूर है पुलिस महकमा

संवाददाता । धनबाद

फाइल फोटो

गैंगस्टर प्रिंस खान की कमर तोड़ने का दावा करने वाली धनबाद पुलिस एक बार फिर अपना सिर धुनने को मजबूर हो गई. दुबई में बैठे गैंगस्टर ने इस बार हीरापुर के एक जेवर दुकानदार को धमकाया है. फोन कर कहा है कि जीना चाहते हो तो 30 लाख रुपये दे दो, नहीं तो खोपड़ी खोल देंगे. इस धमकी के बाद से कारोबारियों में दहशत का माहौल है. इधर, पुलिस सीसीटीवी फुटेज, चेहरा मिलान, मोबाइल सर्विलांस जैसे शब्दों में उलझी हुई है. गैंगस्टर लंबे अरसे से धनबाद पुलिस और यहां के कारोबारियों के लिए सिरदर्द बना हुआ है. यहां के व्यापारियों को रंगदारी के लिए धमकाना, वसूली करना, नहीं देने पर फायरिंग तक करवा देना उसकी आदत में शुमार है. हर वारदात के बाद पुलिस की सक्रियता बढ़ती है. गैंग के लोगों को पकड़ कर जेल भी भेजे जाते हैं. चंद दिनों की अस्थायी शांति के बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है.

दोपहर में ली दुकान के बोर्ड की तस्वीर, रात में आ गया फोन : हीरापुर के दुकानदार ने पुलिस को खबर दी है कि बुधवार को दोपहर दो युवकों ने उसकी दुकान के बोर्ड की तस्वीर ली थी. तस्वीर लेने के बाद दोनों वहां से खिसक गए.

बोर्ड में दुकानदार का मोबाइल नंबर अंकित था. तभी रात में दुकानदार को अज्ञात नंबर से फोन आया. फोन करने वाले ने खुद को प्रिंस खान बताते हुए 30 लाख रुपये एकमुश्त मांगे और कहा कि हर महीने तीस हजार देने होंगे, नहीं तो जान से हाथ धोना पड़ेगा. फोन आने के बाद व्यापारी ने इसकी जानकारी पुलिस को दी.

हीरापुर की सभी दुकानों के सीसीटीवी फुटेज निकाले : जेवर दुकानदार ने अपनी दुकान में लगे सीसीटीवी से दोनों युवकों द्वारा बोर्ड की तस्वीर लेने वाला फुटेज निकाल कर पुलिस को सौंप दिया. पुलिस दोनों युवकों की शिनाख्त के लिए इलाके की लगभग हर दुकान जहां सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, उनके फुटेज लेकर माथापच्ची कर रही है. तस्वीर लेने के बाद दोनों युवक कहां गए, वे कौन थे, क्या उनके साथ और कोई था, उन्होंने किस वाहन का प्रयोग किया, इन सारे सवालों का जवाब तलाशने में पुलिस जुटी है.

नाबालिग लड़की की शादी करा रहे सात लोग गिरफ्तार

संवाददाता । गिरिडीह

नाबालिग लड़की की जबरदस्ती शादी करा रहे सात लोगों को गिरिडीह पुलिस ने गिरफ्तार किया है. एसपी दीपक शर्मा को गुप्त सूचना मिली थी कि झरियागादी शिव मंदिर में नाबालिग लड़की के साथ उत्तर प्रदेश के लड़के की जबरदस्ती शादी करायी जा रही है और उसे ट्रैफिकिंग कर दूसरे जगह ले जाना है. जिसके बाद पुलिस और जिला प्रशासन की टीम ने त्वरित कार्रवाई की. इस दौरान नाबालिग लडकी, आरोपी दुल्हा योगेश कुमार, दलाल गणेश राम, लड़की के पिता सुनील ठाकुर, माता मीना देवी, चाची किरण देवी, लड़का का भाई मुकेश कुमार, सोरेन कुमार और अगुवा गणेश राम को पकड़ा. पूछताछ में पता चला कि इन सभी नियत लड़की को बाहर ले जाकर गलत काम कराने की थी.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष लग्न में चन्द्र है. गलत कार्य और लोगों से बचें. धन के साथ साथ प्रतिष्ठा में वृद्धि होगा. किसी खास चीज अच्छा लाभ का योग है. सहकर्मियों से मनमुटाव हो सकती है, इसलिए असावधानी न बरतें. दुर्गामाता का पूजन करें.

वृषभ समय बहुत ही अनुकुल है. अन्य साथियों से आगे ले जायेगी. किसी करीबी दोस्त से धोखा मिल सकता है. आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. गो माता का सेवा करें.

मिथुन समय सामान्य शुभ है. नयी आय के लिए दिन उत्तम है. सात्विक आय ज्यादा लाभकारी होगा. आर्थिक स्थिति पूरी तरह से सामान्य रहेगी, धन की आवक सामान्य तौर पर बनी रहेगी वहीं खर्च भी बढ़ सकते हैं. अपना धन किसी को उधार ना दें.

कर्क योगकारक समय है. कोई बड़ा लाभ होगा. परिवार में सुख शांति भरपूर रहेगी. किसी शुभ कार्य के होने का भी संकेत भी सितारे दे रहे हैं. किसी विवाद में न पडें. धन आगमन से मन खुश होगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

सिंह धर्म से भाग्य उदय होगा. कर्म के लिए दिन अच्छा है. मनोरंजक होगी. ससुराल से अच्छा लाभ का मौका दिख रहा है. जीवनसाथी से संबंध थोड़े बेहतर होंगे. कहीं पैसा फंसने का भी योग बन रहा है और कोई भी जोखिम भरा कार्य न करें.

कन्या थोड़ा मानसिक तनाव होगा. पर भाग्य का साथ मिलेगा. आप कार्य में अपनी पसंदीदा चीजों की तरफ ध्यान देंगे. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है, अतः आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. यात्रा का योग है.

तुला जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. कोई नया कार्य कर सकते हैं. शौक की तरफ रुझान रहेगा, जबकि स्पोर्ट्स, योग आपको तरोताजा होने में मदद करेंगे. कुछ गुप्त शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं. कोई बड़ा बदलाव होगा.

वृश्चिक मानसिक उलझन वाला दिन होगा. एकाग्र होने में मदद मिलेगी और आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. अपने रुझान में कूटनीतिक रहने की कोशिश करें और विवाद न करें. शिवलिंग पर दूध का अर्पण करें.

धनु कार्य में विलंब होने से मन खिन्न होगा. संतान के कार्य पर नज़र रखें. धर्म से सही मार्ग मिलेगा. मेहनत एवं अनुभव द्वारा कुछ नवीन स्थिति को पाएंगे. विषम परिस्थितियों में साहस न खोएं. काली वस्तु का दान करें.

मकर आपके प्रभाव से अच्छे लाभ का योग है. पर किसी से विवाद नहीं करें. माता और उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. बिना बात के किसी से भी उलझना पड़ सकता है. दुर्गा माता का ध्यान करें. जूता और अन्न का दान करें.

कुंभ भाई के सहयोग से बिगड़ा कार्य बनेगा. शिक्षा में बदलाव होगा. नयी जिम्मेदारी का भार भी आपके कंधों पर डाला जायेगा. नियमित जीवनचर्या एवं संयमित खानपान में कोताही न बरतें. स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें.

मीन धन का आगमन होगा. पैतृक संपत्ति का लाभ होगा. अपने कामकाज को बढ़ाने में सफल होंगे. कार्य से सम्बंधित यात्राओं का लाभ मिलेगा. किसी वाद-विवाद के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने से बचें. अन्न दान करें.

प्रभात फेरी निकली, चारों ओर 'कल तारण गुरनानक आया...' की गूंज

राजन बॉबी। रांची

श्रीगुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गुरुवार को अंतिम दिन विभिन्न गुरुद्वारा साहेब से प्रभातफेरी निकाली गयी. चौक-चौराहों पर श्रद्धालुओं ने अपने घरों-प्रतिष्ठानों के समक्ष आतिशबाजी और पुष्पवर्षा कर फेरी में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत कर सभी के बीच चाय आदि का वितरण किया. श्रीगुरु सिंह सभा मेन रोड गुरुद्वारा साहेब में अरदास और लंगर के साथ प्रभातफेरी संपन्न हो गयी. अब 25 नवंबर को गुरुद्वारा मैदान में दीवान सजेगा. अटूट लंगर चलेगा. नरेश पपनेजा ने बताया कि 27 नवंबर को गुरुनानक स्कूल में श्रीगुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर विशेष दीवान सजेगा.

झूम कर निकली प्रभातफेरियां : शहर के सभी गुरुद्वारा साहेब से सुबह पांच बजे गाजे-बाजे के साथ झूम कर प्रभातफेरी निकली. गुरुद्वारा श्रीगुरुनानक सत्संग सभा कृष्णानगर कॉलोनी और श्रीगुरुसिंह सभा पिस्का मोड़ गुरुद्वारा की प्रभातफेरी जब प्यादा टोली पहुंची, तो वहा मेन रोड की प्रभातफेरी से उनका मिलन हुआ.

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष गुरमीत सिंह ने मेन रोड में सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया. हुजूरी रागी भाई भरपूर सिंह ने कीर्तन गायन किया. श्रीगुरु सिंह सभा मेन रोड के गगनदीप सिंह सेठी, तिलोचन सिंह, ध्यान सिंह, डॉ हरमिन्दर बीर सिंह, सुरजीत सिंह सलूजा, ज्योति सिंह मथारु, रणप्रीत सिंह, किरपाल सिंह, मालकियत सिंह, राजदीप सिंह छब्बड़ा, रणबीर सिंह खास तौर से मौके पर उपस्थित थे.

पुष्प वर्षा कर स्वागत : तारा हैंडलूम,एस के सूट एंड साड़ीज, कुंजलाल स्ट्रीट दुकानदार एसोसिएशन, शास्त्री मार्केट एसोसिएशन और नटराज होटल डेली मार्केट ने पुष्प वर्षा कर फेरी में शामिल श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया.

प्रशासन व गुरुद्वारा कमेटी की बैठक : गुरुद्वारा भवन, कृष्णा नगर कॉलोनी रातू रोड में बुधवार को जिला प्रशासन और गुरुद्वारा कमेटी बैठक हुई. इसमें कीर्तन शोभायात्रा के रूट और यातायात सहित अन्य परेशानियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया. बैठक में ट्रैफिक एसपी, ट्रैफिक डीएसपी,एडीएम, एसडीओ और सुखदेव नगर थाना प्रभारी संग विधायक सीपी सिंह, झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू ने भी खास तौर से हिस्सा लिया.

कीर्तन गायन कर करेंगे निहाल
श्रीगुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा मैदान में शनिवार को विशेष दीवान सजाया जाएगा, जिसमें हजूरी संग सिख पंथ के विश्व प्रसिद्ध कीर्तनी जत्था भाई अमरजीत सिंह जी तान, भाई अमनदीप सिंह जी लुधियाना वाले और भाई ओंकार सिंह जी दरबार साहिब अमृतसर वाले कीर्तन गायन कर संगत को निहाल करेंगे. दिन के दस से ढाइ बजे तक दीवान चलेगा.

विशाल दीवान व लंगर हॉल बना
सत्संग सभा ने प्रकाश पर्व को लेकर गुरुद्वारा मैदान में विशाल दीवान और लंगर हॉल बनवाया है. जिसमें दस हजार से ज्यादा श्रद्धालु मत्था टेक गुरु का अटूट लंगर छकेंगे. मीडिया प्रभारी प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रख 13 हजार स्क्वायर फीट का दीवान हॉल और 30 हजार स्क्वायर फीट का लंगर हॉल बनाया गया है.

11 बजे स्कूलों की छुट्टी करें
गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा के महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने 25 नवंबर को कीर्तन शोभायात्रा के मद्देनजर सभी स्कूल प्रबंधन से दिन के 11 बजे छुट्टी करने की अपील की है. सेठी ने कहा कि दिन के ढाइ बजे यात्रा निकलेगी, इससे यातायात में कठिनाई उत्पन्न हो सकती है. अत: बिना किसी परेशानी के यात्रा से पहले बच्चे घर पहुंच जायें इसका खास ख्याल रखा जाना जरूरी है.

पाबंदी : एसजीपीसी अमृतसर का बड़ा और कड़ा फैसला

नहीं लगा सकते होर्डिंग पर गुरुओं के साथ अपनी तस्वीर

संवाददाता। रांची

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी), अमृतसर ने एक बड़ा और कड़ा फैसला लेते हुए होर्डिंग पर गुरुओं की तस्वीर के साथ किसी व्यक्ति की तस्वीर लगाने पर पाबंदी लगा दी है. जमशेदपुर शहर के युवा प्रचारक हरविंदर सिंह जमशेदपुरी की शिकायत पर फैसला लेते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने एक पत्र जमशेदपुरी को भेजा है. जिसमें लिखा है कि किसी भी तरह से गुरुओं और गुरबाणी के साथ किसी व्यक्ति की तस्वीर नहीं लगायी जा सकती है. ऐसा किये जाने पर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कार्यवाई की जाएगी. सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (सीजीपीसी) के प्रधान भगवान सिंह ने कहा है कि उन्हें विभिन्न सूत्रों के माध्यम से पता चला है कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा आदेश पारित किया गया है. सीजीपीसी को जैसे ही आदेश की प्रति प्राप्त होगी उसे सबके सहयोग से अक्षरः लागू करवाया जायेगा.

पत्र लिखकर की थी कार्रवाई की मांग : इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रचारक हरविंदर सिंह जमशेदपुरी ने न्याय संगत फैसला लेने के लिए एसजीपीसी का धन्यवाद दिया और फैसले का स्वागत किया. कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि जमशेदपुर के गुरुद्वारा प्रबंधक इस फैसले को गंभीरता से लेते हुए ठोस कदम उठाएंगे. उन्होंने बताया कि उन्हें इस आदेश की प्रति प्राप्त हुई है, जिसमें उनके द्वारा उठाये गए गंभीर सवालों पर सटीक मत पास किया गया है. विदित हो कि प्रचारक हरविंदर सिंह जमशेदपुरी ने सीजीपीसी के माध्यम से शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी में पत्र लिखकर मांग की थी कि नगरकीर्तन के दौरान अनुचित रूप से किसी को भी सिरोपा देने और होर्डिंग में गुरुओं की तस्वीर लगाने पर पूर्णता रोक लगाई जाए. इसी मांगपत्र पर संज्ञान लेते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने होर्डिंग पर गुरुओं के तस्वीर के साथ किसी व्यक्ति की तस्वीर लगाने पर रोक लगा दी है.

होर्डिंग से बेअदबी करने का था आरोप : हरविंदर जमशेदपुरी का इस पर तर्क था कि होर्डिंग में तस्वीर नगरकीर्तन वाले दिन तो ठीक लगती है, परन्तु अगले दिन होर्डिंग उतारे जाने के बाद गुरुओं की तस्वीरों वाला होर्डिंग पर लोगों के पैर पड़ते हैं और भी कई अन्य तरह की बेअदबी गुरुओं की तस्वीर लगी होर्डिंग की होती है. जिस पर कार्रवाई करना अत्यंत आवश्यक था.

सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह और हरविंदर सिंह जमशेदपुरी, जिनके पत्र पर हुआ फैसला.

खास बातें
- प्रचारक हरविंदर सिंह जमशेदपुरी के पत्र पर हुआ ऐतिहासिक फैसला
- शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का पत्र मिलते ही फैसला होगा लागू

स्टैंडफोर्ड एकेडमी व छात्रों को किया गया पुरस्कृत

रांची। मौलाना आजाद ह्यूमन इनीशिएटिव माही द्वारा हज हाउस में मौलाना आजाद की जयंती के अवसर पर शैक्षिक और सांस्कृतिक मेला का आयोजन किया गया था. मेले में करीब 30 स्कूलों के 550 प्रतिभागियों ने भाग लिया था. जिन्होंने पेंटिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला, विज्ञान प्रदर्शनी एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में अपनी कला प्रदर्शित की थी. माही की पहल पर चयनित स्कूलों व विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया. गुरूवार को माही के सदस्यों ने राइजिंग एंड मून स्कूल व स्टैंडफोर्ड एकेडमी हिंदपीढ़ी की भागीदारी को सम्मानित करते हुए स्कूल प्रबंधन को स्कूल प्रमाण पत्र अवार्ड एवं मेला से संबंधित मेमोरी फोटो प्रदान की.

रांची विवि के कुलपति ने की स्टाफ के साथ बैठक

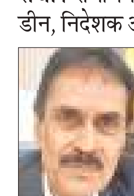

रांची। रांची विश्वविद्यालय में सभी डीन, निदेशक और एचओडी के साथ कुलपति अजीत कुमार सिन्हा ने बैठक की. बैठक में सभी को कुलपति ने पढ़ाई की व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया. इस बैठक में विश्वविद्यालय में पीजी डिपार्टमेंट में होने वाले नामांकन और सभी विभागों में नियमित रूप से क्लास करने, सेशन को समय पर करने. समय पर रजिस्ट्रेशन करने जैसे विषयों पर कुलपति ने निर्देश दिया. वहीं उन्होंने कहा कि मैं छात्र हित में लगातार काम कर रहा हूं. छात्रों के अच्छे भविष्य के लिए लगातार काम करूंगा.

पेज 1 का शेष...

बुरे दिनन कोउ बात न पूछत...

इस समारोह में अमिताभ बच्चन ने तो सपरिवार ठुमके भी लगाये. साथ ही कई फिल्मी सितारों ने भी अपनी चमक बिखेरी. इस ग्रैंड शो में हर तरह के लोग थे. अगर कोई नहीं था, तो गांधी परिवार. उसका कोई सदस्य इस शादी में शरीक नहीं हुआ. पता नहीं उन्हें निमंत्रण नहीं दिया गया था या उन्होंने इरादतन आने से इनकार कर दिया था. उस समय सुब्रत राय की सपा से यारी तथा अमिताभ बच्चन से दोस्ती के कारण शायद गांधी परिवार नाखुश था.

निहायत गैरजरूरी बयान दे कांग्रेस की नजरों में चढ़ गये

यह तनातनी चल ही रही थी कि 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद जब प्रधानमंत्री पद को लेकर बहस चल रही थी, उसी समय सहारा श्री ने यह बयान दे दिया कि प्रधानमंत्री किसी भारतीय को ही होना चाहिए. यह निहायत गैरजरूरी बयान था, वह भी एक उद्यमी के लिए. उसी दिन से वह सोनिया गांधी की नजरों में चढ़ गये थे. फिर 2008 में जब परमाणु संधि वाले सवाल पर सियासी तनातनी बढ़ी, तब अमर सिंह ने मुलायम सिंह यादव को मनाया, सुब्रत राय को पटाया और मनमोहन सिंह की सरकार में शामिल वाम मोर्चा के विरोध के बावजूद सरकार को बचा लिया. तब सांसदों की खरीद-फरोख्त को लेकर संसद में हंगामा भी हुआ था. तब लगा कि कांग्रेस सुब्रत राय के प्रति नरम पड़ गयी है. लेकिन मनमोहन सरकार की दूसरी पारी में 2010 आते-आते न जाने क्या हुआ कि फिर बदले की कार्रवाई की सुगबुगाहट सुनाई देने लगी. तब के वित मंत्री पी चिदंबरम क्या चाहते थे, इस बाबत अलग-अलग विचार हैं, लेकिन उन्हें यह ज्ञात हो गया था कि सहारा का खाता-बही दुरुस्त नहीं है. फिर क्या था, इंदौर के एक ना-पता, लापता रोशनलाल ने खुद को सीए बताते हुए नेशनल हाउसिंग बैंक को एक शिकायती पत्र लिख दिया, जिसमें कहा गया था कि सहारा की जो दो कंपनियां जमाकर्ताओं को फ्लैट, भूखंड, मकान देने के वायदे के साथ बनायी गयी हैं, उनके जारी बांड में फर्जीवाड़ा किया गया है. हाउसिंग बैंक के पास इस मामले की जांच का अधिकार नहीं था, इसलिए उसने सेबी को मामला रेफर कर दिया. जांच हुई तो गड़बड़ी पकडी गयी.

और सुब्रत राय जेल भेज दिये गये

गड़बड़ी यह थी कि जमाकर्ताओं के नाम-पते गलत थे. मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और सुब्रत राय जेल भेज दिये गये. सेबी ने सहारा के खातों से धन निकासी पर रोक लगा दी. सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सहारा श्री को 25 हजार करोड़ रुपये अपनी संपत्ति बेचकर जमा करने पड़े, ताकि जमाकर्ताओं को उनके पैसे का ब्याज के साथ भुगतान किया जा सके. करीब ढाई साल जेल में रहने के बाद अपनी मां की खराब सेहत के कारण उन्हें पैरोल मिली. तब से वह बाहर ही थे और इसी बीच कालकवलित हो गये. सेबी और सुप्रीम कोर्ट के हिसाब से सहारा पर देनदारी साढ़े 24 हजार करोड़ थी. लेकिन सेबी का कहना है कि अभी तक केवल 138 करोड़ ही भुगतान किया जा सका है और दावेदार आ ही नहीं रहे हैं. आएंगे कहां से ? जो फर्जी रसीदें कटी थीं, उन पर जमा पैसा काला धन था. यह पैसा किस-किस का था, यह भेद खुल जाए तो बहुत सारे नकाबपोश बेनकाब हो जाएंगे. लेकिन सुब्रत राय शायद यह राज अपने साथ लेकर चले गये.

सुब्रत भागे नहीं, यहीं रहे, डटे, लड़े और सरकारी खाते में पैसे जमा कर मरे

लेकिन अफसोस की बात यह है कि सुब्रत राय ने जिस-जिस पर प्यार लुटाया था, उनमें बहुतेरे ऐसे निकले, जो समय के साथ मन-मिजाज बदलने में माहिर थे. महानायक अमिताभ बच्चन, जो कभी सहारा के दरबार-ए-नूर हुआ करते थे, उनकी अंत्येष्टि में नहीं गये. यहां तक कि मुंबई में इलाजरत होने के बावजूद उन्हें देखने तक नहीं गये, जबकि सहारा श्री ने उन्हें दिवालिया होने से बचाया था. जब अमिताभ बच्चन ट्रोल हो गये, तब तीन दिन बाद वह सपरिवार श्रद्धांजलि देने मुंबई के सहारा होटल पहुंचे. क्रिकेट-हॉकी के महारथियों ने तो इस रस्मअदायगी की भी जहमत नहीं उठायी. सोनू निगम को छोड़कर फिल्मी जगत की कोई नामचीन हस्ती सहारा को श्रद्धांजलि देने नहीं पहुंची. बड़े पत्रकारों में कौन गया, नहीं गया, पता नहीं, लेकिन जब उन्हें कंधा देने दोनों बेटे ही नहीं आये, तब खुदगर्जों से शिकायत ही बेमतलब है. सच यही है कि कोई किसी का नहीं रे बंदे नाते हैं नातों का क्या. खैर हमारे समाज की यह फितरत है कि जब हम किसी पर ढलते हैं तो विवेक खो देते हैं और जब बिगड़ते हैं, तो उसकी ऐसी-तैसी कर डालते हैं. सुब्रत राय अपनी गलतियों, यारी और खुदमुख्तारी के शिकार हो गये. अन्यथा वह विजय माल्या, नीरव मोदी की तरह घोटाले करके भागे नहीं. यहीं रहे, डटे, लड़े और सरकारी खाते में पैसा जमा कर मरे. एक भक्ति गीत की पंक्तियां हैं- भले दिनन के साथी सब हैं, बंधु सखा सुत नाती, बुरे दिनन कोउ बात न पूछत बनत प्रान के घाती... सुब्रत राय के निधन के साथ ही ये पंक्तियां बरबस याद आ रही हैं.

भारी मात्रा में कोयला जब्त...

उन्होंने कहा कि रात में छापेमारी हुई थी. पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद छोड़ दिया. उसने बताया कि मामले को मैनेज करने के लिए रमेश मंडल को लगाया गया है.

मैथन पुलिस ने छापेमारी कर 100 टन कोयला जब्त किया : जब्त कोयले को पुलिस ने भठ्ठे से उठवा कर मैथन थाना लाया है. छापेमारी का नेतृत्व कर रहे मैथन ओपी प्रभारी विकास कुमार यादव ने बताया कि कालीमाटी स्थित पवनधाम सॉफ्ट कोक भठ्ठा से 40 टन अवैध कोयला जब्त किया गया है. भठ्ठा संचालक संजय अग्रवाल और उसके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है. पुलिस की इस कारवाई पर लोग सवाल उठाने लगे हैं. सूत्रों ने बताया कि इस भठ्ठे की मार्फत कोयले के मुख्य अवैध कारोबारी रमेश गोप का नाम एफआईआर में नहीं आना और जब्त कोयले को कम दिखाना पुलिस की कार्रवाई पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है. वहीं इस छापेमारी को लेकर तरह-तरह की चर्चा का बाजार गर्म है. पुलिस सूत्रों को मानें तो भठ्ठा संचालक संजय अग्रवाल और उसका पार्टनर रमेश गोप ने पुलिस अधिकारियों को सप्ताहिक चढ़ावा नहीं चढ़ाया और खबर भेजवा दिया कि काम बंद कर दिया गया है. लेकिन गुपचुप तरीके से कोयले का अवैध कारोबार चला रहा था, जिसकी भनक लगते ही उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अचानक छापेमारी की गई, जिसमें भारी मात्रा में अवैध कोयला जब्त किया गया है,हालांकि कोयला चोर भागने में सफल रहे. धनबाद से आई टीम ने छापेमारी कर पूरे मामले को उजागर कर दिया. अब देखना है कि आगे फिर से यह भट्ठा चालू होगा या ब्लैकलिस्टेड कर दिया जाएगा, क्योंकि इससे पहले भी कई बार इस फैक्ट्री में छापेमारी हो चुकी है और भारी मात्रा में पुलिस को कोयला जब्त करने में भी सफलता मिली है.

कौन हैं पीयूष सहाय ?

और यह बताते हुए कि सहाय जी गार्जियन हैं और साहब ने भेजा है, डेढ़ गुना से दोगुना माल टपकाने के लिए इतना परिचय काफी होता है. माल टान कर सहाय जी खुशी-खुशी निकल लेते हैं. सवाल उठता है कि पीयूष सहाय जी के सहाय जी कौन हैं, जो गार्जियन का रुतबा रखते हैं, तो सहाय जी भी यही पूछ रहे हैं लोगबाग से यह पीयूष सहाय कौन है. सहाय जी भले चिंतित हों, लेकिन साहब निश्चिंत हैं, क्योंकि पीयूष सहाय आखिरकार उनका बंदा ठहरा. इनके लिए तो वह काम की चीज है. बिजनेस कम्युनिटी में सहाय जी जाना पहचाना नाम है, लेकिन इनकी पहचान गुप्त है. यह उन्हीं से संबंध रखते हैं, जहां से माल का संबंध है. साहब के भरोसेमंद हैं, लेकिन अमानत में खयानत इनकी आदत है, ''सहाय'' जी की वजह से सहाय जी समेत कुछ लोगों की छवि खराब हो रही है, तो कुछ की जेबें भर रही हैं. अब देखना है क्या होता है, कब होता है या सहाय जी ऐसे ही फुदकते रहेंगे.

सरला बिरला के छात्रों का इंटेक हेरिटेज क्विज में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रांची । सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों ने इंटेक रांची और झारखंड चैप्टर द्वारा आयोजित हेरिटेज क्विज में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. कक्षा नवम के निश्चय रतन और कक्षा दसवीं के वैष्णव सिंह कश्यप ने सीटी स्तरीय हेरिटेज क्विज में पहला स्थान और राज्य स्तरीय हेरिटेज क्विज में दूसरा स्थान प्राप्त किया. विद्यालय के कार्मिक व प्रशासनिक प्रमुख डॉ प्रदीप वर्मा ने विजेताओं, शिक्षकों और अभिभावकों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी. प्राचार्या परमजीत कौर ने छात्रों के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनकी सराहना की. उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने से उन्हें हमारे देश की समृद्ध विरासत के बारे में पता चलता है.

एक छात्र का रिजल्ट किया पेंडिंग

रांची। एसएस मेमोरियल कॉलेज स्नातक सत्र 2020-23 के पिंकु कुमार का रिजल्ट अनुपस्थित कर दिया गया है. छात्र ने स्नातक सेमेस्टर 6 के जियोग्राफी का पेपर लिखा है. जब परीक्षा का रिजल्ट जारी किया गया तो अनुपस्थित दिखाया गया है. छात्र ने रांची विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष कुमार झा को आवेदन लिखा है. छात्र का सेंटर राम लखन सिंह कॉलेज था, वहां से उपस्थिति की पंजी भी अटैच कर के दिया है.

डोरंडा कॉलेज : छुट्टी बाद दिखी रौनक

रांची। डोरंडा कॉलेज में दीपावली और छठ के छुट्टी के बाद कॉलेज खुलने पर बीसीए डिपार्टमेंट में विद्यार्थियों की संख्या लगभग पूरी रही. इस विभाग के शिक्षक अवधेश ठाकुर ने कहा कि लगभग 15 दिनों के बाद कॉलेज खुला है. उसके बाद भी छात्रों की लगभग शत प्रतिशत उपस्थिति रही. वहीं इंटर का रजिस्ट्रेशन जारी भी कॉलेज में जारी रहा.

इमारत-ए-शरिया की झारखंड में 16 शाखाएं हैं : मो अनवर कासमी

संवाददाता। रांची

इमारत-ए-शरिया रांची के काजी ए शरीअत मुफ्ती मो अनवर कासमी ने बताया कि इमारत ए शरिया की जरूरत महसूस की गई, जिसे 1921 में कार्यरत किये जाने की शुरुआत की गई. मौलाना अबुल मोहसिन मोहम्मद सज्जाद उस समय जमीयत उलेमा हिंद के नाजिम ए आला थे. उन्होंने इमारत ए शरिया की स्थापना के लिए अभियान शुरू किया. इस संदर्भ में उन्हें देश के कई जाने माने इस्लामी विद्वानों का समर्थन और प्रोत्साहन भी मिला. सबसे पहले मौलाना ने क्षेत्रीय स्तर पर इमारत-ए-शरिया की बुनियाद रखी. इसी प्रयास के तहत इन्होंने अपनी पूरी ताकत इस ओर लगा दी, तथा इस जरूरत को इस्लामी रहनुमाओं के समक्ष रखी. अभियान में इमामुल हिंद हजरत मौलाना अबुल कलाम आजाद, बदरुल कामलीन, मौलाना शाह बदरुद्दीन, सज्जादानशीं फुलवारीशरीफ पटना की सहमति से 26 जून 1921 को इमारत ए शरिया बिहार, ओडिशा व झारखंड का स्वरूप सामने आया. यह संस्था अमीर ए शरीअत की सरपरस्ती में मुसलमानों को अमन चैन व खुदाई व्यवस्था के तहत पारिवारिक व सामाजिक जीवन प्रणाली पर चलने व कायम रहने के लिए निरंतर प्रयास करती आ रही है.

इमारत ए शरिया की स्थापना की पहली बैठक व प्रथम अमीर ए शरीअत का चुनाव मुहल्ले की मस्जिद बांकीदूर पटना में देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की अध्यक्षता में हुई. इस बैठक में 500 उलेमा शरीक हुए. प्रथम अमीर ए शरीअत मौलाना शाह बदरुद्दीन फुलवारीशरीफ पटना हुए, प्रथम अमीर मौलाना अबुल मोहसिन मोहम्मद सज्जाद हुए.

इमारत शरिया का 17वां ब्रांच 4 दिसंबर को सिसई में खुलेगा
मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी ने कहा कि दारुल कजा इमारत ए शरिया के झारखंड में 16 ब्रांच हैं. 17वां ब्रांच सिसई गुमला में 4 दिसंबर को खुलने जा रही है. इमारत ए शरिया की ओर से बिहार, झारखंड, ओडिशा में इमारत पब्लिक स्कूल कायम किये गये हैं. जहां बच्चों को दीन के साथ दुनियावी तालीम दी जाती है. इन स्कूलों के बच्चों देश में कई जगह अपना परचम लहरा रहे हैं.

छात्रों के मन में वैज्ञानिक, नई रचनाओं को विकसित करें : डीसी

संवाददाता। रांची

सेंट जेवियर्स स्कूल डोरंडा में गुरुवार को साइंस एग्जीबिशन और क्विज का आयोजन किया गया. प्रदर्शनी में क्लास 6 से 12 तक के छात्रों ने भाग लिया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि छात्रों की रचनात्मक वैज्ञानिक प्रदर्शनी बहुत ही अच्छी हैं. छात्रों के मन में वैज्ञानिक, नयी रचनाओं और योग्यता विकसित करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि छात्रों के बीच हर नयी वैज्ञानिक विचारों और खोज की जानकारी देनी चाहिए. जिसमें पीने योग्य पानी के उपयोग से लेकर जल भंडारण और जीवन बचाने के लिए आधुनिक टीकों की खोज शामिल है. उन्होंने कहा कि उन्हें स्कूल आकर अपने स्कूल के दिन याद आ गए. उन्होंने प्रदर्शनी की सराहना की. सभी प्रदर्शनियां देखीं और छात्रों को प्रोत्साहित किया. उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं.

12 क्लास के बच्चों ने रॉकेट लॉन्च किया
प्रदर्शनी में 12 क्लास के छात्रों द्वारा एसएक्सडी रॉकेट लांच किया. इसमें व्हीकल एमएआरवी के प्रोटोटाइप डिजाइन करके रॉकेट विज्ञान के क्षेत्र में नए विचारो को प्रदर्शित किया गया. साइंस क्विज प्रतियोगिता में बच्चों के कठिन से कठिन सवाल पूछे गए. रॉकेट लांच के दौरान फादर प्राचार्य, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे. अध्यक्षता जेवियर्स स्कूल के प्रिंसिपल फादर इग्नाटियस लकड़ा ने की.

'शांति की निष्पक्ष पहल करने की है जरूरत'

रांची। पसमांदा मुस्लिम यूनाइटेड काउंसिल ऑफ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने कहा कि दुनिया की सभी समस्याओं का समाधान पवित्र कुरान और पैगम्बर की जीवनी की रोशनी में हो सकता है. वैश्विक स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए प्रत्येक मनुष्य तथा राजनीतिक एवं राष्ट्रीय शक्तियों को निष्पक्ष पहल करनी चाहिए. ताकि मानवता और न्याय का पैमाना दुनिया के सामने खुलकर आ सके. विश्व परिदृश्य में भारत अनेक धर्मों एवं जनजातियों वाला एक लोकतांत्रिक एवं स्वतंत्र देश है. यह जरूरी है कि हर स्तर पर ईमानदार, जिम्मेदार भूमिका निभाने वाली संस्थाएं और प्रतिनिधि एक-दूसरे के प्रति सहयोगी और मददगार होने के विचार को और मजबूत करें. आइए हम सब देश और दुनिया में नफरत, दुश्मनी, विद्रोह, जुल्म, अधर्म और भ्रष्टाचार को खत्म करने में इंसानियत का पैगाम पेश करें.

छात्रों का प्रदर्शन स्कॉलरशिप के लिए कल्याण पदाधिकारी के कार्यालय का घेराव किया गया

रांची विश्वविद्यालय के छात्रों ने पढ़ाई को लेकर किया हंगामा

संवाददाता/रांची

रांची में गुरुवार को रांची विश्वविद्यालय के छात्रों ने हंगामा किया. छात्र अपनी स्कॉलरशिप के लिए रांची जिला के जिला कल्याण अधिकारी का कार्यालय का घेराव किया. वहीं रांची विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के बाहर परीक्षा की तिथि बढ़ाने की मांग की, तो दूसरी ओर बीएड सत्र 2021-23 के छात्रों ने बिहार शिक्षक भर्ती में आवेदन करने के लिए रिजल्ट जारी करने की मांग की है.

पहला मामला : रांची विश्वविद्यालय तो छात्रों की समस्या का निदान कर दिया, लेकिन पहला मामला गुरुवार को 15 दिनों के बाद रांची विश्वविद्यालय खुला, खुलते ही हंगामे के भेट चढ़ गया. दरअसल दीपावली और छठ की छुट्टी 8 नवंबर से 22 नवंबर तक थी. इस दौरान 4 नवंबर से 11 नवंबर तक स्नातक सेमेस्टर 2 और 4 का परीक्षा फॉर्म भरा जा रहा था. परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरा जा रहा था. छात्रों ने बताया कि परीक्षा फॉर्म भरने में टेक्निकल परेशानियां आ रही थीं. इसके कारण कुछ छात्रों का फॉर्म नहीं भरा पाया है. फॉर्म भरने में किसी प्रकार की दिक्कत आने पर विश्वविद्यालय ने मेल करन का निर्देश दिया था, कुछ छात्रों ने मेल भी किया, लेकिन मेल का कोई जवाब नहीं आया. 12 कॉलेज के छात्रों ने प्रशासनिक भवन के बाहर हंगामा किया. रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने छात्रों की समस्या को सुना और परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष कमार झा को दो दिन परीक्षा फॉर्म की तिथि बढ़ाने का निर्देश दिया.

केस-2 : रांची विश्वविद्यालय के बीएड सेशन 2021-23 के छात्रों ने कुलपति के चैंबर के बाहर अपनी समस्या को लेकर खड़े रहे. बिहार में शिक्षक भरती के लिए आवेदन मांगा गया है. जिसमें बीएड की मार्कशीट मांगी गयी है. लेकिन बीएड का रिजल्ट जारी नहीं किया गया है. इस बात को लेकर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति से अपना गुहार लगाने छात्र पहुंचे. बीएड की परीक्षा 14 से 24 सितंबर तक चली थी. कुलपति ने इन छात्रों को आश्वासन देते हुए कहा की आपलोगों को अभी रिज्लट नहीं दिया जा सकता है, लेकिन आपका सीक्रेट नंबर बीपीएससी को विश्वविद्यालय द्वारा भेज दिया जाएगा. आप सभी शिक्षक नियुक्ति का फॉर्म भेरेंगे.

केस-3 : पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पिछले 8 महीने से नहीं मिलने के कारण छात्रों ने रांची जिला कल्याण पदाधिकारी संगीता शरण के कार्यालय का घेराव किया. छात्रों की संख्या लगभग 60 रही. वहीं कार्यालय में जिला कल्याण पदाधिकारी उपस्थित नहीं थीं. कार्यरत कर्मचारी कार्यालय से बाहर आ गए.

खास बातें
- आरयू के प्रशासनिक भवन के बाहर किया प्रदर्शन
- शिक्षक भर्ती में आवेदन के लिए रिजल्ट की मांग रखी

किसी भी राज्य के लिए चिकित्सा व्यवस्था या स्वास्थ्य सेवा काफी महत्वपूर्ण होती है. यह राज्य की समृद्धि का भी द्योतक है. जिस राज्य की स्वास्थ्य सेवा बेहतर होती है. वह विकसित राज्यों की श्रेणी में आता है. पर इस माप दंड पर झारखंड खरा नहीं उतरता है. एक तरह से हमारी चिकित्सा व्यवस्था बदहाल कही जा सकती है. राज्य के सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों की कमी है. साथ ही सदर अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टर गिने चुने हैं. जिससे मरीजों का सही इलाज नहीं हो पाता है. ग्रामीण इलाकों के ज्यादातर मरीज सदर अस्पतालों में भी इलाज कराते हैं. जबकि गंभीर बीमारियों के लिए वे निजी अस्पतालों में भी जाते हैं. मौजूदा समय में रांची सदर अस्पताल को छोड़ राज्य के सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों या अस्पतालों की स्थिति अच्छी नहीं है. कई जिलों में सरकार की ओर से अच्छे भवन के साथ सुविधाएं मुहैया कराई भी गई है तो रख रखाव के अभाव में वे अव्यवस्थित हो गए हैं. इनमें डॉक्टरों की कमी सबसे बड़ी समस्या है. सरकार को चाहिए कि स्वास्थ्य सेवा को दुरुस्त करे. इसके लिए जरुरी है कि अस्पतालों में रिक्त पड़े डॉक्टरों के पदों को भरना जरुरी है. शुभम संदेश की टीम ने राज्य के सदर अस्पतालों की पड़ताल की है. पेश है रिपोर्ट.

■ अस्पतालों में चिकित्सकों की घोर कमी, सृजित पद से कम हैं डॉक्टर

■ सरकारी स्तर पर प्रयास की जरुरत, ताकि स्वास्थ्य सेवा में सुधार हो सके

आम आदमी का कैसे होगा इलाज

	स्वीकृत	नियुक्त
एसीएमओ	1	1
डिप्टी सुपरीटेंडेंट	1	1
मेडिकल ऑफिसर	11	10
सीनियर डेंटिस्ट	1	0
आप्थाल्मालॉजिस्ट	1	1
गाइनेकोलॉजिस्ट	10	7
एनेस्थेटिस्ट	3	3
पीडियाट्रिशियन	4	4
ब्लड बैंक(मेडिकल ऑफिसर)	1	1
डीपीएच लैब यूनिट(पैथोलॉजिस्ट)	1	1
ब्लाइंड यूनिट	1	1

रांची

अपनी जिम्मेदारी निभा रहा राजधानी का सदर अस्पताल

रांची के सदर अस्पताल में 27 बेड का आईसीयू है. जबकि 14 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट है. जो पूरी तरह से फंक्शनल है और मरीजों का बेहतर तरीके से उपचार किया जा रहा है.
सवाल - ऑपरेशन के लिए क्या व्यवस्था है.
जवाब - सात मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर हैं. विभिन्न विभागों के इन ऑपरेशन थिएटर में मरीजों की सर्जरी की जाती है.
सवाल - जेनरेटर है या नहीं. नहीं है तो कैसे काम चलता है.
जवाब - पर्याप्त संख्या में साइलेंट जनरेटर है. बिजली जाने पर जनरेटर के माध्यम से निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति अस्पताल में की जाती है.
सवाल - मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराई जाने वाली दवाइयां की उपलब्धता है, नहीं है या कम है.
जवाब - चिकित्सक द्वारा लिखी जाने वाली सभी दवाइयां सदर अस्पताल में उपलब्ध हैं. दवाई की उपलब्धता नहीं होने पर विशेष परिस्थितियों में आयुष्मान भारत योजना के तहत दवा की खरीदारी कर मरीजों को उपलब्ध कराई जाती है.

- **खस्ताहाल हैं राज्य के ज्यादातर सदर अस्पताल**
- **कहीं भवन ठीक नहीं तो कहीं रखरखाव के अभाव में एपरेटस व्यवस्थित नहीं**

लातेहार

23 चिकित्सकों के पद खाली

सवाल-डॉक्टर के कितने स्वीकृत पद हैं ?
जवाब- सदर अस्पताल में कुल 32 पद चिकित्सकों के लिए सृजित हैं.
सवाल- डॉक्टर के कितने पद खाली हैं ?
जवाब- कुल 23 चिकित्सकों के पद रिक्त हैं.
सवाल- विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद खाली हैं ?
जवाब- विशेषज्ञ चिकित्सकों के 18 पद स्वीकृत हैं.
सवाल- सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं ?
जवाब- सर्जन के दो पद स्वीकृत हैं.
सवाल- सर्जन के कितने पद खाली हैं ?
जवाब- सर्जन के दोनों पद रिक्त हैं.
सवाल- आईसीयू है या नहीं, है तो कितने बेड हैं और किस स्थिति में हैं ?
जवाब- आइसीयू है. आइसीयू मे कुल 12 बेड हैं और सभी सही स्थिति में हैं.
सवाल- ऑपरेशन के लिए क्या व्यवस्था है ?
जवाब- आपरेशन की व्यवस्था है.
सवाल- जेनरेटर है या नहीं. नहीं है. तो कैसे काम चलता है ?
जवाब- जेनेरेटर है. इसके अलावा सोलर सिस्टम से भी विद्युत आपूर्ति होती है.
सवाल- मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये जाने वाले दवाई की उपलब्धता है, नहीं है या कम है ?
जवाब- दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक है.

मेदिनीनगर

एमएमसीएच अस्पताल में 35 पद स्वीकृत, पर 24 खाली हैं

सवाल - एमएमसीएच अस्पताल में कितने स्वीकृत पद हैं.
जवाब - इस अस्पताल में डॉक्टरों के 35 स्वीकृत पद हैं.
सवाल - इस समय खाली पद कितने हैं.
जवाब - अभी 24 पद खाली हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डॉक्टरों की क्या संख्या है.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टरों के 12 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इसमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टरों के 5 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद हैं.
जवाब - सर्जन के 15 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - स्वीकृत पदों के हिसाब से सर्जन हैं.
जवाब - सर्जन के चार पद खाली हैं.
सवाल - एमएमसीएच में आईसीयू हैं .
जवाब - आईसीयू है. पांच से अधिक बेड हैं और अच्छी स्थिति में हैं.
सवाल - आपरेशन की क्या व्यवस्था है.
जवाब - यहां आपरेशन की सारी व्यवस्था है.
सवाल - बिजली की कैसी व्यवस्था है.
जवाब - बिजली की व्यवस्था है. अगर बिजली चली जाए तो जनरेटर की व्यवस्था है.
- मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये जाने वाले दवाई की सारी उपलब्ध है.

हजारीबाग

चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा सदर अस्पताल

हजारीबाग सदर अस्पताल जो शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के नाम से जाना जाता है. चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है. इस मेडिकल कॉलेज पर आसपास के तीन से चार जिलों का भार है. इस वजह से मरीजों की अच्छी खासी संख्या इस अस्पताल में रहती है. लगभग हर विभाग के चिकित्सक की कमी से अस्पताल जूझ रहा है. हालांकि हाल के दिनों में डीएमएफटी से अनुबंध के सहारे डॉक्टर और अन्य मेडिकल स्टाफ बहाल किए गए हैं. लेकिन उसके बाद भी जो पूर्व के सृजित पद हैं. उस हिसाब से डॉक्टरों की कमी है. सरकारी दवाई की बात करें तो जो बहुत ही जरुरी दवाइयां है वह तो मिल जाती हैं. लेकिन जिन दवाओं को अस्पताल के डॉक्टर लिखते हैं, वह यहां अनुपलब्ध रहती है.

- डॉक्टर के कितने स्वीकृत पद हैं - 40
- डॉक्टर के कितने पद खाली हैं - 28
- विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद स्वीकृत हैं -28
- विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद खाली हैं -10
- सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं - 2
- सर्जन के कितने पद खाली हैं -1
- आईसीयू है या नहीं. है तो कितने बेड हैं12 और किस स्थिति में हैं - बढ़िया स्थिति में है
- ऑपरेशन के लिए क्या व्यवस्था है - जरूर का सभी चीज उपलब्ध

गढ़वा

- गढ़वा सदर अस्पताल में डॉक्टर के कुल 11 स्वीकृत पद हैं. जिसमें 5 डॉक्टर के पद खाली हैं.
- वहीं विशेषज्ञ डॉक्टर के 20 पद स्वीकृत हैं, जिसमें 15 विशेषज्ञ चिकित्सक के पद ख़ाली हैं.
- सर्जन के 2 पद स्वीकृत हैं जिसमें 1 सर्जन का पद ख़ाली है.
- डॉ. अवधेश सिंह सिविल सर्जन गढ़वा ने बताया कि आईसीयू है, जो 5 बेड का है और अच्छी स्थिति में है.
- ऑपरेशन के लिए सर्जन हैं. दो जनरेटर हैं जो चालू स्थिति में है. मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये जाने वाली दवाई की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है. वहीं सदर अस्पताल की कुल बजट 25 लाख रुपए की है. यहां 600 से लेकर एक हजार की संख्या में मरीजों का आना होता है.

बोकारो

कमी के बावजूद मिल रही स्वास्थ्य सेवा

बोकारो स्थित सदर अस्पताल में डॉक्टरों की कमी है, जिसके कारण न सिर्फ मरीज, बल्कि अस्पताल प्रबंधन भी इलाज की समुचित व्यवस्था के लिए परेशान रहते हैं. सदर अस्पताल की स्थिति पर उपाधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि ऐसे तो सदर अस्पताल में डॉक्टर्स की स्वीकृत पद 32 है, जिनमें 18 पद खाली हैं. विशेषज्ञ डॉक्टर्स के स्वीकृत पद 12 है, जिनमें 3 पद खाली है. इनमें से नेत्र, गायनो, हड्डी, एनेस्थीसिया, स्किन, आर्थो के 2, मनोरोग, डेंटल, पीडिया के 9 विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद हैं. सर्जन के 2 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 1 पद खाली है. आईसीयू बेड की संख्या 10 है, जिनमें सभी चालू हालत में है. ऑपरेशन थियेटर है, जिसमें सभी प्रकार के संसाधन मौजूद है. बिजली के विकल्प में जेनरेटर की व्यवस्था 24 घंटे उपलब्ध है. इसके अलावा बैकअप के लिए सोलर सिस्टम भी लगाए गए हैं. उपाधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर के अलावा अन्य विभागों में कर्मियों की तीन कैटेगरी है. इनमें से राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग, एनआरएचएम व डीएमएफटी से कर्मियों की बहाली हुई है. राज्य सरकार की ओर से भेजी जानेवाली सभी प्रकार की दवाइयों में से 80 से 90 प्रतिशत दवाइयां उपलब्ध है. फिलहाल खांसी के सिरप की कमी है, जिसकी उपलब्धता के लिए विभाग को लिखकर डिमांड की गई है.

जमशेदपुर

रोजाना सैकड़ों लोग आते हैं, एमजीएम का लोड कम हुआ है

खासमहल स्थित सदर अस्पताल में दूर-दराज के सैकड़ों लोग रोजाना अपना इलाज कराने आते हैं. इनमें ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की संख्या ज्यादा रहती है. यह अस्पताल राज्य के श्रेष्ठ सदर अस्पतालों की श्रेणी में शामिल है. जनवरी 2013 में जब यह अस्पताल खुला, तो न केवल एमजीएम अस्पताल का लोड कम हुआ, बल्कि परसुडीह, बागबेड़ा, सुंदरनगर, कीताडीह, गोलपहाड़ी, स्टेशन व आसपास के लोगों को राहत मिली. दस साल पहले जहां सदर अस्पताल में प्रतिदिन 50 से 100 मरीज आते थे, अब यह संख्या बढ़कर प्रतिदिन 600 से 800 पर पहुंच गयी है. अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है. अस्पताल में डॉक्टरों की भी कमी है. इस कारण परेशानियों का सामना मरीजों को करना पड़ता है. हालांकि अस्पताल में व्यवस्था व डॉक्टरों की कमी को लेकर सिविल सर्जन डॉ. जुझार माझी ने विभाग को पत्राचार किया है. इधर, अस्पताल भवन में एक मंजिल बढ़ाने की योजना बनी है, ताकि बेड बढ़ाने के साथ चिकित्सा यंत्र इंस्टॉल करने में जगह की कमी न हो. देखा जाए तो सफाई से लेकर रख रखाव के मामले में सदर अस्पताल की स्थिति एमजीएम से काफी बेहतर है.

सवाल - अस्पताल में डॉक्टरों के कितने स्वीकृत पर हैं.
जवाब - अस्पताल में डॉक्टरो के 11 स्वीकृत पद हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं
जवाब - इनमें तीन पद खाली हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद स्वीकृत हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टर के 17 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टरों के 4 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं.
जवाब - सर्जन के 02 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इन पदों पर डॉक्टर हैं.
जवाब - दोनों पद खाली हैं.
सवाल - आईसीयू की क्या स्थिति है.
जवाब - सदर अस्पताल में छह बेड वाला आईसीयू है, जो बेहतर स्थिति में है.
सवाल - ऑपरेशन की क्या स्थिति है.
जवाब - ऑपरेशन के लिए - एलएससीएस, लिगेशन, टीटी, एलटीटी आदि की व्यवस्था है.
सवाल - अस्पताल में बिजली की स्थिति कैसी है.
जवाब - बिजली के साथ एक जेनरेटर है. साथ-साथ बैट्री बैकअप की भी सुविधा है.
सवाल - दवाइयों की क्या स्थिति है.
जवाब - सरकार की तरफ से उपलब्ध कराये जाने वाले दवाओं की कोई कमी नहीं है. समय-समय पर स्टॉक आता रहता है.

साहिबगंज

चिकित्सकों की कमी से इलाज प्रभावित

साहिबगंज जिला सदर अस्पताल में कुल बेड 100 है. अभी बेड की स्थिति ठीक ठाक है. इस जिला अस्पताल में केवल चिकित्सकों की घोर कमी है.जिसमें इस जिला अस्पताल में कुल स्वीकृति पद 40 हैं. अभी वर्तमान में 7 चिकित्सक मौजूद है.और अभी 33 पद खाली हैं. विशेषज्ञ चिकित्सक के पद 28 हैं एवं अभी वर्तमान में इनमें 4 पदस्थापित हैं. विशेषज्ञ चिकित्सकों के 24 पद पद खाली हैं.वहीं सर्जन की बात करे तो कुल 1 पद हैं. सर्जन का एक पद है.वहीं गंभीर बीमारी के लिए यहां पर एक भी सर्जन नहीं है.आईसीयू की व्यवस्था नहीं है, साहिबगंज जिला अस्पताल में मॉडलर ओटी थियेटर ऑपरेशन रूम बनकर तैयार है, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह ऑपरेशन रूम पूरे झारखंड के पहला मॉडलर ओटी थियेटर ऑपरेशन रूम बनाया गया है.यह ओटी जिला प्रशासन के आकांक्षी जिला योजना के तहत बनाया गया है.इसका उद्घाटन ऑनलाइन के माध्यम से झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने हाथों से शुक्रवार को करेंगे.250 केवी,और 20 केवी के जेनरेटर की सुविधा यहां पर मौजूद है. इस जिले में पारा मेडिकल चिकित्सक के सहारे सदर अस्पताल चलाया जा रहा है. जिले में चिकित्सकों के कुल स्वीकृत पद 40 हैं. जिसमें 7 में चिकित्सक पदस्थापित हैं.

रामगढ़

सदर अस्पताल की स्थिति संतोषजनक नहीं

रामगढ़ के सदर अस्पताल में स्वीकृत पदों के अनुसार डॉक्टरों की कमी है .कुछ पद डॉक्टरों की खाली पड़े हैं . विशेषज्ञ डॉक्टोर के पद यहां 20 हैं जबकि 12 डॉक्टर ही विशेषज्ञ के रूप में यहां कार्यरत है . अस्पताल में आईसीयू नहीं है . हालांकि अस्पताल में एक बड़ा जनरेटर और सोलर प्लांट लगा हुआ है डॉक्टर के द्वारा लिखी गई दवाइयां मरीज को यहां से उपलब्ध हो रही है .रामगढ़ की सिविल सर्जन डॉ. महालक्ष्मी कहती है कि डॉक्टरों की कमी को लेकर विभाग को पत्र लिखा जाता है. मौजूदा समय में अस्पताल में डॉक्टरों की कुछ कमी है . डॉक्टरों की अभाव में आईसीयू भी नहीं है. इसे चलाने के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर की जरूरत है. जिसकी कमी है .अस्पताल में फिजिशयन भी रेगुलर अपॉइंटमेंट नहीं है. तीन साल रूलर सर्विस देने वाले पीजी कर के रिम्स से आये है. वह भी तीन साल के बाद चले जायेंगे . अस्पताल में स्पेस्लिस्ट डॉक्टर का होना जरूरी है . अस्पताल में मशीनें ज्यादा हैं. पर उनको चलाने वाले नहीं हैं.. जानकारी लेने पर अस्पताल के बारे में ये बातें बताई गई.
सवाल - अस्पताल में डॉक्टरों के स्वीकृत पदों की संख्या कितनी है.
जवाब - इस समयडॉक्टरों के स्वीकृत पद 27 हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - इनमें आठ पद खाली हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने स्वीकृत पद हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टर के 20 पद हैं. इनमें 8 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं .
जवाब - सर्जन स्वीकृत पद 2 हैं.
सवाल - इमनें कितने मौजूद हैं.
जवाब - मौजूदा समय में एक रेगुलर और एक अनुबंध पर सर्जन कार्यरत हैं.
सवाल - क्या यहां आईसीयू है.
जवाब - यहां आईसीयू नहीं है.
सवाल - अस्पताल में कितने बेड हैं.
जवाब - इस समय अस्पताल में करीब 100 बेड हैं.
सवाल - ऑपरेशन की क्या व्यवस्था है.
जवाब - ऑपरेशन के लिए व्यवस्था है. माइनर और मेजर ओटी है.
सवाल - बिजली की क्या स्थिति है.
जवाब - बिजली की व्यवस्था है. जनरेटर भी है. इसके अलावे सोलर प्लांट भी है.
सवाल - मरीजों को दवाई उपलब्ध कराई जाती है.
जवाब - हां, दवाई उपलब्ध कराई जाती है.

धनबाद

अस्थाई चिकित्सकों के भरोसे हो रहा इलाज

9 अक्तूबर 2018 को आस्तित्व में आए धनबाद के सदर अस्पताल में आज भी अव्यवस्था कायम है. 100 बेड के इस अस्पताल में चिकित्सकों का घोर अभाव है. ज्यादातर चिकित्सक अस्थाई हैं, जो सप्ताह में दो या एक दिन ही यहां अपनी सेवा देते हैं. स्थाई चिकित्सकों की संख्या काफी कम है. सर्जरी की बात करे तो गायनी वार्ड में ही रेगुलर सिजेरियन का काम होता है. गंभीर बीमारी के लिए सर्जरी की व्यस्था नहीं है. आईसीयू की व्यवस्था है, आपरेशन थियेटर भी है, जेनरेटर की सुविधा भी मौजूद है. लेकिन दवाइयों की स्थिति ठीक नहीं है. डॉक्टर की पर्ची पर लिखी गई 5 दवाइयों में से एक या दो दवाइयां ही काउंटर पर मिलती हैं. अभी तक अस्पताल को व्यवस्थित करने के सिर्फ दावे ही हुए हैं. अस्पताल में मरीजों की देखरेख की स्थिति ठीक नहीं है.

अस्पताल की वर्तमान व्यवस्था इस तरह है

- डॉक्टर का स्वीकृत पद -28
- डॉक्टर का खाली पद - 10
- विशेषज्ञ डॉक्टर डाक्टर के स्वीकृत पद- 18
- विशेषज्ञ डॉक्टर डाक्टर के खाली पद - 10
- सर्जन के स्वीकृत पद - 6
- सर्जन के खाली पद - 3
- आईसीयू की व्यवस्था है, स्थिति ठीक है.
- आईसीयू में कुल 10 बेड हैं
- ऑपरेशन की व्यवस्था है (गायनी और आर्थो का सिर्फ ऑपरेशन होता है)
- जेनरेटर : 1 (बड़ा जनरेटर)
- दवाइयां : कम है.

गोड्डा

बिना महिला चिकित्सक के ही चल रहा है सदर अस्पताल

स्वास्थ्य सेवा के मामले में गोड्डा बहुत ही पिछड़ा है. जिला मुख्यालय स्थित एकमात्र सदर अस्पताल पर ही पूरे गोड्डा के लोगों की निर्भरता है. कहने को तो प्रखंड मुख्यालय में भी स्वास्थ्य केंद्र है. मगर अधिकांश स्वास्थ्य केंद्र हाथी दांत के समान है. सभी केंद्र में सिर्फ रेफर करने का काम होता है. जिला मुख्यालय के सदर अस्पताल में चिकित्सकों की जबरदस्त कमी है. सबसे आश्चर्य की बात यह है कि जिला मुख्यालय के इस अस्पताल में एक भी महिला चिकित्सक नहीं है. जबकि प्रसव कराने के लिए आने वाली महिलाओं की संख्या सर्वाधिक होती है. आउटडोर में प्रतिदिन औसतन पांच सौ रोगियों की जांच की जाती है. जिसमें सैकड़ों गर्भवती महिलाएं होती है. बिना महिला चिकित्सक के प्रसव कराने में क्या परेशानी होती होगी यह समझा जा सकता है. नर्स के भरोसे ही सब होता है. इसके साथ ही अस्पताल में एक भी सर्जन नहीं है जबकि गाइनेकोलॉजिस्ट और सर्जन दो ऐसे प्रमुख विभाग हैं जिसके बिना किसी अस्पताल के होने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है. ये दोनों विभाग किसी भी अस्पताल की रीढ होते हैं. इतनी कमियों के बावजूद बिना किसी हो हंगामा के अस्पताल का संचालन सिविल सर्जन डॉक्टर अनंत झा के द्वारा कुशलता से किया जा रहा है. कार्य के प्रति उनकी लगन की वजह से ही अन्य सभी चिकित्सक के साथ-साथ कर्मचारीगण भी ड्यूटी पर मुस्तैद रहते हैं. सीमित आधारभूत संरचना के बावजूद रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके इसके लिए सरकार द्वारा चिकित्सकों की कमी को पूरा करना होगा.

अस्पताल में मरीजों के लिए सभी तरह की दवाएं उपलब्ध नहीं हैं

- चिकित्सक के स्वीकृत पद 32 हैं. जिसमें 15 कार्यरत है.
- चिकित्सक के 17 पद खाली हैं.
- विशेषज्ञ डॉक्टर के 12 पद स्वीकृत हैं जिसमे 03 कार्यरत है.
- विशेषज्ञ डॉक्टर के 09 पद खाली हैं.
- सर्जन के दो पद स्वीकृत हैं और दोनो पद खाली है.
- आईसीयू काम चलाऊ स्थिति में है. बहुत बेहतर नही कहा जा सकता है. कुल नौ बेड है.
- ऑपरेशन के लिए सामान्य व्यवस्था है.
- जेनरेटर की स्थिति सामान्य है.
- मरीजों के लिए सभी तरह की दवाएं उपलब्ध नहीं है.

चाईबासा

सदर अस्पताल में 219 पद स्वीकृत, 19 अब भी रिक्त

पश्चिम सिंहभूम राज्य का सबसे बढ़ा जिला होने के साथ-साथ कोल्हाल प्रमंडल का मुख्यालय भी है. यहां एक मात्र सदर अस्पताल है. जहां कुल 200 बेड हैं. लेकिन रोज 200 से अधिक मरीजों का इलाज होता है. कई जगह अतिरिक्त बेड भी लगाये गये हैं. सदर अस्पताल में कुल 219 पद डॉक्टर का सृजित हैं. लेकिन अब भी 19 पद रिक्त पड़े हुए हैं. सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. साहिर पॉल ने कहा कि मरीजों के लिये सुविधा दी गई है. दवाई रांची से उपलब्ध होती है. सरकारी खर्च से ही दवाइयां मिलती हैं. साथ ही आईसीयू का लिये अलग से कक्ष बनाया गया है. जहां कुल 10 बेड है. पूछने पर बताया गया.
सवाल - डॉक्टरों के कितने स्वीकृत पद हैं.
जवाब - अभी डॉक्टरों के 219 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - इनमें अभी 19 पद खाली हैं.
सवाल - यहां विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद स्वीकृत हैं.
जवाब - यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों के 20 पद स्वीकृत हैं.
सवाल - क्या सभी पद भरे हुए हैं.
जवाब - नहीं इनमें 8 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं.
जवाब - सर्जन के दो पद स्वीकृत हैं.
सवाल - इन पदों पर चिकित्सक हैं.
जवाब - हां इनमें चिकित्सक हैं.
सवाल - अस्पताल में आईसीयू है या नहीं. है तो कितने बेड हैं और किस स्थिति में हैं .
जवाब - आईसीयू है, कुल 10 बेड हैं.
सवाल - ऑपरेशन के लिए क्या व्यवस्था है.
जवाब - आपरेशन थियेटर है. सिजेरियन के लिए अलग व्यवस्था है.
सवाल - बिजली की क्या स्थिति है.
जवाब - बिजली है. जनरेटर की भी व्यवस्था है.यह सरकारी खर्च से चलता है.
सवाल - मरीजों के लिए सरकार की तरफ से उपलब्ध कराई जाने वाली दवाइयों की क्या उपलब्धता है.
जवाब - मरीजों के लिए दवाइयां उपलब्ध कराई जाती है. अधिकतर दवाई सरकारी मिलती है.

गिरिडीह

संसाधन बढ़े, घटते गए चिकित्सक

कोरोना की दूसरी लहर की भयावता से चौकस स्वास्थ्य विभाग व्यवस्था सुधार की कवायद 2021 से ही कर रही है, पर सबसे दुखद स्थिति चिकित्सकों की है. जिले में चिकित्सकों की भारी कमी है. हालत यह है कि क्षमता की एक चौथाई से कम चिकित्सक सदर अस्पताल में कार्यरत हैं. सदर अस्पताल की इकाई चैताडीह शिशु एवं मातृत्व कल्याण केंद्र में मिलाकर चिकित्सकों की संख्या एक चौथाई के करीब है. मालूम हो कि शिशु और गर्भवती महिलाओं का इलाज चैताडीह में किया जाता है. बाकी सदर अस्पताल में. पर चिकित्सकों की कमी के कारण दोनों स्थानों पर अव्यवस्था का आलम रहता है. चिकित्सकों की कमी के कारण मरीजों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है.
सवाल - सदर अस्पताल में डाक्टरों की संख्या कितनी है.
जवाब - डॉक्टरों के स्वीकृत पद - 33 हैं.
सवाल - इस समय खाली पद कितने हैं.
जवाब - इस समय 22 पद खाली पड़े हुए हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डाक्टरों के पद कितने हैं.
जवाब - विशेषज्ञ डॉक्टर के 24 पद हैं.
सवाल - इसमें खाली पद कितने हैं
जवाब - अभी 17 पद खाली हैं.
सवाल - अस्पताल में सर्जन स्वीकृत पद कितने हैं.
जवाब - अस्पताल में स्वीकृत पद - 2 हैं.
सवाल - खाली पद कितने हैं
जवाब - खाली पद - 1 हैं.
- **आईसीयू** - कुल मिलाकर आठ बेड हैं, सभी बेहतर स्थिति में है. ऑपरेशन की व्यवस्था बेहतर है. पर चिकित्सक की कमी, तीन-तीन जनरेटर हैं. इसके अलावा सौर ऊर्जा की व्यवस्था की गई है.

कोडरमा

मरीजों को होती है दिक्कत

कोडरमा जिले के सदर अस्पताल में कुल 28 डॉक्टरों के स्वीकृत पद हैं. जिसमें 19 पद खाली हैं. जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. वहीं विशेषज्ञ डॉक्टर के 19 स्वीकृत पद है, जिसमें केवल 1 ही पदस्थापित हैं. ऐसे में इलाज का क्या हाल है यह आप समझ ही सकते हैं. चिकित्सकों की कमी की वजह से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है.
सदर अस्पताल की स्थिति.
सवाल- डॉक्टर के कितने स्वीकृत पद हैं .
जवाब - 28 पद हैं.
सवाल - डॉक्टर के कितने पद खाली हैं.
जवाब - 19 पद खाली हैं.
सवाल - विशेषज्ञ डॉक्टर के कितने पद स्वीकृत हैं .
जवाब - 19 पद हैं.
सवाल - इनमें कितने पद खाली हैं.
जवाब - 18 पद खाली हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद स्वीकृत हैं .
जवाब - दो पद स्वीकृत हैं.
सवाल - सर्जन के कितने पद खाली हैं ?
जवाब - दो पद खाली हैं.
सवाल - आईसीयू है या नहीं. है तो कितने बेड हैं और किस स्थिति में हैं.
जवाब - है, बेहतर स्थिति में है.

ब्रीफ खबरें

डालसा ने बीमार को रिनपास में भर्ती कराया

मांडर। मांडर पुलिस और डालसा पीएलवी सुमन ठाकुर के प्रयास से मानसिक रूप से कमजोर एक 20 वर्षीय युवती को रिनपास में भर्ती कराया गया है.दरअसल मांडर पुलिस को गुरुवार को सूचना मिली थी कि प्रखंड अंतर्गत नवाटांड गांव के आसपास एक अज्ञात मानसिक विक्षिप्त लड़की इधर उधर भटक रही थी. जिसके बाद पुलिस द्वारा इसकी जानकारी थाना में स्थापित पीएलवी सुमन ठाकुर को मिली. सुमन ठाकुर ने पूरे मामले से डालसा सचिव राकेश रंजन को अवगत कराते हुए युक्त युवती को रिनपास में भर्ती कराने हेतु अग्रेतर कार्रवाई के लिए आग्रह किया. डालसा सेक्रेटरी के लिखित प्रतिवेदन और रिनपास में तैनात पीएलवी शारदा देवी के प्रयास से 20 वर्षीय मानसिक रूप से कमजोर उक्त युवती को भर्ती करा दिया गया.

मांडर प्रखंड में नाई समाज की बैठक संपन्न

मांडर। मांडर प्रखंड में नाई समाज की बैठक गुरुवार को शिव मंदिर प्रांगण में हुई .बैठक की अध्यक्षता धीरज नाथ ठाकुर ने की. बैठक में निर्णय लिया गया कि समाज में बहुत तरह की समस्या है , इन समस्याओं का समाधान हर हाल में सभी को मिलकर करना है. समाज में अशिक्षा ,दहेज ,शराब नशा से कैसे लोगों को बचाया जाए इस पर विचार जरुरी है. नाई बंधुओं की बैठक 30 नवंबर को ग्राम विसाहा खटंगा में होगी . अध्यक्ष अजय ठाकु, उपसचिव मनोहर ठाकुर, उपकोषाध्यक्ष विक्की ठाकुर, सचिव संदीप ठाकुर सहित अनेकों सदस्य उपस्थित थे.

सड़क दुर्घटना में दो घायल, रिम्स रेफर

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो लोहरदगा मार्ग पर गुरुवार की शाम में लगभग पांच बजे करांजी पंचायत भवन के समीप अचानक बैलों के दौड़ने से बाईक सवार दुर्घटनाग्रस्त हो गए. सड़क दुर्घटना में असंतुलित होकर बाइक सवार तुको बेड़ो निवासी 23 वर्षीय अमित तिर्की व 19 वर्षीय मरयानुस बेक गंभीर रूप से घायल हो गए. जिन्हें दिघिया पंचायत के मुखिया प्रबला केरकेट्टा व पंसस सिल्वेस्टर कच्छप ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया. जहां डा मेघा भगत ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया. बाइक सवार बेड़ो बाजार से अपने घर जा रहे थे.

स्काउट मास्टर और गाइड कैप्टन कोर्स का आयोजन

रांची। रांची जिला के हाई स्कूल और मिडिल स्कूल के शिक्षकों के लिए बेसिक स्काउट मास्टर और बेसिक गाइड कैप्टन कोर्स का आयोजन किया जा रहा है. इस आयोजन में रांची जिला के सभी हाई स्कूल और मिडिल स्कूल के शिक्षक शामिल रहेंगे. यह कार्यक्रम संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय मांडर में किया जाएगा. बेसिक स्काउट मास्टर कोर्स में बालक हाई और मिडिल स्कूल के शिक्षक भाग लेंगे और बेसिक गाइड कैप्टन कोर्स में बालिका हाई और मिडिल स्कूल की शिक्षिका भाग लेंगी. इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 50 रुपये, राज्य विकास शुल्क 40 रुपये, जिला विकास शुल्क 20 रुपये, विशेष शुल्क 30 रुपये, शिविर शुल्क 100 रुपये जमा करना अनिवार्य है.

देवउठनी एकादशी पर श्रद्धा व भक्ति के साथ तुलसी विवाह का आयोजन हुआ

बेड़ो और लापुंग में मनाई गई देव उठनी एकादशी

संवाददाता। बेड़ो/लापुंग

खास बातें

- तुलसी का विवाह संस्कार आयोजित किया गया
- घरों को अर्पण सिंदूर के साथ सजाया एवं जागृत किया गया

बेड़ो और लापुंग प्रखंड में देवउठनी एकादशी एवं तुलसी विवाह धुमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनायी गई. शास्त्रों के अनुसार हिंदू धर्म में सबसे शुभ दिन माने जाने वाले देवउठनी एकादशी के दिन बेड़ों और लापुंग प्रखंड के विभिन्न गांवों में भगवान विष्णु की विधिवत पूजा अर्चना की गई. भगवान विष्णु के चार महीनों के बाद नींद से जागने के उपलक्ष्य में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान विभिन्न प्रकार के फल फूल, पकवान, मिष्टान्न सहित सकरकंद व दूध का भोग भगवान को लगाया गया. तुलसी जी का भगवान शालीग्राम के साथ विवाह संस्कार आयोजित किया गया. इस दौरान बेड़ो प्रखंड के बेड़ो, बारीडीह, जरिया, पुरियों, मासु, मुडामु, जमनी, पंडरा जहानाबाज, तुको, खुखरा, नरकोपी, मुरतो, महुगांव, दिघिया, खत्री खटंगा, पाकलमेडी. सहित विभिन्न गांवों में सनातन परम्परा के अनुसार घरों को अर्पण, सिंदूर के साथ सजाया एवं जागृत किया गया. भगवान विष्णु के साथ साथ मां लक्ष्मी की अराधना की गई. वहीं लापुंग प्रखंड के सरसा, देवगांव, नावाटोली, ककरिया, चम्पाडीह, कारुम, पोकटा, डाडी, मालगो, फतेहपुर, महुगांव, जरिया, जमाकेल, गुदगुद, बोकरन्दा, बड़का कुरा, परसा, सुकुरहुटू, लालगंज, दानेकेरा लापुंग जातालोया, पांडु, दोलैचा, डिंबा, सेमला सहित विभिन्न गांवों में देव उठनी एकादशी व्रत कथा सुनी गई और पारंपरिक रूप से घरों के आंगन में मां तुलसी तथा शालीग्राम की विधिवत विवाह संस्कार आयोजित किया गया. मान्यता है कि इसी दिन से विवाह का शुभ मुहूर्त शुरू होता है. विवाह के शुभ लग्न के साथ साथ सभी प्रकार के शुभ कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा.

दिसंबर में रिम्स में थर्ड ग्रेड के 64 कर्मियों की नियुक्ति होगी

संवाददाता। रांची

खास बातें

- 21 नवंबर को परीक्षाफल की घोषणा की गयी थी
- सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन के लिए अधिसूचना जारी

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने रिम्स के तृतीय वर्ग के कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए ली गयी परीक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया है. साथ ही सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन के लिए अधिसूचना जारी की है. 7 दिसंबर 2023 को दिन के 11 से 1:30 बजे तक अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन कराने के लिए पहुंचना है. मालूम हो कि रिम्स में तृतीय वर्ग के कर्मचारियों की कुल 64 रिक्तियां के लिए वर्ष 2022 में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने विज्ञापन निकाला था. परीक्षा अगस्त में ली गई थी. बीते 21 नवंबर को परीक्षाफल की घोषणा कर दी गयी. अब परीक्षा में पास अभ्यर्थियों का सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन होगा. जारी रौल नंबर के अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन के लिए बुलाया गया है. जानिए किन रौल नंबर वालों को बुलाया गया है सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन के लिए- रौल नं आरटी 00240, आरटी 00422, आरटी 00854, आरटी 00977, आरटी 01318, आरटी 02339, आरटी 02769, आरटी 02880, आरटी 03023, आरटी 03734, आरटी 04192, आरटी 04330 व आरटी 04507.

खाटू श्याम जन्मोत्सव पर प्रभु का हुआ भव्य श्रृंगार ,उमड़ी भीड़

भक्तों ने अर्पित की श्रद्धा सुमन

राजन बॉबी। रांची

खास बातें

- धूमधाम से मना श्रीश्याम प्रभु का जन्मोत्सव
- श्रद्धालुओं ने लगाया खीर-चूरमे का भोग लगा
- भजनों की सरिता में भक्त देर रात तक लगाते रहे गोता

राजधानी में गुरुवार को श्रीश्याम प्रभु का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया. मौके पर श्याम मंदिरों में खास आयोजन हुए ही, भक्तों के घरों पर भी हारे के सहारे खाटू नरेश की विशेष पूजा-अर्चना की गयी. श्रद्धालुओं ने श्रीश्याम प्रभु के शीष का भव्य श्रृंगार कर श्रद्धा के पुष्प चढ़ाए. अखंड ज्योत प्रज्जवलित कर खीर-चूरमे और छप्पन भोग का प्रसाद अर्पित किया . देर रात तक भक्ति के साथ जन्मोत्सव का उल्लास छाया रहा. श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड की साज-सज्जा के क्या कहने. रंग-बिरंगी लाइटों से मंदिर जगमगाता रहा. फूलों से सजे शीष के दानी का दरबार और दर्शन को आतुर भक्तों की कतार की मनोहारी छटा देखते ही बन रही थी. दिनभर दर्शन-पूजन के साथ सात प्रहर बाबा की आरती उतारी गयी. रात साढ़े नौ बजे श्रीश्याम जयंती महोत्सव की शुरुआत अखंड ज्योत प्रज्जवलित कर की गयी. इसके बाद भजनों की गंगा बही, तो देर रात तक श्रद्धालु इसमें गोते लगाते रहे. मंडल और स्थानीय भजन गायकों संग जमशेदपुर से आयी सौम्या चौधरी ने गणेश वंदना से शुरुआत कर भक्ति गीतों की लड़ियां लगा दी. मौजूद भक्तजन झूमते-गाते अपने ईष्ट को रिझाते रहे. महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू, उपमंत्री अनिल नारनौली, रतन शर्मा, स्नेह पोद्दार, संजय सर्राफ, रौनक पोद्दार, अरविंद सोमानी, निखिल नारनौली, दिनेश अग्रवाल, विशाल पोद्दार, आशुतोष खेतान, लोकेश जलान, प्रकाश सरावगी, रोशन खेमका, किशन शर्मा ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

श्रीश्याम मंदिर अग्रसेन पथ : अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर खाटू नरेश के जन्मोत्सव के रंग में सुबह से देर रात तक रंगा रहा. सुबह प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार किया गया. मंदिर में विराजमान बजरंगबली और शिव परिवार का भी विशेष श्रृंगार किया गया. दैनिक पूजन-आरती के साथ दर्शन को श्रद्धालु भक्ति डोर से बंधे चले आये. देर रात तक मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा. जन्मोत्सव के मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत रात नौ हुई. मंडल के भजन गायकों ने गणेश वंदना से शुरुआत कर माता मोर्वी क आंगणियों मं श्याम लियो अवतार ... जैसे एक से बढ़ कर एक भजन प्रस्तुत कर भक्तों को झुमाया. रमेश सारस्वत, ओम जोशी, गोपी किशन ढांढनिया, चंद्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, बालकिशन परसरामपुरिया, प्रदीप अग्रवाल, नितेश केजरीवाल ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

प्रज्जवलित किया अखंड ज्योत

तारा देवी कटारूका अपने पुत्र और पुत्रवधु राजेश, बेला, प्रकाश कटारूका संग अखंड ज्योत प्रज्जवलित कर मंगल कामना की . श्रीश्याम को दूध, रबड़ी, फल प्रसाद का भोग लगाया . स्मृति शेष महावीर प्रसाद जैन, उर्मिला देवी जैन, अजय जैन ने मंदिर में निर्मित छप्पन भोग महाप्रसाद बाबा को अर्पित किया . अनिता, कमल बिश्नोई ने नवीन बागा व फल, अन्नपूर्णा सरावगी ने रबड़ी, सुभाष, रौनक पोद्दार ने घी, ट्रेड फ्रेंड्स की तरफ से पताका, रोशन खेमका ने बैलून की साज सज्जा की सेवा प्रदान की . दिनेश अग्रवाल, कृष्ण शर्मा, विशाल पोद्दार, लोकेश जालान, मयंक अग्रवाल, निखिल नारनोली, प्रकाश सरावगी, आशुतोष खेतान की ओर से भी विविध सेवा-सहयोग किया .

मनाया गया श्याम बाबा का जन्मोत्सव

श्रीराधावल्लभ मंदिर में बाबा श्याम का जन्मोत्सव मनाया गया . रात आठ बजे मुख्य यजमान वैभव ढांढनिया ने अखंड ज्योत प्रज्वलित की . इसके बाद गणेश वंदना के साथ भजन व भक्ति गीतों का कार्यक्रम शुरू हुआ, जो देर रात तक चला . वीणा कौर ने एक से बढ़ कर एक भजन प्रस्तुत कर सब को झुमाया . रात एक बजे महाआरती के साथ महोत्सव संपन्न हुआ . अध्यक्ष कमलेश संचेती, मंत्री संजय सुरेका, मनोज काबरा, हरेंद्र अग्रवाल,आशीष अग्रवाल, आकाश शर्मा,अनिल अग्रवाल, रवि अग्रवाल, रुपेश लोहिया, अभिषेक चौधरी, प्रथम काबरा, विनायक पोद्दार, सौरभ कटारुका सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इसमें हिस्सा लिया .

सुदेश ने गार्डवाल निर्माण का शिलान्यास किया

राहे। विधायक सुदेश महतो ने गुरुवार को राहे गांव में बुंडू-राहे सड़क के राहे तालाब में गार्डवाल निर्माण कार्य का शिलान्यास किये. पथ निर्माण विभाग के द्वारा 140 फीट गार्डवाल का निर्माण 50 लाख रुपये में किया जायेगा. इस अवसर पर विधायक ने कहा कि गांव की जरूरत को पूरा किया जा रहा है. पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य पर वृहत पैमाने पर काम किये जा रहे है। हर घर मे शुद्ध पेयजल पहुंचाने का काम किया जा रहा है. गांव में राजनीतिक जागरूकता लाने का काम किया गया है. योजनाओं के माध्यम से हम गांव में भरोसा देने का काम कर रहे है. मौके पर प्रभारी संजय सिद्धार्थ, रंग बहादुर महतो, मनोज चटर्जी, सुरेंद्र प्रजापति,प्रमोद सिंह,राजपति महतो सहित काफी संख्या ग्रामीण उपस्थित थे.

सरकार की योजनाओं का लाभ लें ग्रामीण: बीडीओ

संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड में आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम 2023 के अंतर्गत जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है. लापुंग प्रखंड में यह कार्यक्रम डाडी. पंचायत सचिवालय में 24 नवंबर से शुरू हो रही है. यह जानकारी लापुंग प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी इमानुएल जयवीरस लकड़ा ने देते हुए बताया कि झारखंड की हेमंत सरकार का लक्ष्य है कि पंचायत में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर ऑन स्पॉट उन्हें लाभ देना है. इस निमित्त सभी विभागों के पदाधिकारी अलग-अलग तिथियां में पंचायत सचिवालय में मौजूद रहेंगे. ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा. उन्होंने लापुंग की जनता से अपील किया है कि निर्धारित तिथि को अपने पंचायत सचिवालय पहुंचे और अपनी समस्याओं का समाधान करा लें. उन्होंने बताया कि देवगांव पंचायत सचिवालय में 28 नवंबर, ककरिया पंचायत सचिवालय में 30 नवंबर , लतरातु में दो दिसंबर, दोलैचा पंचायत में में 04 दिसंबर, बोकरोन्दा में 06 दिसंबर , दानेकेरा में 08 दिसंबर, हुलसू पंचायत सचिवालय में 11 दिसम्बर को, महुगांव पंचायत में में 13 दिसंबर, मालगो पंचायत सचिवालय में 15 दिसंबर व सापुकेरा पंचायत सचिवालय में 18 दिसंबर को आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है.

क्षेत्र के विकास के लिए संकल्पित है: सुदेश

संवाददाता। अनगड़ा

सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने गुरुवार को जोन्हा क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया. इन योजनाओं में जोन्हा के भोगना बेड़ा में पीसीसी पथ निर्माण. जोन्हा मध्य विद्यालय में बाउंड्री वॉल. जिदू में चबूतरा निर्माण. अमरूद बगान से सीता फॉल तक तक करीब सात किमी पीडब्लूडी से बनने वाले सड़क का निर्माण तथा जोड़ी महुवा में पीसीसी पथ का निर्माण कार्य शामिल है. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वे कृत संकल्पित है. समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति का समुचित विकास कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना मेरा लक्ष्य है. इसके लिए सभी गांवों में पक्की सड़क, बिजली, पेयजल, नाली सहित सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जा रहा है. कहा कि कोई भी गांव विकास की रोशनी से अछूता नहीं रहेगा.

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे. इस दिशा में लगातार काम किया जा रहा है. मौके पर जीप सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा, पारसनाथ उरांव, बबलू अंसारी, पंसस दिलीप बेदिया, राजू महली, जलनाथ चौधरी, अतीस महतो, संजय महतो, साहेब राम महतो सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

पतरातू में दिव्यांगों के लिए मूल्यांकन शिविर लगाया

संवाददाता। रांची

रांची सेल ने सीएसआर ने एलिम्को के सहयोग से पतरातू ब्लॉक कार्यालय परिसर में मूल्यांकन शिविर का पहला चरण आयोजित किया. कार्यक्रम में 40 से अधिक लोग मूल्यांकन के लिए आए. डॉक्टरों ने दिव्यांगता की श्रेणी का आंकलन किया. साथ ही ब्लॉक और सेल अधिकारियों द्वारा उनकी प्रमाणिकता के निरीक्षण के बाद 26 दिव्यांगों का पंजीकरण किया गया. सेल की 3 दिसंबर को विश्व विकलांगता दिवस के मौके पर मोटर चालित ट्राइसाइकिल, व्हील चेयर, सेरेब्रल पाल्सी चेयर, कोहनी और सहायक क्लच, श्रवण यंत्र जैसे कृत्रिम उपकरण वितरित करने की योजना है.इस अवसर पर बीडीओ (पतरातू) मनोज कुमार गुप्ता और राहुल ने सेल को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की. सेल का प्रतिनिधित्व उज्ज्वल भास्कर, संचार प्रमुख, डॉ. जीएम चौधरी, डीजीएम, एसके साहा, एजीएम,राहुल श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रबंधक और नोडल पर्सन (सीएसआर) ने किया. एलिम्को का प्रतिनिधित्व डॉ. अभय मिश्रा ने किया.

अच्छी सड़क विकास की पहचान : तिर्की

संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो प्रखंड मे ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने बेड़ो प्रखंड के नेहालू पंचायत में कपरिया मोड़ से तिलई भाया घाटटोली तक (लगभग 5.8 किलोमीटर) एव जामटोली पंचायत मे जहानाबाज पथ से घाघरी धाम तक (लगभग 6.5 किलोमीटर) पथ का विशेष मरम्मति कार्य का शिलान्यास विधिवत पूजा अर्चना कर एवं नारियल फोड़कर किया. ये दोनो ही सड़कों की मरम्मति कार्य लगभग 2.43 एवं 3.34 करोड़ रुपये के लागत से किया जाना है. इस रोड की हालत इतनी खराब थी, कि जगह जगह गड्ढे बन गये है. जिससे ग्रामीणों को आवागमन करने मे काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था. ग्रामीणों की परेशानियों को देखते हुए विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने विभाग में समस्याओं को रखा और उच्चाधिकारियों से वार्ता की. विधायक के पहल पर विभाग द्वारा रोड मरम्मति की स्वीकृति होने के पश्चात गुरुवार को विधायक ने रोड का शिलान्यास किया. विधायक के द्वारा किए जा रहे प्रयासों से ग्रामीणों ने खुशी जताई. इस दौरान शिलान्यास के पश्चात विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने उपस्थित तमाम लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस सड़क की मरम्मती अप्रैल के पूर्व पूर्ण होने के पश्चात ग्रामीणों को चलने में कठिनाइयां का सामना नहीं करना पड़ेगा. विधायक कार्यक्रम में उपस्थित तमाम लोगों को झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बतलाया जैसे- अबुआ आवास, विधवा-वृद्धा पेंशन, बकरी-मुर्गी शेड निर्माण, सिंचाई कूप एवं अन्य योजनाओं की जानकारी दी और इनका लाभ लेने को कहा.

ईडी ने झारखंड हाईकोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट

संवाददाता। रांची

रांची के बिरसा मुंडा जेल में बंद मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपियों द्वारा अफसरों को फंसाने की साजिश और गवाहों को धमकाने के मामले में ईडी ने गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट को सीलबंद रिपोर्ट सौंप दी. चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच ने रिपोर्ट देखने के बाद ईडी से पूछा कि क्या वह इसे राज्य सरकार के साथ शेयर कर सकती है?

कोर्ट ने इस संबंध में ईडी को अगली सुनवाई की तारीख को प्रति-शपथ पत्र दाखिल करने को कहा है. इस मामले में अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी. इससे पहले हाईकोर्ट ने 7 नवंबर को एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी से इस प्रकरण में सीलबंद रिपोर्ट मांगी थी. ईडी ने पीएमएलए कोर्ट में दिए गए आवेदन में कहा था कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल में बंद कुछ अभियुक्त ईडी के अफसरों को झूठे मुकदमे में फंसाने और उन्हें नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं.

विडंबना नियमानुसार अधिकारी चतुर्थवर्गीय कर्मियों से नहीं करा सकते हैं कोई भी निजी काम

कर्मियों से घर और बगीचा में काम करवाते हैं अधिकारी

संवाददाता। धनबाद

सिस्टम कुंद

- बंगले में नौकरों की तरह काम करते हैं रेलकर्मी
- दो शिफ्टों में रेलकर्मियों से कराया जाता है सारा काम

धनबाद रेल मंडल के दर्जनों अधिकारियों के बंगले में 100 से अधिक रेलकर्मी काम करते हैं. 2010 में रेलवे बोर्ड ने जारी निर्देश में कहा था कि अधिकारी बंगले में चतुर्थवर्गीय कर्मी से काम नहीं करा सकते हैं. रेलवे सूत्रों के अनुसार, 13 साल पहले जारी निर्देश को ताक पर रख आज भी दो शिफ्ट में बारह-बारह घंटे कर्मियों से घर व बगीचा में सारा काम कराते हैं. धनबाद रेल मंडल के मुख्यालय मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय धनबाद में पदस्थापित एक क्लास वन ऑफिसर के बंगला में काम करने वाला चतुर्थवर्गीय रेलकर्मी ने नाम नहीं छापने के शर्त पर कहा कि साहब के निर्देश पर वह पिछले दस वर्षों से काम कर रहा है. दस वर्षों में तीन साहब तबादले के बाद धनबाद आए और गए, लेकिन वह उसी बंगले में नौकरों की तरह काम करता है. उसे रेलवे में परिचालन विभाग में नौकरी मिली है लेकिन, वह अधिकारी के बंगले में काम करने को विवश है. साहब या मेम साहब की ओर से कहा गया काम में एक से दो मिनट भी विलंब होती है तो डांट-फटकार के साथ-साथ पिटाई भी होती है. अगर साहब के बंगले में काम छोड़ दिए तो नौकरी भी हमेशा के लिए चली जाएगी. साहब बार-बार धमकी देते हैं कि समय पर पूरा काम करो वरना नौकरी से बर्खास्त कर देंगे.

काम से इंकार किया कर्मी तो चोरी के केस में फंसाया

सूत्रों के अनुसार 2019 में दो रेलकर्मियों ने एक रेल अधिकारी के बंगले में काम करने से इंकार किया तो उसे थाना में चोरी का केस कर फंसाया गया. पुलिस अधिकारी से पैरवी करा कर दोनों रेलकर्मियों को धनबाद स्टेशन से गिरफ्तार कराया गया. मामले ने तूल पकड़ा तो दर्जनों रेलकर्मियों ने यूनियन के पदाधिकारियों के साथ डीआरएम कायार्लय व थाना के घेराव किया. वरीय पुलिस अधिकारी से मिले और मामले की सही जानकारी दी. उसके बाद केस को वापस लिया गया, लेकिन बाद में दोनों रेलकर्मियों को सीआईसी सेक्शन में धनबाद से सैकड़ों किमी दूर सिंगरौली तबादला कर दिया गया था. यही वजह है कि रेलकर्मी अधिकारी का विरोध नहीं करते हैं और परिवार का भरण पोषण के लिए काम करते हैं.

16 नगर निकायों में बन रहा विद्युत शवदाह गृह

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड के 16 नगर निकायों में 15वें वित्त आयोग की राशि से अत्याधुनिक विद्युत शवदाह गृह का निर्माण हो रहा है. 47.13 करोड़ रुपए की राशि से ये गैस फायर्ड विद्युत शवदाह गृह बन रहे हैं. इनमें से 9 का निर्माण पूरा हो चुका है. आदित्यपुर, चक्रधरपुर, जुगसलाई, सरायकेला, सिमडेगा, लोहरदगा, गिरिडीह, लातेहार और चाईबासा में विद्युत शवदाह गृह बन कर तैयार है. कुछ जगहों पर इसे चालू भी कर दिया गया है. कोडरमा, गोड्डा और धनबाद में बन रहा विद्युत शहदाह गृह फरवरी 2024 तक कंप्लीट होगा, वहीं दुमका और गोड्डा के शवदाह गृह मार्च तक बनकर तैयार हो जाएंगे. खूंटी, गुमला, गोड्डा और गिरिडीह में विद्युत शवदाह गृह का काम चालू है.

इन निकायों में बन रहे विद्युत शवदाह गृह : धनबाद, कोडरमा, गिरिडीह, चास, सरायकेला, चाईबासा, खूंटी, लातेहार, चतरा, गुमला, सिमडेगा, गोड्डा, दुमका, जुगसलाई, आदित्यपुर, चाईबासा.

हजारीबाग : हजारीबाग के खिरगांव में भी 6-7 साल पहले विद्युत शवदाह गृह बना था. लेकिन वहां आज तक एक भी बॉडी नहीं जली. 1991 में धनबाद के मोहलबानी में बने विद्युत शवदाह गृह का चार बार उद्घाटन हो चुका है, लेकिन अभी भी वहां यह शुरू नहीं हो पाया है.

जमशेदपुर : जमशेदपुर में ही विद्युत शवदाह गृह सफल रहा है. यहां बिष्टुपुर के पार्वती घाट और स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर बने शवदाह गृह काम कर रहे हैं. अब सालगाझुड़ी में भी नया विद्युत शवदाह गृह बन रहा है.

धनबाद : धनबाद के मेहुलबानी में 1990 में बना विद्युत शवदाह गृह भी कई बार खुलते-बंद होते रहा. चौथी बार अप्रैल 2023 में यह शुरु हुआ है.

15वें वित्त आयोग की राशि से बन रहे शवदाह गृह

राजधानी रांची और हजारीबाग में विद्युत शवदाह गृह की योजना फेल होने के बाद सरकार ने नगर निकायों में गैस आधारित विद्युत शवदाह गृह बनाने की योजना बनाई थी . 15वें वित्त आयोग से 16 निकायों के लिए 47 करोड़ रुपये आवंटित किये गये . हर निकाय को 3-3 करोड़ की राशि दी गई है . सभी निकायों में बनने वाले शवदाह गृह एक ही डिजाइन के हैं . जुडको ने इसका मॉडल बनाया है . जुडको से ही इस योजना की मॉनिटरिंग की जा रही है . जिन निकायों में शवदाह गृह के निर्माण की प्रगति धीमी है, उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है .

▼ ब्रीफ खबरें

पटना में 13 लाख के आभूषण की लूट

पटना । बेखौफ अपराधियों ने राजधानी पटना में भीषण डकैती की घटना को अंजाम दिया है. अपराधी पहले घर का दरवाजा तोड़ घर में दाखिल हुए. इसके बाद एक-एक कर 15 अपराधी घर में घुस गए. इस दौरान उन्होंने घरवालों को हथियार का भय दिखाते हुए भीषण लूट की घटना को अंजाम दिया. जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने घरवालों को बंधक बनाकर एक लाख नकद और 13 लाख के आभूषण की लूट लिए. घटना खुसरूपुर थानाक्षेत्र के बैकटपुर राजपूत टोला की है. घटना मध्य रात्रि की बतायी जा रही है.

नवादा के दो मजदूरों की बेंगलुरु में मौत

नवादा । बेंगलुरु में बिहार के दो मजदूरों की मौत हो गई है. दरअसल बेंगलुरु के अनेकल तालुक स्थित तिरुपलाया में श्री निवास रेड्डी के सनशाइन होल्डिंग कंपनी द्वारा संप हाउस की सफाई करवाई जा रही थी. इसी दौरान नालंदा जिले के रहने वाले मजदूर चंदन राजवंशी और पिंटू राजवंशी की दम घुटने से मौत हो गई. मृतक मजदूरों की पहचान नालंदा जिला के सिंगार खास स्थित पुरानी हरदिया गांव निवासी लालो राजवंशी के पुत्र 29 वर्षीय चंदन राजवंशी और 21 वर्षीय पिंटू राजवंशी के रूप में हुई है.

प्रेम-प्रसंग के मामले में युवक की हत्या

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में प्रेम-प्रसंग में युवक की हत्या का मामला सामने आया है. घटना जिले के पुनौरा थाना क्षेत्र के पुनौरा मंदिर के पीछे स्थित खाली मैदान की है, जहां युवक को अधमरे हालत में इलाज के निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया. लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के कोट बाजार वार्ड 9 निवासी मदन मोहन प्रसाद के 23 वर्षीय पुत्र जीतू कुमार के रूप में की गई है. बताया गया कि मृतक के सर पर लोहे के रॉड से हमला किया जाना प्रतीत होता है.

25 लाख स्कूली बच्चों के लिए मिशन दक्ष शुरू करेगी सरकार

संवाददाता । पटना

बिहार सरकार ने पढ़ने-लिखने में कमजोर 25 लाख स्कूली बच्चों के शिक्षण स्तर में सुधार के लिए एक दिसंबर से 'मिशन दक्ष' शुरू करने का निर्णय लिया है. शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मिशन दक्ष के तहत राज्य शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को कहा है कि वह अधिकतम पांच छात्रों का समूह बनाएंगे और उनका मार्गदर्शन करेंगे. शिक्षकों को चेतावनी भी दी गई है कि लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है.

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने 21 नवंबर को सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखा और उन्हें एक दिसंबर से दैनिक आधार पर अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम की प्रगति की निगरानी करने का अनुरोध किया है. पत्र में कहा गया कि 'मिशन दक्ष' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिलावार निगरानी समितियां बनायी जाएंगी. पत्र के अनुसार जिलाधिकारियों ने जुलाई में नियमित निरीक्षण और निगरानी शुरू की और यह पाया कि लगभग सभी सरकारी स्कूलों में पढ़ने-लिखने में कमजोर छात्रों की संख्या काफी अधिक है. इसे ध्यान में रखते हुए विभाग ने राज्य भर के सभी सरकारी स्कूलों में एक दिसंबर से 'मिशन दक्ष' शुरू करने का फैसला किया है ताकि ऐसे छात्रों के शिक्षण स्तर में सुधार हो सके. पत्र में कहा गया, पढ़ने-लिखने में कमजोर छात्र स्कूलों में अपने अन्य साथियों से बहुत पीछे हैं. उनमें से कुछ उच्च प्राथमिक कक्षाओं में पहुंचने के बावजूद हिंदी के सरल शब्दों को ठीक से पढ़ने में असमर्थ हैं.

पाठक ने निर्देश दिया कि ऐसे छात्रों की पहचान प्राथमिकता के आधार पर की जाए. उन्होंने पत्र में कहा, इसके बाद प्रधानाध्यापक शिक्षकों को अतिरिक्त कक्षाएं लेने के लिए कहेंगे (मध्याह्न भोजन के बाद). एक वक्त में पांच से ज्यादा छात्र नहीं होने चाहिए. ऐसे छात्रों को कठिन अवधारणाओं को समझने और सीखने की खाई को पाटने के लिए व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने की आवश्यकता होती है. उन्होंने कहा, सभी 25 लाख (लगभग) ऐसे कमजोर छात्र अप्रैल 2024 में अंतिम परीक्षाओं में शामिल होंगे. यदि ये छात्र परीक्षाओं में फेल होते हैं तो शिक्षा विभाग उनके संबंधित हेडमास्टर, शिक्षक और प्रधानाचार्यों के खिलाफ कार्रवाई करेगा. बिहार की नीतीश कुमार सरकार राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए पिछले एक वर्ष से कड़े कदम उठा रही है. सितंबर में पाठक ने जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को उन छात्रों के माता -पिता के साथ बातचीत करने का निर्देश दिया था जिनकी उपस्थिति 50 प्रतिशत से कम है, और इसमें सुधार के लिए उपाय करने को कहा था.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

ग्राम पंचायतों की संख्या	8387
पंचायत समिति की संख्या	534
जिला परिषद की संख्या	38
जिला परिषद सदस्यों की संख्या	1161
पंचायत समिति सदस्यों की संख्या	11497
ग्राम पंचायत सदस्यों की संख्या	114691
मुखिया की कुल संख्या	8387
ग्राम कचहरियों की कुल संख्या	8387
सरपंचों की संख्या	8387
ग्राम कचहरी के पंचों की कुल संख्या	114691
ग्राम पंचायत सचिव की कुल कार्यरत संख्या	3635
ग्राम कचहरी न्याय मित्र की संख्या	6947
ग्राम कचहरी सचिव की संख्या	7474
जिला पंचायत राज पदाधिकारी की संख्या	38
प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी की संख्या	528

उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बनाया केंद्र पर दबाव, बोले-

लागू 75 प्रतिशत आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाए

गिरिराज बोले- बिहार में शरिया कानून लागू होने से बचाएं सीएम

बेगूसराय । केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में शरिया कानून लागू होने की आशंका जताई है. उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर अपील की है कि वह बिहार में इस इस्लामिक कानून के लागू होने से बचाएं. उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति करने वाले टुकड़े-टुकड़े गैंग ने इस देश के इस्लामीकरण के लिए ऐसे प्रावधान किए हैं, जो दुबई छोड़ ज्यादातर मुस्लिम देशों में प्रभावी हैं. उन देशों में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट ही स्वीकार किया जाता है. उसी तरह का प्रोडक्ट बिहार में भी बना रहा है या खपाया जा रहा है. चाय और पनीर तक हलाल सर्टिफिकेशन के साथ आ रहे हैं और इससे भारत सरकार के एफएसएसएआई के समानांतर प्रावधान लाकर अवैध वसूली भी की जा रही है. मांस में हलाल समझ में आता है, लेकिन सामान्य रसोई के उत्पादों में हलाल सर्टिफिकेशन के जरिए इस्लामीकरण का कुत्सित प्रयास मुख्यमंत्री को रोकना चाहिए.

संवाददाता । पटना

बिहार में लागू 75 प्रतिशत आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए अब राज्य सरकार ने अलग-अलग तरीके से केंद्र पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है. उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गुरुवार को प्रेस-कॉन्फ्रेंस की. उन्होंने केंद्र से अपील की है कि सरकार बिहार में लागू 75 प्रतिशत आरक्षण को 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाए. उन्होंने जातीय गणना के जब आंकड़े सामने आ गए हैं और सभी जातियों में गरीबी है तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्णय लिया कि आरक्षण की सीमा बढ़ाई जाए. तो सभी जातियों का आरक्षण बढ़ाया गया. सबने समर्थन भी किया. आगे कोई पेंच नहीं फंसे इसके लिए हमलोगों ने भारत सरकार से अपील की है कि इसे 9वीं सूची में शामिल करें.

तेजस्वी ने केंद्र पर दबाव बनाते हुए कहा कि जब आपकी (भाजपा) पार्टी ने भी समर्थन किया है तो फिर कोई सोचने की बात नहीं है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अविलंब बिहार के नए आरक्षण कानून को 9वीं सूची में डाल देना चाहिए. यह भी कहा कि तमिलनाडु में 69 प्रतिशत आरक्षण पहले से है. वहां केंद्र सरकार ने 9वीं सूची में शामिल किया है. ऐसे में जब केंद्र सरकार समर्थन कर रही है तो फिर कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए.

वित्त मंत्री विजय चौधरी बोले- यह नई मांग नहीं : तेजस्वी यादव की पीसी में वित्त मंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे. उन्होंने कहा कि 13-14 वर्षों से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग हो रही है. यह नई मांग नहीं है. देश में जातीय गणना कहीं नहीं हुई थी वो बिहार में हुई है. इससे विभिन्न जातियों का आंकड़ा निकलकर आया है. विभिन्न लोगों का आर्थिक आंकड़ा आया है. सभी गरीबों को न्याय दिलाने के लिए भारत सरकार से अपील की गई है कि बिहार के नई आरक्षण नीति को नौवीं सूची में डाला जाए. उन्होंने कहा कि बीजेपी हमेशा कहती है कि हम आरक्षण बढ़ाने का समर्थन करते हैं तो फिर समर्थन करिए.

नक्सलियों के छिपे होने की सूचना पर कार्रवाई

राजू के घर पर एनआईए ने की छापेमारी

संवाददाता । गया

गया जिले के कोच थाना क्षेत्र से कुछ महीने पहले ही प्रतिबंधित संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता प्रमोद मिश्रा गिरफ्तार किया गया था. उसके बाद से ही गया जिले में विभिन्न ठिकानों पर देश के अलग-अलग सुरक्षा एजेंसी की टीम लगातार छापेमारी कर रही है. इसी क्रम में गुरुवार को जिले के कोंच थाना क्षेत्र के कठौतिया गांव और शहर के डेल्हा थाना क्षेत्र के गौतम बुद्ध नगर मोहल्ला स्थित पूर्व जिला पार्षद सह राजद नेता राजू यादव के घर पर एनआईए के टीम ने छापेमारी की. छापेमारी के दौरान कई कागजात टीम अपने साथ लेकर गई है. हालांकि, टीम के सदस्यों ने छापेमारी के संबंध में कुछ भी बताने से इनकार किया. छापेमारी के वक्त स्थानीय डेल्हा थाना की पुलिस भी मौके पर मौजूद थी. इस संबंध में राजू यादव के बड़े भाई रंजीत यादव ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग 8 की संख्या में रहे एनआईए के अधिकारी आए. आते ही उन्होंने कहा कि घर की महिलाएं और पुरुष अलग-अलग हो जाइए. इसके बाद वे लोग घर के सभी कमरों की तलाशी लेने लगे, लेकिन तलाशी के दौरान उन्हें कुछ भी नहीं मिला.

कैमूर में भी एनआईए ने की छापेमारी : उधर, कैमूर जिले में भी एनआईए की टीम ने रेड की है. अलग-अलग जगहों पर छापेमारी हुई है. जो जानकारी सामने आ रही है उसके अनुसार बुधवार (22 नवंबर) रात से ही छापेमारी हो रही है. एनआईए के अधिकारी कई टीम बनाकर भभुआ में दो प्रिंटर्स की दुकान के साथ ही कई ठिकानों पर छापेमारी की है. एनआईए के अधिकारी और स्थानीय प्रशासन के लोग कुछ भी बताने से परहेज कर रहे हैं. खबर लिखे जाने तक लक्की प्रिंटर्स और अग्रवाल प्रिंटर्स में छापेमारी चल रही थी.

पटना में युवक-युवती को मारी गोली, मौत

पटना । पटना में गुरुवार सुबह युवक और युवती की लाश मिली है. दोनों को गोली मारकर पालीगंज अनुमंडल स्थित खीरी मोर मंदारी गांव में खेत के पास फेंक दिया गया. डबल मर्डर की खबर से इलाके में सनसनी मच गई. आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई. लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. पालीगंज अनुमंडल के डीएसपी प्रीतम कुमार ने बताया कि प्रेम-प्रसंग में हत्या की बात सामने आ रही है. घटनास्थल से दो खोखा बरामद हुआ है.

पराली जलाने पर किसानों पर मुकदमा ठीक नहीं : सुधाकर

संवाददाता । पटना

पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने एक बार फिर किसानों की समस्या को लेकर अपनी सरकार को घेरा है. उन्होंने कहा है कि जिस तरह से बिहार में पराली जलाने पर किसानों पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है, किसान क्रेडिट कार्ड रद्द किया जा रहा है. वह कहीं से भी उचित नहीं है. उन्होंने कहा कि किसानों को पराली प्रबंधन के लिए आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए. उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इसके लिए कहा है तो फिर बिहार सरकार और केंद्र सरकार मिलकर किसानों को पराली प्रबंधन के लिए आर्थिक सहायता क्यों नहीं कर रही है. उन्होंने कहा कि किसानों की हालत बिहार में बद से बदतर होती चली जा रही है. दूसरी ओर जिन राज्यों में चुनाव हो रहा है, केंद्र में बैठी हुई सरकार वहां किसानों के अनाज की कीमत भी बढ़ा रही है, लेकिन बिहार के साथ भेदभाव किया जा रहा है.

कारोबार

होनासा कंज्यूमर के शेयर में 20% उछाल

नयी दिल्ली । रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी होनासा कंज्यूमर लिमिटेड के शेयरों में बृहस्पतिवार को करीब 20 प्रतिशत का उछाल आया. होनासा कंज्यूमर लिमिटेड के पास मामाअर्थ और द डर्मा का स्वामित्व है. बीएसई पर शेयर 19.99 प्रतिशत उछलकर 422.50 रुपये पर पहुंच गया. एनएसई पर यह 19.99 प्रतिशत बढ़कर 423.75 रुपये पर रहा. कंपनी गत सात नवंबर को ही बाजार में सूचीबद्ध हुई है. होनासा कंज्यूमर लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 29.43 करोड़ रहा था.

सीएनजी की कीमतों में हुआ इजाफा

नयी दिल्ली । दिल्ली, एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई शहरों में सीएनजी की सप्लाई करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक बार फिर अपने उपभोक्ताओं को करारा झटका दिया है. कंपनी ने सीएनजी की कीमत में गुरुवार से बढ़ोतरी कर दी है. इस बढ़ोतरी की वजह से दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में इसकी कीमत में एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हो गई है. इस बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत 75.59 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है.

कच्चा तेल 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव जारी है. पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का भाव लुढ़क कर 81 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का भाव 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका हुआ है. वहीं, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है.

भारत का प्लान खाड़ी देशों को लेकर बदलता हुआ दिखाई दे रहा है

खाड़ी देशों से कच्चे तेल का आयात बढ़ा

भाषा । नयी दिल्ली

बढ़ा आयात

- दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है
- अक्टूबर में रूस की हिस्सेदारी काफी कम हो गई

दुनिया के कई देश भले ही युद्ध में लगे हैं, लेकिन भारत का व्यापार अपनी गति से चल रहा है. चाहे तेल हो या अन्य उत्पाद भारत का एक तरफ रूस से तो दूसरी तरफ अरब देशों से तेल का आयात जारी है. इस बीच भारत का तेल आयात और बढ़ा ही है. कुछ महीने पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई और सऊदी अरब के प्रमुखों से मिले थे. उसके बाद से भारत का प्लान खाड़ी देशों को लेकर बदलता हुआ दिखाई दे रहा है. कच्चे तेल के आंकड़ें जो दिखाई दिए हैं, उससे साफ जाहिर हो रहा है. आंकड़ों के अनुसार भारत का खाड़ी देशों से कच्चे तेल का इंपोर्ट 10 महीने के हाई पर है. जिसे भारत की ओर से फेस्टिव डिमांड में इजाफे के तौर पर देखा जा रहा है. पिछले महीने से तुलना करें तो यह क्रमशः 63 प्रतिशत और 53 प्रतिशत ज्यादा है.

रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी तेल के लिए छूट कम होने के बाद रिफाइनर्स ने सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से अधिक कच्चा तेल खरीदा है. अक्टूबर में भारतीय बाजार में रूस की हिस्सेदारी नौ महीने में सबसे कम हो गई है. भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है. यह आमतौर पर अपनी अधिकांश तेल जरूरतों के लिए मध्य पूर्व में उत्पादकों पर निर्भर करता है. बता दें कि यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों द्वारा मास्को से तेल खरीदना बंद करने के बाद दक्षिण एशियाई देश छूट पर बेचे जाने वाले रूसी समुद्री तेल के शीर्ष खरीदार के रूप में उभरा है. जानकारों के मुताबिक, भारत को रूस से तेल खरीदने में कोई खास फायदा नहीं हो रहा है. वहीं दूसरी ओर भारत खाड़ी देशों के साथ नजदीकी बढ़ाना चाहता है. इसकी वजह कॉरिडोर को बनाने में जी20 की बैठक में सहमति बनी हुई है.

आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने अक्टूबर में लगभग 4.7 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चे तेल का आयात किया है. यह पिछले महीने से 8.4% अधिक है. इसकी वजह त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ी हुई स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए रिफाइनर्स ने खरीदारी बढ़ा दी है. आंकड़ों के मुताबिक, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन में उत्पादकों की हिस्सेदारी को अक्टूबर में 54% तक बढ़ाने में मदद मिली, जो सितंबर में 50% थी. आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने अक्टूबर में औसतन 1.56 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी तेल का आयात किया, जो पिछले महीने से 1.2% अधिक है. इस इजाफे के बावजूद, भारत के अक्टूबर के आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी सितंबर में 35% से घटकर 33% हो गई.

रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता था : बता दें कि अप्रैल से अक्टूबर, इस वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों से लेकर मार्च तक रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता था, उसके बाद इराक और सऊदी अरब थे. आंकड़ों से पता चलता है कि रूसी तेल के अधिक खरीद से भारत के तेल आयात में स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) की हिस्सेदारी अप्रैल-अक्टूबर के दौरान सबसे अधिक हो गई. बता दें कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में एक साल से भी अधिक समय से कोई बदलाव नहीं हुआ है.

महोत्सव

गोवा में बुधवार को 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में वेब सीरीज द रेलवे मेन की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान निर्देशक शिव रवैल, अभिनेता केके मेनन, दिव्येंदु, बाबिल खान व अन्य.

सर्राफा बाजार में सुस्ती, सोने में स्थिरता

- देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में छाई सुस्ती

भाषा । नयी दिल्ली

वैश्विक बाजार की सुस्ती का असर घरेलू सर्राफा बाजार पर भी नजर आने लगा है. गुरुवार को लगातार दूसरे दिन घरेलू सर्राफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार करते रहे. देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 62,600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 62,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना 57,400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है. सोने की तरह ही चांदी भी मामूली बढ़त के साथ सपाट स्तर कारोबार कर रहा है.

दिल्ली में चांदी गुरुवार को 76,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. देश की राजधानी दिल्ली में गुरुवार को 24 कैरेट सोना बिना किसी बदलाव के 62,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता रहा, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 62,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 56,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 62,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 57,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा मुंबई में 24 कैरेट सोना 62,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 56,850 रुपये प्रति 10 ग्राम बिस्तर पर बिक रहा है.

योगदान | सेंटर फॉर डिजिटल इकोनॉमी पॉलिसी रिसर्च के अध्यक्ष जयजीत भट्टाचार्य ने बताया

विदेशी एप को दूरसंचार नेटवर्क के लिए भुगतान करें

भाषा । नयी दिल्ली

शोध संस्थान सी-डीईपी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बड़ी मात्रा में 'डेटा जेनरेट' करने वाले विदेशी ऐप को दूरसंचार नेटवर्क के निर्माण में योगदान देना चाहिए जिससे बाजार में सही संरचना तैयार की जा सकेगी. प्रौद्योगिकी उद्योग के दिग्गज एवं 'सेंटर फॉर डिजिटल इकोनॉमी पॉलिसी रिसर्च' के अध्यक्ष जयजीत भट्टाचार्य ने बताया कि वह नेट तटस्थता सिद्धांतों के पक्षधर हैं और वर्तमान में स्थिति यह है कि इंटरनेट तक पहुंच को इस तरह से लोकतांत्रिक बनाया जाए कि जो लोग इसका कम इस्तेमाल करते हैं उन पर अन्य लोगों के द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सेवा का भार न पड़े. उन्होंने कहा, अधिक 'डेटा जेनरेट' करने वाले प्रमुख एप विदेशी हैं. ये या तो अमेरिकी हैं या चीनी. मुझे लगता है नीतिगत दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित करना बहुत मायने रखता है कि वे उस नेटवर्क में योगदान करें जिसका वे इस्तेमाल कर रहे हैं. वे खुद तो अरबों डॉलर का राजस्व उत्पन्न करते हैं, जबकि नेटवर्क को ऐसी स्थिति में धकेलते हैं जहां पूंजी निवेश के कुछ और दौर के बाद भी वे वित्तीय रूप से व्यवहार्य नहीं रह पाएंगे.

राजस्व बंटवारे के मुद्दे पर दूरसंचार ऑपरेटर और इंटरनेट-आधारित एप के बीच विवाद चल रहा है. दूरसंचार ऑपरेटर मांग कर रहे हैं कि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) मंच जो बड़ी मात्रा में 'डेटा जनरेट' करते हैं, उन्हें नेटवर्क तैयार करने के लिए शुल्क का भुगतान करना चाहिए ताकि सेवाएं सुचारू व सुगम हो पाएं. हालांकि, उद्योग निकाय ने प्रस्ताव का विरोध किया है और इसे नेट तटस्थता सिद्धांतों का उल्लंघन बताया है. इस निकाय में गूगल, फेसबुक, नेटफ्लिक्स जैसे एप शामिल हैं.

भट्टाचार्य ने कहा कि दूरसंचार कंपनियां नेटवर्क तैयार करने के लिए पूंजी की व्यवस्था करने में संघर्ष करती रहती हैं लेकिन पूंजी पर उनका रिटर्न एकल अंक में होता है जो निवेशकों को खुश करने के लिए पर्याप्त नहीं है. उन्होंने कहा, दूरसंचार खिलाड़ियों को निजी क्षेत्र की संस्थाओं के रूप में नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय संसाधन के रूप में मानें. यदि हम अपनी दूरसंचार कंपनियों पर नियंत्रण खो देते हैं और वे भारतीय नहीं हैं तो इसका बहुत गहरा प्रभाव पड़ेगा. दूरसंचार और डिजिटल देश की धड़कन हैं. यदि हमारे पास दूरसंचार तथा डिजिटल बुनियादी ढांचा नहीं है, जो हमारे नियंत्रण में है तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी ठीक नहीं है. भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में मासिक वायरलेस डेटा उपयोग दिसंबर 2014 में 9.24 करोड़ जीबी से करीब 156 गुना बढ़कर दिसंबर 2022 में 14400 अरब जीबी हो गया. हालांकि, इसी अवधि में डेटा से औसत राजस्व देश में प्रति माह प्रति वायरलेस ग्राहक उपयोग करीब 5.6 गुना ही बढ़ा.

अक्टूबर में निफ्टी में शामिल शेयरों ने जमकर की कमाई

- निफ्टी के 54 प्रतिशत शेयर साल के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे, 16 ने बनाया मजबूती का रिकॉर्ड

भाषा । नयी दिल्ली

अक्टूबर का महीना निफ्टी 50 में शामिल शेयरों के लिए काफी सकारात्मक परिणामों वाला रहा है. इस महीने के दौरान निफ्टी में शामिल आधे से ज्यादा शेयरों ने पिछले 52 सप्ताह के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने में सफलता हासिल की. 42 प्रतिशत शेयर 52 सप्ताह के सर्वोच्च स्तर के काफी करीब पहुंच गए. सबसे बड़ी बात तो ये है कि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से किसी भी शेयर ने अपने 52 सप्ताह के निचले स्तर को टच नहीं किया. हालांकि एचडीएफसी बैंक और यूपीएल लिमिटेड के शेयरों में बड़ी गिरावट जरूर आई है लेकिन वे साल के सबसे निचले स्तर तक नहीं लुढ़के. निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर पिछले 52 सप्ताह के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए. इनमें भी 16 शेयरों ने अक्टूबर के महीने में ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड भी कायम किया. एक्सचेंज की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी में बताया गया है कि लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन कंपनी, एचसीएल टेक्नोलॉजी, बजाज ऑटो, सन फार्मास्यूटिकल जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयर अक्टूबर महीने के दौरान 52 सप्ताह के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए. इसी तरह सार्वजनिक उपक्रमों में भारत पेट्रोलियम, कोल इंडिया, एनटीपीसी, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन के शेयरों ने भी कामयाबी हासिल की.

चार दिनों का युद्ध विराम

नौ हजार मासूम बच्चों समेत 14 हजार से ज्यादा लोगों की मौत के बाद चार दिनों के लिए एक सीमित युद्धविराम का एलान इजराइल और हमास ने किया है. पिछले 47 दिनों से जारी युद्ध की विभीषिका की आग में पश्चिम एशिया समेत पूरे विश्व के लोगों ने थोड़ी राहत महसूस की है. बंधक 50 इजराइलियों और 150 फिलिस्तीनियों की रिहाई के लिए युद्ध को 'मानवीय आधार पर रोकने'का हुआ अस्थायी समझौता भी परोक्ष रूप से अमेरिकी कूटनीति से ही संभव हो पाया है. इस बीच विश्व जनमत के एक बड़े हिस्से के विचारों की अभिव्यक्ति के लिहाज से ब्रिक्स के मौजूदा अध्यक्ष दक्षिण अफ्रीका की पहल पर ब्रिक्स-11 देशों की हुई बैठक एक महत्त्वपूर्ण घटना रही है. ब्रिक्स-11 ने अपने साझा बयान में युद्ध रोकने के लिए दीर्घकालिक समझौते की मांग की है और यह दोहराया है कि फिलिस्तीनियों के स्वतंत्र देश की स्थापना ही इस मसले का स्थायी हल है. 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर हमला किया था, जिसमें 12 सौ लोग मारे गए. यह पचास वर्षों में किए गए सबसे भयावह हमलों में से एक था. फिलिस्तीन पर किसी भी तरह कब्जा जमाने की फिराक में लगे इजराइल के लिए यह हमला मौका लेकर आया. इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बिना समय गंवाए युद्ध का ऐलान कर दिया. 12 सौ इजराइलियों के बदले 14 हजार फिलिस्तिनियों को मारा जा चुका है. नेतन्याहू शायद इस सदी का सबसे भयावह नरसंहार अपने नाम करवाने में सफल हो गए होंगे. नरसंहार की दौड़ में फिलहाल नेतन्याहू सबसे आगे हैं. हिटलर के बाद शायद अब नेतन्याहू की ही मिसालें दी जाएंगी कि किस तरह मासूम लोगों को नफरत का शिकार बनाया गया. फिलहाल अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच इजराइल की कैबिनेट ने 50 बंधकों की रिहाई को सुरक्षित करने के लिए हमास के साथ युद्ध विराम के समझौते को मंजूरी दे दी है. इसके तहत लड़ाई में चार दिन के विराम के दौरान बंधक रिहा किए जाएंगे. यह भी कहा गया है कि अतिरिक्त दस बंधकों की रिहाई पर युद्ध विराम को एक और दिन के लिए बढ़ाया जाएगा. हालांकि खबर यह भी है कि कैबिनेट की बैठक से पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि बंधकों की रिहाई के लिए समझौता होने के बावजूद हमास के साथ युद्ध जारी रहेगा. अगर युद्ध रुका रहा तो यह बहुत बड़ी राहत होगी. इस समझौते के बाद हमास ने बताया है कि इजराइली बंधकों के बदले इजराइल की जेलों से 150 फ़िलिस्तीनियों को रिहा किया जाएगा. क्या इजराइल वाकई ऐसा करेगा, ये देखना होगा. इस समझौते के तहत राहत सामग्री और दवाइयां लेकर आने वाले सैकड़ों ट्रकों को ग़ाज़ा में दाख़िल होने की अनुमति दी जाएगी. गौरतलब है कि ईंधन, भोजन, पानी और दवाओं के अभाव में गाज़ा एक बड़े कब्रिस्तान में बदलता जा रहा है.

> 12 सौ इजराइलियों के बदले 14 हजार फिलिस्तिनियों को मारा जा चुका है. नेतन्याहू शायद इस सदी का सबसे भयावह नरसंहार अपने नाम करवाने में सफल हो गए होंगे. नरसंहार की दौड़ में फिलहाल नेतन्याहू सबसे आगे हैं.

सुभाषित

असूयैकपदं मृत्युः अतिवादः श्रियो वधः।
अशुश्रुषा त्वरा श्लाघा विद्याः शत्रुवस्त्रयः॥

विद्यार्थी के संबंध में द्वेष मृत्यु के समान है. अनावश्यक बातें करने से धन का नाश होता है. सेवा करने की मनोवृत्ति का अभाव, जल्दबाजी तथा स्वयं की प्रशंसा स्वयं करना यह तीन बातें विद्या ग्रहण करने के शत्रु हैं. इसलिए इन बातों से विद्यार्थी को अवश्य ही बचना चाहिए.

निजी क्षेत्र में भी आरक्षण हो तो बात बने

राजनीतिक दल कोई भी हो, आज के बाजार का विरोध कदापि नहीं कर सकता और कोई भी आरक्षण की भी मुखालफत की हिम्मत नहीं कर सकता, लेकिन यह भी सच है कि कोई भी नेता इस सामाजिक न्याय की राजनीति की सीमाओं को भी स्वीकार नहीं कर सकता. ऐसे में निजी क्षेत्र में आरक्षण के बगैर आखिर नौकरियां आएंगी कहां से, पहले इस यक्ष प्रश्न से पार पाना होगा.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

बिहार में हाल में ही संपन्न जाति सर्वेक्षण ने सामाजिक न्याय की राजनीति में नई जान फूंक दी है. कांग्रेस- भाजपा समेत सभी राजनीतिक पार्टियां सबसे पिछड़े और हाशिए पर खड़े सामाजिक समुदायों में बहुत रुचि दिखा रहे हैं. हाल के पांच राज्यों के चुनाव प्रचार, खासतौर पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान हुए कैंपेन ने साफ किया है कि सामाजिक न्याय को लेकर बहुमुखी विचार भविष्य की राजनीतिक दिशा को तय करेंगे. हालांकि, इस नए सिरे से जीवंत हुई सामाजिक न्याय की राजनीति का दायरा अभी भी बहुत सीमित है. राजनीतिक लोग केवल चुनावी जुमलों में सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और जातिगत भेदभाव की समस्या को उठा रहे हैं. इसका नतीजा ये है कि सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरियों और शिक्षा में बढ़े हुए आरक्षण को सामाजिक असमानता को दूर करने का एक अहम और कारगर कदम के तौर पर दिखाया जा रहा है. साथ ही साथ, समाज के तमाम पिछड़ों तबकों को आकर्षित करने के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाओं की भी पेशकश की जा रही है. इन राजनीति से प्रेरित उपायों को सामाजिक न्याय के नाम पर वैधता दी जा रही है. देश में बढ़ती सामाजिक और आर्थिक असमानता पर सार्थक चर्चा के लिए सामाजिक न्याय के इस सीमित और चुनाव-केंद्रित अर्थ पर सवाल कोई नहीं उठा रहा है. विशेष रूप से सामाजिक न्याय के दो महत्वपूर्ण पहलुओं की तत्काल जांच करने की जरूरत है, जो बिहार के जाति सर्वे डेटा में सामने आए हैं- जाति-आधारित सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन का स्तर और समकालीन भारत में इकनॉमिक पावर स्ट्रक्चर की प्रकृति.

यहां यह बताना जरूरी है कि बिहार जाति सर्वेक्षण डेटा को किसी भी व्यापक सामान्यीकरण के लिए अतिरंजित नहीं किया जाना चाहिए. यह डेटा राज्य-केंद्रित है और इसे किसी प्रकार का प्रतिनिधि नमूना नहीं माना जाना चाहिए. हालांकि, बिहार सरकार की तरफ से यह आधिकारिक हस्तक्षेप एक व्यापक पैटर्न को समझने के लिए महत्वपूर्ण है. मौजूदा आंकड़ों से पता चलता है कि जाति और वर्ग के बीच एक दिलचस्प ओवरलैप है. हालांकि सभी सामाजिक समूहों में गरीब परिवार (जिनकी मासिक आय 6,000 रुपए से कम है) हैं, लेकिन समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग) में गरीबी अत्यधिक है. उदाहरण के लिए, सामान्य श्रेणी (कथित ऊंची जातियां पढ़ें) के लगभग 25% परिवार गरीब हैं. सभी मानकों के अनुसार, यह आंकड़ा चिंताजनक है. हालांकि, एससी वर्ग में गरीबी का स्तर कहीं अधिक परेशान करने वाला है. आंकड़ों से पता चलता है कि 42% से अधिक एससी परिवार हैं, जो एक महीने में 6,000 रुपए से कम कमाते हैं. यह तुलनात्मक तस्वीर स्पष्ट रूप से एक मूलभूत तथ्य को रेखांकित करता है कि जाति न केवल एक सामाजिक श्रेणी है. यह भारतीय संदर्भ में किसी व्यक्ति/परिवार की समग्र सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन को भी निर्धारित करती है.

सार्वजनिक क्षेत्र के रोजगार और राज्य-प्रशासित शैक्षणिक संस्थानों में जाति-आधारित आरक्षण का विस्तार, इस परिदृश्य में बिल्कुल सही समझ में आता है. हालांकि, यह सरल फॉर्मूलेशन समकालीन आर्थिक जीवन की सही तस्वीर पेश नहीं करता. यही वजह है कि स्थापित असमानताओं से निपटने के लिए एक संभावित रास्ते के रूप में विस्तारित आरक्षण का गंभीर रूप से मूल्यांकन करने की जरूरत है. बता दें कि1990 के दशक का आर्थिक उदारीकरण एक निर्णायक क्षण था, जिसका दूरगामी प्रभाव पड़ा. राज्य ने देश के लिए सबसे पसंदीदा आर्थिक व्यवस्था के रूप में खुले बाजारों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक राजनीतिक मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका को फिर से परिभाषित किया.

सार्वजनिक जीवन की इस बाजार-उन्मुख कल्पना को धीरे-धीरे समूचे राजनीतिक वर्ग ने स्वीकार कर लिया, जिसमें वाम पार्टियां भी शामिल हैं. नतीजतन, सार्वजनिक क्षेत्र का रोजगार कम होने लगा, जबकि निजी क्षेत्र एक शक्तिशाली आर्थिक इकाई के रूप में उभरा. आर्थिक जीवन के इस आमूल-चूल पुनर्गठन ने एक गंभीर चुनौती पेश की. राज्य को मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था और भारतीय समाज के गरीब और हाशिए पर खड़े वर्गों की आकांक्षाओं के बीच संतुलन बनाना था, जो नहीं बन पाया. समाज के वंचित तबकों से जुड़े एफरमेटिव ऐक्शन यानी सकारात्मक कार्रवाई की नीतियों को राजनीतिक परोपकार के एक रूप के रूप में पेश किया गया था. उसी समय, राज्य ने क्रमिक और व्यापक निजीकरण के लिए एक आक्रामक नीति पर बढ़ना जारी रखा. इस कारण से भारत में समकालीन राज्य को एक चैरिटेबल स्टेट के रूप में कहा जा सकता है. एक प्रतिबद्ध प्रो-मार्केट राज्य, जो घटते सार्वजनिक क्षेत्र के दायरे में अल्पकालिक और रेडी-टू-यूज चुनावी तंत्र के रूप में सकारात्मक कार्रवाई को मान्यता देता है.

समान अवसर आयोग : क्या, क्यों और कैसे? (2008) यहां बहुत प्रासंगिक है. सामाजिक न्याय हासिल करने के लिए समान अवसर ढांचे के दायरे का विस्तार करने की जरूरत पर जोर देते हुए, रिपोर्ट में तर्क दिया गया है कि पिछले दो दशकों में देश की अर्थव्यवस्था में हुए बदलावों का मतलब है कि अधिकांश उभरते और आकर्षक अवसर निजी क्षेत्र में हैं, जो अब तक सकारात्मक कार्रवाई के दायरे से बाहर रहे हैं. समिति इस तरह सुझाव देती है कि ईओसी के क्षेत्र में ... सार्वजनिक उद्यम ... और निजी उद्यम शामिल होने चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | अज्ञात

भगवान से मिलन

एक 6 साल का छोटा सा बच्चा अक्सर भगवान से मिलने की जिद किया करता था. उसे भगवान् के बारे में कुछ भी पता नही था, पर मिलने की तमन्ना, भरपूर थी, उसकी चाहत थी कि एक समय की रोटी वह भगवान के साथ बैठकर खायें. एक दिन उसने एक थैले में 5, 6 रोटिया रखीं और भगवान् को को ढूंढने के लिये निकल पड़ा. चलते-चलते वह बहुत दूर निकल आया, संध्या का समय हो गया. उसने देखा एक नदी के तट पर एक बुजुर्ग माता बैठी हुई हैं, जिनकी आंखों में बहुत ही गजब की चमक थी, प्यार था, किसी की तलाश थी और ऐसा लग रहा था जैसे उसी के इन्तजार में वहां बैठी उसका रास्ता देख रही हों. वह मासूम बालक बुजुर्ग माता के पास जा कर बैठ गया, अपने थैले में से रोटी निकाली और खाने लग गया. फिर उसे कुछ याद आया तो उसने अपना रोटी वाला हाथ बूढी माता की ओर बढ़ाया और मुस्कुरा कर देखने लगा, बूढी माता ने रोटी ले ली, माता के झुर्रियों वाले चेहरे पर अजीब सी खुशी आ गई, आंखों में खुशी के आंसू भी थे. बच्चा माता को देखे जा रहा था, जब माता ने रोटी खा ली तो बच्चे ने एक और रोटी माता को दे दी. माता अब बहुत खुश थी. बच्चा भी बहुत खुश था. दोनों ने आपस में बहुत प्यार और स्नेह के पल बिताये. जब रात घिरने लगी तो बच्चा इजाजत लेकर घर की ओर चलने लगा और जब भी वह बार- बार पीछे मुडकर देखता! तो पाता बुजुर्ग माता उसी की ओर देख रही होती हैं. बच्चा घर पहुंचा तो मां ने अपने बेटे को आया देखकर जोर से गले से लगा लिया और चूमने लगी, बच्चा बहुत खुश था. मां ने अपने बच्चे को इतना खुश पहली बार देखा तो खुशी का कारण पूछा, तो बच्चे ने बताया, "मां ! आज मैंने भगवान के साथ बैठकर रोटी खाई, आपको पता है मां उन्होंने भी मेरी रोटी खाई, पर मां भगवान् बहुत बूढ़े हो गये हैं, मैं आज बहुत खुश हूं मां." उधर बुजुर्ग माता भी जब अपने घर पहुंचीं तो गांव वालों ने देखा माता जी बहुत खुश हैं, तो किसी ने उनके इतने खुश होने का कारण पूछा? माता जी बोलीं, "मैं दो दिन से नदी के तट पर अकेली भूखी बैठी थी, मुझे विश्वास था भगवान आएंगे और मुझे खाना खिलाएंगे.

फिलिस्तीन युद्ध के बाद बदतर होते हालात

• देशांतर

राम पुनियानी

सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के बर्बर हमले के बाद से यहूदीवादी इजराइल ने फिलिस्तीनी अस्पतालों, शरणार्थी शिविरों और अन्य नागरिक ठिकानों पर क्रूर हवाई आक्रमण किए. इन हमलों को 'मानवता के विरुद्ध अपराध' बताया जा रहा है. इन हमलों में अब तक 10,000 से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं. हमारे भारत ने इजराइल के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करने में ज़रा सी भी देरी नहीं की. अमेरिका, इंग्लैंड और अन्य कई पश्चिमी देशों के शीर्ष नेता तेल अवीव पहुंचे और उन्होंने इन हमलों को सही ठहराया. भारत में सोशल मीडिया हमास पर बरस रहा है और इजराइल को पीड़ित के रूप में प्रस्तुत कर रहा है. सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से सोशल मीडिया पर इस्लामोफोबिक टिप्पणियों की बहार है. भाजपा के आईटी सेल का इसमें महत्वपूर्ण योगदान है. फिलिस्तीन के पक्ष को इस्लामवादी कहा जा रहा है और हमें यह बताया जा रहा है कि हमें इजराइल का समर्थन करना चाहिए. देश में पहले से ही इस्लामोफोबिया का बोलबाला था और गाजा के लोगों पर इजराइल के हमले को उचित ठहरा कर इसे और बढ़ावा दिया जा रहा है. ऐसा लगता है कि युद्ध की शुरुआत के बाद से ही इस्लामोफोबिक पोस्टों के मामले में भारत दुनिया में सबसे आगे रहा आया है. हमास और फिलिस्तीन को एक बतलाने और हमास को एक आतंकी, जिहादी संगठन के रूप में प्रस्तुत करने का आख्यान, आईआईटी, मुंबई जैसी प्रतिष्ठित संस्था में भी जारी है. नोएम चोमोस्की लिखते हैं, "गाजा में एक बुजुर्ग प्लेकार्ड लिए खड़े थे, जिस पर लिखा, "तुम मेरा पानी ले लोगे, तुम मेरे जैतून के पेड़ जला दोगे, तुम मेरा घर तोड़ दोगे, मेरा काम छीन लोगे, मेरी ज़मीन चुरा लोगे, मेरे पिता को जेल में डाल दोगे, मेरी मां की जान ले लोगे, मेरे देश पर बम बरसाओगे, हम सबको भूखा मारोगे, हम सबका अपमान करोगे, मगर अगर हम एक राकेट दाग दें तो हम दोषी हो जाते हैं." गाजा की नाकाबंदी 16 साल से जारी है. वेस्ट बैंक और गाजा पर कब्ज़ा 56 साल से जारी है और फिलिस्तीन के लोगों की उनकी घरों और ज़मीनों से बेदखली 1948 में नस्लीय श्रेष्ठतावादी इजराइल की स्थापना के समय से ही चल रही है.फिलिस्तीनियों का प्रतिरोध कई चरणों से गुज़र चुका है. लैला खालिद के नेतृत्व वाले एक संगठन ने 14 लाख फिलिस्तीनियों को शरणार्थी बना दिए जाने के बाद हुए 1972 के म्युनिख ओलंपिक खेलों में इजराइली खिलाड़ियों की हत्या कर दी थी. इस समस्या के सुलझाव के लिए पीएलओ के यासेर अराफात ने जो प्रयास किये, उनका असफल होना तय था, क्योंकि पश्चिमी देशों ने फिलिस्तीनियों पर कई अपमानजनक शर्तें लाद दी थीं. इजराइल ने गाजा को खुला जेल बना दिया है. ऐसे में इजराइल का प्रजातान्त्रिक प्रतिरोध भला कैसे संभव है? हां, निश्चित रूप से हमास इसका माध्यम नहीं हो सकता. इजराइल ने इस क्षेत्र में शांति और न्याय की स्थापना के लिए पारित किये गए संयुक्त राष्ट्रसंघ के लगभग सभी प्रस्तावों का उल्लंघन किया है. इजराइल आक्रामक ढंग से हमलावर रहा है और अब उसकी नज़र गाजा की पेट्रोलियम संपदा पर है. गाजा के तट से थोड़ी ही दूर स्थित इस खजाने का कुल मूल्य करीब 64 अरब डॉलर है. इजराइल ने अमेरिका और यूरोपीय कंपनियों के साथ इसके दोहन के लिए समझौते कर लिए हैं और अब वह पेट्रोलियम का निर्यातक बनना चाहता है. महमूद ममदानी ने अपनी पुस्तक 'गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम' (ओरिएंट लॉन्गमैन, 2003) में सीआईए के दस्तावेजों के हवाले से बताया है कि अमेरिका ने मुजाहीदीन-अलकायदा के लड़ाकों को प्रशिक्षित करने पर करीब 800 करोड़ डॉलर खर्च किये और उन्हें 7,000 टन हथियार उपलब्ध करवाए और यह भी कि इसका अंतिम नतीजा क्या हुआ. 9/11 के बाद, अमेरिकी मीडिया ने 'इस्लामिक आतंकवाद' शब्द गढ़ा. अमेरिका के प्रचार तंत्र ने इस्लामोफोबिया को जम कर हवा दी और पूरी दुनिया का मीडिया इसकी गिरफ्त में आ गया. भारत में पहले से ही मुसलमानों के प्रति बैरभाव था. इसका ही नतीजा है कि अगर किसी अकादमिक संस्था में आमंत्रित वक्ता इजराइल के निर्माण के इतिहास, उसके द्वारा फिलिस्तीन की भूमि पर कब्ज़े और उस क्षेत्र के कच्चे तेल के संसाधनों पर कब्ज़ा करने की इजराइल की लिप्सा की बात करता है तो उसे आतंकवाद को बढ़ावा देना बताया जाता है.

> नोएम चोमोस्की लिखते हैं, "गाजा में एक बुजुर्ग प्लेकार्ड लिए खड़े थे, जिस पर लिखा, "तुम मेरा पानी ले लोगे, तुम मेरे जैतून के पेड़ जला दोगे, तुम मेरा घर तोड़ दोगे, मेरा काम छीन लोगे, मेरी ज़मीन चुरा लोगे, मेरे पिता को जेल में डाल दोगे, मेरी मां की जान ले लोगे, मेरे देश पर बम बरसाओगे, हम सबको भूखा मारोगे, हम सबका अपमान करोगे.

मणिपुर पर म्यांमार के गृहयुद्ध का असर

• सामयिकी

दिनकर कुमार

फरवरी 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद से म्यांमार में गृह युद्ध से भागकर लगभग 40 हजार चिन लोग दो पूर्वोत्तर राज्यों-मिजोरम और मणिपुर में चले गए हैं. उनमें से 35 हजार से अधिक लोग मिजोरम में हैं. भारत-म्यांमार अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब चिन डिफेंस फोर्स और म्यांमार सेना के गुरिल्लाओं के बीच भीषण लड़ाई के बीच 12 नवंबर की रात से लगभग 2 हजार शरणार्थियों के मिजोरम के चम्फाई में घुसने का अनुमान है. लड़ाई के केंद्र म्यांमार के रिखावदार शहर से केवल कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित भारतीय सीमावर्ती शहर ज़ोखावथर सीमा पार घुसपैठ के केंद्र के रूप में उभरा है. दोनों शहर केवल तियाउ नदी द्वारा अलग किए गए हैं. मणिपुर के डीजीपी अनिल शुक्ला ने पुष्टि की है कि एक शरणार्थी की मौत हो गई, जबकि लगभग 20 म्यांमार नागरिकों को मिजोरम के अस्पताल में भर्ती कराया गया. उन्होंने कहा, "ये वे लोग हैं, जो म्यांमार में घायल हो गए हैं और यहां इलाज कराने के लिए सीमा पार कर आए हैं." 13 नवंबर की शाम तक 20 घायलों को चम्फाई जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और अन्य आठ को आइजोल के अस्पतालों में रेफर किया गया. स्थानीय शरणार्थी राहत समिति के अध्यक्ष रॉबर्ट ज़ोरेमटलुआगा ने बताया कि इस क्षेत्र में करीब 2 हजार शरणार्थी आए हैं. उन्होंने कहा कि "दो गांवों रिखवदार और ख्वामामी से हर कोई भारतीय सीमा में आया है. इसलिए लोगों की आवाजाही फिलहाल रुक गई है. भारतीय क्षेत्र में जो तीन लोग घायल हुए हैं, वे वो लोग हैं जो पहले ज़ोखावथर पार कर गए थे. इनमें से एक की मौत हो चुकी है. वह पिछले साल से भारतीय सीमा में रह रहे थे." मृतक की पहचान ख्वामावी के 51 वर्षीय कंगसियानमाविया के रूप में की गई है. यंग मिज़ो एसोसिएशन के चम्फाई अध्यक्ष मामुआना फनाई ने कहा, "2021 के बाद से म्यांमार में स्थिति खराब होने पर लोगों का आश्रय के लिए यहां आना आम हो गया है. स्थिति बेहतर होने पर वे आमतौर पर वापस चले जाते हैं. जो लोग सीमा के करीब रहते हैं वे रात यहीं रुकते हैं और दिन के समय वे अपने स्थान पर लौट जाते हैं." भारत ने 17 नवंबर को भारत-म्यांमार सीमा के पास म्यांमार की सेना और जुंटा विरोधी समूहों के बीच लड़ाई बंद करने का आह्वान किया, जिसकी वजह से मिजोरम में म्यांमार के शरणार्थियों की आमद बढ़ गई है. पिछले कुछ हफ्तों में भारत के साथ सीमा के पास कई प्रमुख शहरों और क्षेत्रों में म्यांमार के जुंटा विरोधी समूहों और सरकारी बलों के बीच शत्रुता बढ़ रही है, जिससे संभावित प्रभाव के बारे में भारतीय सैन्य प्रतिष्ठान में चिंताएं बढ़ गई हैं. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भारत-म्यांमार सीमा के करीब हिंसा की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की. उन्होंने कहा, "लड़ाई के परिणामस्वरूप भारत-म्यांमार सीमा पर मिजोरम में ज़ौखथार के सामने चिन राज्य के रिहखावदार क्षेत्र में म्यांमार के नागरिकों की भारतीय सीमा में आवाजाही हुई है." उन्होंने कहा, "हम अपनी सीमा के नजदीक ऐसी घटनाओं से बेहद चिंतित हैं. म्यांमार में मौजूदा स्थिति पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है- हम हिंसा की समाप्ति और रचनात्मक बातचीत के माध्यम से स्थिति का समाधान चाहते हैं." उन्होंने कहा कि भारत म्यांमार में शांति और स्थिरता की वापसी के पक्ष में है. बागची ने कहा, "हम म्यांमार में शांति, स्थिरता और लोकतंत्र की वापसी के लिए अपना आह्वान दोहराते हैं. 2021 में म्यांमार में मौजूदा संघर्ष शुरू होने के बाद से बड़ी संख्या में म्यांमार के नागरिक भारत में शरण ले रहे हैं." उन्होंने कहा कि "संबंधित पड़ोसी राज्यों में स्थानीय अधिकारी मानवीय आधार पर स्थिति को उचित रूप से संभाल रहे हैं. हम उन लोगों की वापसी की भी सुविधा दे रहे हैं, जो म्यांमार वापस जाना चाहते हैं." फरवरी 2021 में सेना द्वारा तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा करने के बाद से म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं.राज्य के छह जिले- चम्फाई, सियाहा, लांग्टलाई, सेरछिप, हनाथियाल और सैतुअल- म्यांमार के चिन राज्य के साथ 510 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं. पड़ोसी देश से पहली आमद फरवरी 2021 में हुई, जब जुंटा ने सत्ता पर कब्ज़ा कर लिया. तब से म्यांमार के हजारों लोगों ने पूर्वोत्तर राज्य में शरण ली है.राज्य के गृह विभाग के अनुसार, वर्तमान में 31,364 म्यांमार नागरिक राज्य के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं.

> यंग मिज़ो एसोसिएशन के चम्फाई अध्यक्ष मामुआना फनाई ने कहा, "2021 के बाद से म्यांमार में स्थिति खराब होने पर लोगों का आश्रय के लिए यहां आना आम हो गया है. स्थिति बेहतर होने पर वे आमतौर पर वापस चले जाते हैं. जो लोग सीमा के करीब रहते हैं वे रात यहीं रुकते हैं और दिन के समय वे अपने स्थान पर लौट जाते हैं."

मीडिया में अन्यत्र

असमान आर्थिक वृद्धि के खतरे

संपदा का एक स्थान पर केंद्रीकृत होना तथा असमानता में बढ़ोतरी होना आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकते हैं. यहां तक कि देश की मजबूत आर्थिक वृद्धि के प्रदर्शन के दौर में भी यह जारी रह सकता है. आंकड़े बताते हैं कि महामारी के बाद की सुधार प्रक्रिया में असमानता बढ़ी है. आय के निचले स्तर पर मांग में कमजोर सुधार, मेहनताने में कमी और रोजगार के कुल हालात को देखते हुए लग रहा है कि आर्थिक सुधार असंतुलित है. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, भारतीय रिजर्व बैंक तथा अन्य स्रोतों से आने वाले आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण भारत अभी भी मुश्किल दौर से जूझ रहा है, जबकि कॉर्पोरेट और शहरी भारत के एक हिस्से की स्थिति बेहतर है. उदाहरण के लिए सांख्यिकी कार्यालय का आंकड़ा दिखाता है कि जनवरी 2022 से अक्टूबर 2023 के बीच ग्रामीण खुदरा मुद्रास्फीति दर 22 में से 18 महीनों तक शहरों की तुलना में अधिक रही. निरंतर उच्च मुद्रास्फीति मोटे तौर पर खाद्य कीमतों, मॉनसून और कम उत्पादन से प्रभावित रही और यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाल सकती है तथा समग्र मांग को प्रभावित कर सकती है. औसतन कमजोर मेहनताना और राज्यों के बीच में असमानता ग्रामीण भारत की चिंताओं में इजाफा कर रहा है. रिजर्व बैंक की हैंडबुक ऑफ स्टैटिस्टिक्स ऑन इंडियन स्टेट्स 2023 के अनुसार देश के कृषि श्रमिकों की औसत दैनिक आय 2022-23 में 345.7 रुपये थी. यह सालाना आधार पर सात फीसदी अधिक है. यह समग्र मुद्रास्फीति दर से थोड़ा अधिक है. मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में ग्रामीण इलाके में मेहनताना देश में सबसे कम गति से बढ़ा. ऐसा कृषि और गैर कृषि दोनों क्षेत्रों में हुआ.ग्रामीण अर्थव्यवस्था रोजगार के पर्याप्त अवसर तैयार करने में नाकाम रही है. जैसा कि इस समाचार पत्र ने हाल ही में प्रकाशित भी किया था, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत रोजगार की मांग अक्टूबर के अंत तक पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10 फीसदी बढ़ी. एक अनुमान के मुताबिक योजना के तहत सक्रिय परिवारों को केवल 50 दिनों का रोजगार मुहैया कराने में 1.5 लाख करोड़ रुपये की राशि लगेगी, जबकि बजट आवंटन केवल 60,000 करोड़ रुपये का है. रोजगार की स्थिति को स्वरोजगार में इजाफे में भी महसूस किया जा सकता है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उन्नति/प्रगति

अगर नकल के लिए अकल हो भी जाये तो यह याद रखना चाहिए कि नकल के बल पर असली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उन्नति नहीं हो सकती. सभी नागरिकों की ईमानदारी और मेहनत की बदौलत ही कोई राष्ट्र प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है. इन नीति वाक्यों में हमारे सामने दो शब्द आते हैं-उन्नति और प्रगति. आशय के दृष्टिकोण से दोनों शब्द एक ही लगते हैं, लेकिन जब वाक्यों में इनका प्रयोग होता है तो इनके बीच का सूक्ष्म अंतर झलकने लगता है. दोनों के बीच क्या अंतर है? इस सवाल के जवाब के लिए हमें इनके तह तक जाना होगा. दोनों शब्द संस्कृत मूल के तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग हैं. उन्नति का अर्थ है उन्नत होने की अवस्था, उत्थान, विकास, प्रगति और पुराणों के अनुसार गरुड़ देव की पत्नी. यह शब्द उन्नत शब्द से बनता है, जिसका मतलब है उच्च, उठा हुआ, विद्या, कला में आगे बढ़ा हुआ, श्रेष्ठ, सभ्य, उठान, ऊंचाई. इसी प्रकार प्रगति का अर्थ है निरंतर विकसित अथवा उन्नत होने का भाव. दोनों शब्दों से तात्पर्य आगे की ओर बढ़ना, वृद्धि, समृद्धि, तरक्की, विकास, ऊंचाई, उत्थान, अभिवृद्धि, अभ्युदय, उन्नयन, उत्कर्ष, चढ़ाव, बढ़ोतरी, समुन्नति, अभ्युत्थान, उच्चता आदि से है. जहां तक अंतर की बात है तो दोनों के वर्णविन्यास अलग-अलग हैं और वाक्य प्रयोग द्वारा भाव को अलग महसूस किया जा सकता है. उन्नति से जहां ऊंचाइयों के शिखर का आभास होता है, वहीं प्रगति शब्द आगे बढ़ने का भाव बताता है. कोई उन्नति कर गया तो यही भाव प्रकट होता है कि वह उत्कर्ष तक पहुंच गया, लेकिन प्रगति का भाव इस रूप में सामने आता है कि वह उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होता जा रहा है. यानी प्रगति किसी के विकास पथ पर आगे बढ़ने का भाव महसूस कराता है, क्योंकि प्रगति शब्द 'गति' शब्द में 'प्र' उपसर्ग लगने से बना है और गति का अर्थ है चलना, चलते जाना.

झोली, बोली और गोली के कमाल

• तीर-तुक्का

एसके पाण्डेय

झोली, बोली और गोली की वजह से देश व समाज तबाह है. बहुत सी समस्याएं इन्हीं के कारण उत्पन्न होती हैं. इन पर नियंत्रण हो जाए तो अधिकांश समस्याएं अपने आप नौ दो ग्यारह हो जाएं. लेकिन इन पर नियंत्रण हो पाना बहुत ही मुश्किल है. खैर जितना अपने वश की बात हो उतना ही करना चाहिए. नहीं तो लेने के देने भी पड़ सकते हैं. वैसे लेना-देना तो लगा ही रहता है. कम से कम लेना तो चलता ही रहता है. रही बात देने की तो लोग इसकी आदत कम डालते हैं. क्योंकि देने का अभ्यास न हो तो ज्यादा आसानी रहती हैं. कहते हैं कि लेने से अच्छा और देने से बुरा कुछ भी नहीं होता. सच है कि बूँद-बूँद से गागर भरता है. देने से झोली खाली होती है. और लेने से भरती है. अतः लोग ले-लेकर झोली भरते रहते हैं. यदि झोली भरना हो तो किसका, कैसे, कितना, ऐसे-वैसे आदि का विचार छोड़कर जैसे-तैसे और जितना हो सके उतना माल इकट्ठा करना ही पड़ेगा. हमारे पूर्वज कहते थे कि मीठा बोलो. जब भी मुंह खोलो मीठा-मीठा बोलो. लेकिन आजकल लोग मीठा खाते तो बहुत हैं. और बोलते भी बहुत हैं, मगर मीठा नहीं बोलते. जिह्वा पर मिठाई का असर ही नहीं होता और शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे आदि इसका भरपूर फायदा उठाते हैं. बदले में लोग भारी हो जाते हैं. फूल जाते हैं. बाद में पता चलता है कि मधुमेह हो गया है. कुछ लोगों को तो ताज्जुब होता है कि मधु को तो हमने हाथ भी नहीं लगाया, तब ऐसा कैसे हो गया ? हाथ आये तब तो लगाएं. देखने को भी नहीं मिलता और शरीर में मधुमेह हो जाता है. खैर ऐसी बोली बोलते हैं कि लोग अपना आपा खो बैठते हैं. न अपने को शीतलता मिलती है और न ही दूसरों को. मार-पीट की भी स्थिति उत्पन्न हो जाती है. बोली से भी गोली चलने की नौबत आ जाती है. कोई किसी को बोली बोलता है तो कोई किसी को बोली मारता है. सास की बोली बहू को और बहू की बोली सास को गोली की तरह लगती है. और गोली लगने पर क्या होता है, यह तो जग जाहिर है. इसी तरह बाप-बेटे, पड़ोसी, नाते-रिश्तेदार व अन्य सगे सम्बन्धी भी एक दूसरे की बोली से ऐसा परेशान होते रहते हैं कि होली पर भी नहीं मिलते. बस एक दूसरे को देख कर जलते हैं. कहते हैं कि जलना हो तो दिए की तरह जलो अन्यथा न जलो. दिए की तरह लोग जलने लगें तो होली न ही सही कम से कम रोज दिवाली सा महसूस हो. परन्तु दिए की तरह जलने पर बुझने का खतरा ज्यादा रहता है. इसलिए ही लोग एक दूसरे को देख कर सुलगते रहते हैं.

धर्म अध्यात्म

हमारी प्राचीन मान्यता रही है कि अवश्यमेव भोक्तव्यं कर्म कृतं शुभाशुभम'' अर्थात व्यक्ति को अपने किए हुए शुभ और अशुभ सभी कर्मों का फल अवश्य ही भोगना पड़ा है. कर्म का प्रभाव जन्म-जन्मान्तर से सम्बद्ध है और कोई भी व्यक्ति कर्म-फल के प्रभाव से बच नहीं सकता.

कर्म प्रधान विश्व रचि राखा

हिमकर श्याम

भारतीय जीवन दर्शन में कर्म के सिद्धांत का व्यापक उल्लेख मिलता है. धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य को किए हुए शुभ या अशुभ कर्मों का फल अवश्य भोगना पड़ता है. रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है–"कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहि सो तस फल चाखा." अर्थात् इस संसार को कर्म प्रधान रूप में रचा गया है. यहां पर जो जैसा करेगा वैसा फल पाएगा. तुलसीदास यह भी लिखते हैं कि, 'करई जो करम पाव फल सोई.' यानी जो कर्म करता है, वही फल पाता है. कर्मानुसार ही मनुष्य को सुख-दुख, मृत्यु-मोक्ष आदि प्राप्त होते हैं.

धर्म ग्रंथों में चर्चा

कर्म के विचार का आरम्भ वेदों से होता है जिसे उपनिषदों में सिद्धान्त का रूप दिया गया और बाद में महाभारत, गीता तथा स्मृतियों में अनेक घटनाओं के उदाहरणों द्वारा इसकी पुष्टि की गयी. कर्म करना मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है. हम मनसा, वाचा, कर्मणा जो कुछ भी करते हैं, वह कर्म है. कर्म के सिद्धान्त की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या वेदों में की गई है. उपनिषद् वेदों के दार्शनिक विवेचन करने वाले ग्रंथ हैं. वेदों का अंतिम भाग होने के कारण वेदांत भी कहा जाता है. उपनिषदों में कर्म का अर्थ क्रिया है. इनमें कर्म की गति का सविस्तार वर्णन है. ईशावास्योपनिषद में कहा गया है कि "कर्माणि जिजीविषेत् शतं समा:" यानी शास्त्रनियत कर्म करते हुए सौ वर्ष तक जीने की इच्छा करनी चाहिए. यही कर्म की प्रधानता और कर्म का महत्व है. त्याग भाव से किया गया कर्म बंधन का कारण नहीं होता. बृहदारण्यक उपनिषद में कहा गया है कि मृत्यु के पश्चात् आत्मा शरीर को त्याग देता है लेकिन व्यक्ति द्वारा किये कर्मों का संचित फल आत्मा को प्रभावित किए रहता है. गीता में कहा गया है – "नहि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत। कार्यते ह्यवश: कर्म सर्व: प्रकृतिजैर्गुणै: ।।" अर्थात कोई भी मनुष्य किसी भी काल में क्षणमात्र भी बिना कर्म किए नहीं रह सकता, क्योंकि सभी मानव प्रकृति जनित गुणों के कारण कर्म करने के लिए बाध्य होते हैं. गीता में यह भी कहा गया है– " कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" यानी 'हे मानव तू कर्म कर, पर फल की इच्छा ना कर. गीता के अन्तर्गत कर्म के सिद्धान्त को सबसे अधिक विशद और वैज्ञानिक आधार पर प्रस्तुत किया गया है. गीता में भगवान कृष्ण निरन्तर कर्म करने की शिक्षा देते हैं. निष्क्रिय किंकर्तव्यविमूढ़ अर्जुन के अंदर कर्म का उत्साह भरने के लिए ही गीता की रचना की गई थी.

कर्मयोग और गीता

कर्मयोग गीता का प्रधान विषय है. कर्मयोग अर्थात् कर्म के माध्यम से योग. कर्म शब्द कृ धातु से निकलता है. कृ धातु का अर्थ है करना. अत: कर्मयोग में कर्म शब्द का अभिप्राय कर्म ही है. कर्म दो प्रकार के होते हैं – सकाम और निष्काम. सकाम कर्म बंधन के जनक हैं, निष्काम कर्म बंधन के अच्छेदक हैं. गीता में कर्मयोग का तात्पर्य निष्काम कर्म से ही हैं. निष्काम कर्म तृष्णारहित कर्म है. स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि बिना किसी निजी स्वार्थ के लोकोपकार के लिए अपना कर्तव्य सर्वश्रेष्ठ तरीके से करना ही कर्म योग है. गीता में श्रीकृष्ण समझाते हैं कि सभी जीव अपनी स्वाभाविक प्रकृति के गुणों के कारण कार्य करने के लिए बाध्य होते हैं और कोई भी प्राणी एक क्षण के लिए भी अकर्मा नहीं रह सकता. व्यक्ति को बिना कुछ सोचे–समझे सिर्फ कर्म के मार्ग पर चलते रहना चाहिए. जो मनुष्य कर्म किए बिना सिर्फ फल की चिंता करता है उसे जीवन में सिर्फ असफलता ही प्राप्त होती है.

सभी धर्मों में कर्म का महत्व

भारत में जितने सम्प्रदाय विकसित हुए हैं उन समस्त सम्प्रदायों में, समस्त मार्गों में, समस्त पंथों में कर्म सिद्धान्त परम अनुकरणीय सिद्धान्त के रूप में गृहीत है. बौद्ध धर्म में भी कर्म का महत्व है. यहां भी कहा जाता है कि व्यक्ति अपने कर्मों के अनुसार अपने भविष्य का निर्माण करता है. यहां बुद्ध ने निष्काम कर्म का बहुत महत्व दिया था. जैन धर्म में भी कर्म का बड़ा महत्व है. यहां कहा जाता है कि जीवात्मा के कर्मों के फलस्वरूप वह संसार में बंधता है. जैन धर्म में निष्काम कर्म और आत्मानुशासन का जिक्र किया जाता है. जीवन की पूर्णता कर्म में है. कर्म का सर्वाधिक महत्व है. सभी धर्म ग्रन्थों में ही कर्म को प्रधानता दी गई है. हर ग्रंथ यही कहता है कि प्रत्येक प्राणी को अपने किए हुए कर्म का परिणाम अवश्य प्राप्त होता है. फल प्राप्त करना जीव के हाथ में नहीं है. ईश्वर प्रत्येक जीव के कर्म के अनुसार फल का विधान करता है. वेदव्यास की धारणा है, "कृतं फलति सर्वत्र नाकृतं भुज्यते क्वचित्." सर्वत्र कर्म ही फल देता है, बिना किए कर्म का फल नहीं भोगा जाता. मनुष्य का सुख–दु:ख उसके अपने कर्मों का ही फल है जो कि निश्चय ही योग्य है. उसको बदला नहीं जा सकता. जिस मनुष्य का अपने कर्मों पर अटूट विश्वास होता है और जो मनुष्य अपने कर्मों पर सदा अडिग रहता है वही मनुष्य जीवन में सफल होता है. हम अपने कर्मों को श्रेष्ठ बनाए तो जीवन सुखमय ही होगा.

भगवान बुद्ध के ये उपदेश बदल देंगे जिंदगी

दुनिया का चौथे सबसे बड़े धर्म में बौद्ध धर्म की गणना की जाती है. भारत ही नहीं, कई अन्य देशों में भी इस धर्म के अनुयायी रहते हैं. इस धर्म की स्थापना भगवान बुद्ध ने की थी जिनका मूल नाम सिद्धार्थ गौतम था. बौद्ध धर्म भगवान बुद्ध की शिक्षाओं और जीवन के अनुभवों पर आधारित है. उन्होंने दुनिया को अहिंसा, करुणा और शांति से जुड़े उपदेश दिए हैं. आइये गौतम बुद्ध के 10 ऐसे उपदेशों की चर्चा करें जो हमारी जिंदगी में बदलाव ला सकते हैं-

गौतम बुद्ध के द्वारा दिए गए उपदेश

1. जीवन में अगर शांति और खुशी चाहिए, तो मनुष्य को भूतकाल और भविष्य काल में नहीं उलझना चाहिए.
2. मनुष्य को क्रोध की सजा नहीं मिलती, बल्कि क्रोध से सजा मिलती है.
3. हजारों लड़ाइयों के बाद भी मनुष्य तब तक नहीं जीत सकता, जब तक वह अपने ऊपर विजय प्राप्त नहीं कर लेता है.
4. सूर्य, चंद्र और सत्य... ये तीन चीजें कभी नहीं छिप सकती.
5. मनुष्य को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने से अधिक अपनी यात्रा पर ध्यान देना चाहिए. जैसे हजारों शब्दों से एक अच्छा शब्द जो शांति प्रदान करता हो.
6. बुराई से बुराई खत्म नहीं होती. बुराई को प्रेम से ही खत्म किया जा सकता है.
7. सत्य की राह पर चलने वाला मनुष्य दो ही गलतियां कर सकता है, या तो पूरा रास्ता तय नहीं करता या फिर शुरुआत ही नहीं करता.
8. गुस्सा होने का मतलब जलता हुआ कोयला दूसरे पर फेंकना, जो पहले स्वयं के हाथों को ही जलाता है.
9. एक दीपक से हजारों दीपक जल सकते हैं, फिर भी दीपक की रोशनी कम नहीं होती. इस तरह किसी की बुराई से आपकी अच्छाई कम नहीं हो सकती.
10. जीवन में खुशियां बांटने से बढ़ती हैं. इसलिए मनुष्य को हमेशा खुश रहना चाहिए और दूसरों को भी खुशियां देनी चाहिए.

कल बैकुंठ चतुर्दशी है. हर और हरि के मिलन का दिवस. भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा शायद ही कभी एक ही दिन की जाती है और बैकुंठ चतुर्दशी 2023 ऐसा ही एक दुर्लभ और पवित्र दिन है.

हर और हरि का होगा मिलन

आचार्य अजय मिश्रा

भगवान विष्णु देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक विश्राम करते हैं. इस दौरान वे संपूर्ण सृष्टि का भार भगवान शिव को सौंप देते हैं. शास्त्रों में इस अवधि को चतुर्मास कहा गया है. चतुर्मास की अवधि जब खत्म होती है तो कार्तिक पूर्णिमा से ठीक एक दिन पहले भगवान हरि बैकुंठ पधारते हैं. उस वक्त भगवान शिव संपूर्ण सृष्टि का भार भगवान विष्णु को वापस सौंप देते हैं. यह हरि और हर के मिलन का दिन होता है. इस तिथि चतुर्दशी को हम शास्त्र द्वारा बैकुंठ चतुर्दशी के रूप में मनाते हैं. इस साल बैकुंठ चतुर्दशी 25 नवंबर, शनिवार को है.

बैकुंठ चतुर्दशी एक पवित्र त्योहार है जिसे शिव और विष्णु दोनों देवों के भक्तों द्वारा बहुत समर्पण के साथ मनाया जाता है क्योंकि दोनों देवता बैकुंठ चतुर्दशी के त्योहार से बहुत निकटता से जुड़े हुए हैं. यह त्योहार इस मामले में दुर्लभ है क्योंकि भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा शायद ही कभी एक ही दिन की जाती है. बैकुंठ चतुर्दशी ही वह दुर्लभ दिन है.

ऐसे करें पूजा

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि के बाद साफ कपड़े पहनकर पूजा स्थल को साफ करें. फिर शुभ मुहूर्त में पूजा स्थल पर केसर युक्त गाय के घी का दीपक जलाएं. अगरबत्ती जलाएं. भगवान को खीर का भोग लगाएं. दही, इत्र और जल से अभिषेक करें. भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा करें. इनके लिए समर्पित विशेष मंत्रों का जाप करें. इस मंत्र का जाप पूर्ण समर्पण भाव से करें:

॥ ॐ ह्रीं ॐ हरिणाक्षाय नमः शिवाय॥

पूरे दिन का व्रत रखें. कुछ लोग सूर्योदय से सूर्यास्त तक भी व्रत रखते हैं. यह व्रत भक्तों को मोक्ष या मोक्ष प्राप्त करने में भी मदद करता है.

बैकुंठ चतुर्दशी 2023 तिथि और समय

बैकुंठ चतुर्दशी : 25 नवंबर, शनिवार

बैकुंठ चतुर्दशी निशिता काल : रात्रि 11:41 बजे से रात्रि 12:35 बजे तक, 26 नवंबर

चतुर्दशी तिथि आरंभ : 25 नवंबर 2023 को शाम 05:22 बजे

चतुर्दशी तिथि समाप्त: 26 नवंबर 2023 को दोपहर 03:53 बजे

यह है कथा

एक बार भगवान विष्णु के मन में भगवान शिव से मुलाकात की इच्छा जागी. भगवान विष्णु की इच्छा थी कि शिवलिंग पर भगवान शिव के हजार नामों का जाप करते हुए कमल के फूल अर्पित करें. इसलिए उन्होंने मानसरोवर से 1000 कमल के फूल एकत्र किये. भगवान विष्णु जब मिलने पहुंचे, भगवान शिव ने उनका बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया. तब भगवान विष्णु ने भगवान शिव का एक नाम जपने और एक कमल का फूल शिवलिंग पर चढ़ाने का अनुष्ठान पूरा किया. जब भगवान विष्णु पूरी भक्ति के साथ अनुष्ठान की प्रक्रिया कर रहे थे, तो भगवान शिव ने उनकी परीक्षा लेने का फैसला किया. इसलिए उन्होंने भगवान विष्णु द्वारा चढ़ाए गए एक फूल को उतारकर कहीं छिपा दिया. जब भगवान विष्णु ने भगवान शिव के 1000 वें नाम का जाप किया और चढ़ाने के लिए आखिरी फूल की तलाश की, तो उन्होंने पाया कि फूल गायब था. भगवान विष्णु को अक्सर उनके भक्तों द्वारा 'कमला कानन' यानी 'कमल-आंखों वाला' कहा जाता है. इसलिए भगवान विष्णु ने कमल के फूल की जगह अपनी एक आंख शिवलिंग पर चढ़ा दी. भगवान विष्णु की इस भक्ति से भगवान शिव बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने तुरंत उन्हें गले लगा लिया और उनकी आंख भी ठीक कर दी. तब भगवान शिव ने भगवान विष्णु को सुदर्शन चक्र प्रदान किया ताकि वे दुष्ट शत्रुओं से लड़ सकें. भगवान शिव ने भगवान विष्णु को ब्रह्मांड के सेनापति और संरक्षक के रूप में स्वीकार किया, जो दुनिया में सभी जीवित और निर्जीव चीजों का समर्थन करेंगे. इस प्रकार, बैकुंठ चतुर्दशी के दिन, भगवान विष्णु और भगवान शिव दोनों की एक ही दिन पूजा की जाती है.

श्री राम से सीखिए जिंदगी के तीन पाठ

गुड़िया झा

जब भी हमारे जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियां आती हैं तो हम विचलित हो जाते हैं. हमारा धैर्य जवाब देने लगता है कि बस अब और ज्यादा सहन नहीं हो रहा. जबकि एक नजर प्रभु श्री राम के जीवन पर डालेंगे तो पाएंगे कि स्वयं भगवान का जीवन संघर्षों से भरा पड़ा था. बावजूद इसके वे अपने कर्मपथ पर चलते गए. उनके जीवन से सीखने योग्य कुछ महत्त्वपूर्ण बातें जो बताती हैं कि आसान कुछ भी नहीं होता है. इसे आसान बनाना पड़ता है.

धैर्य : धैर्य अपने आप में अद्भुत प्रसाद है मनुष्य के लिए. श्री राम के धैर्य का जवाब नहीं. सबसे पहला विरोध तो उन्हें अपने घर से ही झेलनी पड़ी. राज्यभिषेक छोड़ने और जंगल की तरफ प्रस्थान. उनके चेहरे पर राज्यभिषेक होने की खुशी भी नहीं थी और जंगल जाने का दुख भी नहीं था. बस यही बातें श्री राम को खास बनाती हैं. वे जब तक अयोध्या में रहे तब तक श्री राम कहलाए. जंगल का जीवन आसान नहीं था. लेकिन जंगल के जीवन ने उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम बनाया.

उनके जीवन से यही सीख मिलती है कि जीवन है तो समस्याएं आएंगी ही. उसका सामना धैर्य के सहारे ही करना पड़ेगा.

शांत मन और विनम्रता

शांत मन से सभी की बातों को सुनना, समस्या की गहराई को समझना और जनकल्याण के हित में उसका समाधान करना वे अपना पहला कर्तव्य समझते थे. अपने जीवन में कठिनाइयां होने के बाद भी वे हमेशा विनम्र बने रहे. श्री राम ने किसी इंसान पर नहीं बल्कि इंसानियत पर राज किया. उनका ये गुण हमें सीखाता है कि जल्दबाजी और आक्रोश में लिया गया कोई भी फैसला सही नहीं होता है.

नेतृत्व क्षमता

श्री राम की नेतृत्व क्षमता अलग थी. उन्होंने सुग्रीव जैसे उदास भक्त को उत्साहित किया. उनके इसी प्रेरणा से सुग्रीव महारथी बनें. उन्होंने हनुमानजी की भी नेतृत्व क्षमता को बढ़ाया और इसी के कारण हनुमानजी ने युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

इससे हमें यही सीख मिलती है कि नेतृत्व क्षमता शिक्षा से अलग है. प्रत्येक व्यक्ति में कुछ विशेष गुण होते हैं जिसकी पहचान कर उनका विकास करना जरूरी है.

तुलसी विवाह से मोक्ष व विष्णु कृपा की प्राप्ति

सनातन धर्म में तुलसी विवाह का विशेष महत्व है. इस दिन माता तुलसी और भगवान विष्णु के शालीग्राम अवतार के विवाह का विधान है. कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को तुलसी विवाह किया जाता है. इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा के बाद जाग्रत होते हैं. एकादशी के दिन माता तुलसी का विवाह करने से कन्यादान के समान पुण्य फल की प्राप्ति होती है. इसलिए अगर किसी ने कन्या दान न किया हो तो उसे जीवन में एक बार तुलसी विवाह कर के कन्या दान का शुभ पुण्य प्राप्त करना चाहिए. धर्मानुसार तुलसी विवाह विधि-विधान से संपन्न कराने से भक्तों को अंत में मोक्ष की प्राप्ति होती है और भगवान विष्णु की कृपा से मनोकामना पूरी होती है. वैवाहिक जीवन में आ रही बाधाओं से मुक्ति मिलती है.

माता तुलसी (वृंदा) और शालीग्राम (श्री हरि) की विवाह की पौराणिक कथा :

माता तुसली का असली नाम वृंदा था. उनका जन्म राक्षस कुल में हुआ था. वह श्रीहरि विष्णु की परम भक्त थीं. वृंदा जब बड़ी हुईं तो उनका विवाह जलंधर नामक असुर से करा दिया गया. वृंदा भगवान विष्णु की परम भक्त के साथ-साथ वह पतिव्रता स्त्री भी थीं. उनकी भक्ति और पूजा के कारण उनका पति जलंधर अजेय होता गया और इसके चलते उसे अपनी शक्तियों पर अभिमान हो गया और उसने स्वर्ग पर आक्रमण कर देव कन्याओं को अपने अधिकार में ले लिया. इससे क्रोधित होकर सभी देव भगवान श्रीहरि विष्णु की शरण में गए और जलंधर के आतंक का अंत करने की प्रार्थना की. परंतु जलंधर का अंत करने के लिए सबसे पहले उसकी पत्नी वृंदा का सतीत्व भंग करना अनिवार्य था. तभी भगवान विष्णु ने अपनी माया से जलंधर का रूप धारण कर वृंदा के पतिव्रत धर्म को नष्ट कर दिया और इसके परिणामस्वरूप जलंधर की शक्ति क्षीण हो गई और वह युद्ध में मारा गया. लेकिन जब वृंदा को श्रीहरि के छल का पता चला तो उन्होंने भगवान विष्णु से कहा, हे नाथ मैंने आजीवन आपकी आराधना की. आपने मेरे साथ ऐसा कृत्य कैसे किया? इस प्रश्न का कोई उत्तर श्रीहरि नहीं दे पाए और तब वृंदा ने भगवान विष्णु से कहा कि आपने मेरे साथ एक पाषाण की तरह व्यवहार किया मैं आपको शाप देती हूं कि आप पाषाण बन जाएं. यह कहते ही भगवान श्री हरि पत्थर समान हो गए और सृष्टि का संतुलन बिगड़ने लगा. तब देवताओं ने वृंदा से याचना की कि वे अपना श्राप वापस ले लें. भगवान विष्णु भी वृंदा के साथ हुए छल से लज्जित थे और अंत में उन्होंने भगवान विष्णु को क्षमा कर दिया और भगवान विष्णु को श्राप मुक्त कर जलंधर के साथ सती हो गईं. वृंदा की राख से एक पौधा निकला जिसे श्रीहरि विष्णु ने तुलसी नाम दिया और वरदान दिया कि तुलसी के बिना मैं किसी भी प्रसाद को ग्रहण नहीं करूंगा. मेरे शालीग्राम रूप से तुलसी का विवाह होगा और कालांतर में जो लोग इस तिथि को तुलसी विवाह करेंगे उन्हें माता तुलसी और भगवान विष्णु के आशीर्वाद के साथ-साथ सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होगी. एकादशी के दिन भक्त श्रद्धा के साथ जो कुछ भी जप-तप, स्नान-दान, होम करते हैं, वह सब अक्षय फलदायक हो जाता है. देवोत्थान एकादशी के बाद से विवाह और मांगलिक कार्य का शुभारम्भ होता है. सभी मांगलिक कार्यों में भगवान विष्णु को साक्षी मानकर किया जाता है.

- आचार्य प्रणव मिश्रा

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

मणिपुर सीनियर राष्ट्रीय हॉकी के क्वार्टर फाइनल में

चेन्नई। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता नीलाकांता शर्मा के दोहरे गोल की मदद से मणिपुर ने बंगाल से 3 - 3 से ड्रॉ खेलकर 13वीं सीनियर पुरूष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया . मणिपुर के लिये जेंजेन सिंह ने दूसरे मिनट में गोल दागा . इसके बाद भारत के मिडफील्डर नीलाकांता ने 25वें और 60वें मिनट में गोल किये . बंगाल के लिये एन नीतिश ने 48वें और 56वें और राजेंद्र ओरम ने 56वें मिनट में गोल दागा . झारखंड ने भी गोवा को 3- 0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई.

अब्दुरेमोवा को हराकर जील अंतिम आठ में

बेंगलुरू। भारत की गैरवरीय जील देसाई ने गुरुवार को यहां शीर्ष वरीय उज्बेकिस्तान की निगिना अब्दुरेमोवा को हराकर उलटफेर करते हुए आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. जील ने महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को सीधे सेट में 6-4 6-4 से हराया. गुरुवार को चार अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए. रश्मिता ने अपनी युगल जोड़ीदार वैदेही चौधरी को 4-6, 7-5, 7-5 से हराया.

गनीमत फाइनल के पदक दौर में जगह बनाई

दोहा। भारत की गनीमत सेखो ने गुरुवार को यहां पहली बार आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पदक दौर में जगह बनाई ,लेकिन लुसैल निशानेबाजी रेंज में महिला स्कीट स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं. गनीमत ने इस दौरान इस साल आईएसएसएफ प्रतियोगिता में तीसरी बार 120 के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की. वह पांचवें-छठे स्थान के क्वालीफिकेशन शूट ऑफ में अमेरिका की दानिया जो विज्जी से पिछड़ गईं.

कोठारी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में

दोहा। अपराजेय सौरव कोठारी ने आईबीएसएफ विश्व बिलियडर्स चैम्पियनशिप (अंक प्रारूप) में एक भी गेम गंवाये बिना शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के तौर पर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. पूर्व विश्व चैम्पियन कोठारी ने श्रीलंका के मोहम्मद मुबीन को 3- 0 से , फ्रांस के अखिलेश मोहन को 3 - 0 से और भारत के बृजेश दम्माणी को भी इसी अंतर से हराया . हाल ही में 26वां विश्व खिताब जीतने वाले पंकज आडवाणी को दूसरी वरीयता मिली है.

बैडमिंटन : प्रणय और सात्विक क्वार्टर फाइनल

शेनझेन। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बृहस्पतिवार को चाइना मास्टर्स में अपने अपने वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए . विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21 - 12, 21 - 18 से हराया . पुरूष एकल वर्ग में प्रणय अकेले भारतीय खिलाड़ी बचे हैं .

टी-20 सीरीज

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टी20 में दो विकेट से हराया

सूर्या-ईशान और रिंकू सिंह की आंधी में उड़े कंगारू

भाषा। विशाखापत्तनम

भारत ने पांच टी20 मैचों की सीरीज में जीत के साथ शुरुआत की है. उसने विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से हरा दिया. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप के फाइनल में मिली हार के बाद यह जीत प्रशंसकों को थोड़ी राहत पहुंचाएगी. टीम इंडिया सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है. दूसरा मुकाबला रविवार (26 नवंबर) को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा.

भारत के नए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया. ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 208 रन बनाए. टीम इंडिया ने 19.5 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन बनाकर मैच को जीत लिया. रिंकू सिंह ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाया, लेकिन सीन एबॉट की गेंद नो-बॉल हो गई. ऐसे में रिंकू के खाते में छक्का नहीं जुड़ा.

आखिरी ओवर का रोमांच : भारत ने 19 ओवर में पांच विकेट पर 202 रन बना लिए थे. टीम इंडिया को जीत के लिए छह गेंदों पर सात रन बनाने थे. रिंकू सिंह और अक्षर पटेल क्रीज पर थे. सीन एबॉट की पहली गेंद पर रिंकू ने सामने की ओर चौका लगाया. इसके बाद पांच गेंद पर तीन रन की आवश्यकता थी. रिंकू ने अगली गेंद पर एक रन ले लिया. उसके बाद अक्षर पटेल तीसरी गेंद पर आउट हो गए. उनके बाद बल्लेबाजी के लिए आए रवि बिश्नोई चौथी गेंद पर एक रन लेने के प्रयास में रन आउट हो गए. भारत को दो गेंद पर दो रन बनाने थे. पांचवीं गेंद पर रिंकू सिंह ने लेग साइड में शॉट खेला और रन के लिए दौड़ पड़े. एक रन पूरा हुआ और दूसरे रन के प्रयास में अर्शदीप सिंह रन आउट हो गए.

आखिरी गेंद पर एक रन बनाने थे. रिंकू स्ट्राइक पर थे. अगर वह आउट हो जाते या रन नहीं बना पाते तो मुकाबला सुपर ओवर में जाता, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. रिंकू ने सीन एबॉट की गेंद पर छक्का लगाया. दुर्भाग्य से यह रिंकू के खाते में नहीं जुड़ा क्योंकि एबॉट का पैर क्रीज के बाहर था और इसे अंपायर नो-बॉल करार दिया. ऐसे में छक्के की जगह एक रन भारत के खाते में जुड़ा और टीम इंडिया एक गेंद शेष रहते ही मैच जीत गई. रिंकू सिंह 14 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे.

सूर्या और ईशान ने जमाया रंग

209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के दोनों ओपनर बल्लेबाज 15 गेंद के अंदर पवेलियन लौट गए. ऋतुराज गायकवाड़ पहले ओवर में खाता खोले बगैर रन आउट हो गए. वह एक गेंद का सामना भी नहीं कर सके. तीसरे ओवर में यशस्वी जायसवाल पवेलियन लौट गए. यशस्वी ने आठ गेंद पर 21 रन बनाए. दो विकेट गिरने के बाद ईशन किशन और सूर्यकुमार ने पारी को संभाला. दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की. सूर्यकुमार ने 42 गेंद पर 80 रन बनाए. उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके और चार छक्के लगाए. ईशान किशन ने 39 गेंद पर 58 रन बनाए. उन्होंने दो चौके और पांच छक्के उड़ाए. तिलक वर्मा ने 12 और अक्षर पटेल ने दो रन बनाए. रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह खाता नहीं खोल पाए. मुकेश कुमार शून्य पर नाबाद रहे. ऑस्ट्रेलिया के लिए तनवीर संघा ने दो विकेट लिए. जेसन बेहरेनडॉर्फ, मैथ्यू शॉर्ट और सीन एबॉट ने एक-एक विकेट लिए.

इंगलिश का शतक हुआ बेकार

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश इंगलिश ने शानदार शतक लगाया. उन्होंने 50 गेंद पर 110 रन बनाए. इस दौरान 11 चौके और आठ छक्के लगाए. इंगलिश ने 220.00 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए. उन्होंने स्टीव स्मिथ के साथ दूसरे विकेट के लिए 130 रन की साझेदारी भी की. स्मिथ ने 52 रन का पारी खेली. टिम डेविड ने नाबाद 19 रन बनाए. मैथ्यू शॉर्ट 13 रन बनाकर आउट हुए. मार्कस स्टोइनिस ने नाबाद सात रन बनाए. भारत के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और रवि बिश्नोई ने एक-एक विकेट लिए.

रिंकू ने दिलाई भारत को जीत

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा रनचेज

आईपीएल 2024 नहीं खेलेंगे बेन स्टोक्स

चेन्नई। इंग्लैंड के स्टार हरफनमौला बेन स्टोक्स कार्यभार प्रबंधन के कारण इंडियन प्रीमियर लीग का 2024 सत्र नहीं खेलेंगे. उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि की . स्टोक्स आईपीएल 2023 से पहले सीएसके से जुड़े थे लेकिन घुटने की चोट के कारण दो ही मैच खेल सके . सीएसके ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान हरफनमौला बेन स्टोक्स कार्यभार प्रबंधन और फिटनेस के कारण आईपीएल 2024 नहीं खेल सकेंगे.

आशा पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुटी

खेल संवाददाता। बोकारो थर्मल

कोल इंडिया द्वारा स्पॉन्सर के बाद एथलीट आशा किरण बारला पेरिस में आयोजित ओलंपिक की तैयारी में जुट गई है. मालूम हो कि तामिलनाडु के नेहरू स्टेडियम कोयंबटूर में आयोजित 38 वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में 12 नंवबर को बालिका के 800 मीटर दौड़ का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाली एथलीट गोल्डेन गर्ल आशा किरण बारला को पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में सहयोग के लिए कोल इंडिया आगे आया है. इसकी जानकारी देते हुए कोच आशु भाटिया ने बताया कि कोल इंडिया अगले तीन वर्षों तक आशा किरण बारला को 5-5 लाख रुपए की मदद करेगी. पिछलें कई माह से आशा किरण बारला को सहयोग करने का प्रस्ताव सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) से कोल इंडिया मुख्यालय भेजा गया था. कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद ने दीपावली में इसकी मंजूरी दे दी है.

गढ़वा पहुंची लातेहार की टीम

लातेहार। झारखंड वॉलीबॉल संघ एवं गढ़वा जिला वॉलीबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में गढ़वा टाउन हॉल मैदान में गुरुवार से झारखंड राज्य यूथ महिला, पुरुष वॉलीबॉल चैंपियनशिप शुरू हो गई. इस चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए लातेहार जिला यूथ टीम गढ़वा पहुंच गयी है. इससे पहले लातेहार जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और हौसला अफजाई की. लातेहार जिला यूथ पुरुष टीम में कप्तान शुभम कुमार साव, अनुज उरांव, आनंद कुमार, मनीष रंजन भगत के नाम शामिल हैं.

आओ जानें

महिला फीफा विश्व कप इतिहास के शीर्ष गोल स्कोरर

खिलाड़ी	टीम	गोल	पेनाल्टी
मार्ता	ब्राजील	15	3
बिरगिट प्रिंज	जर्मनी	14	0
एबी वंबाच	यूएसए	14	1
मिशेल एकर्स	यूएसए	12	2
वेन सन	चीन	11	1
बेटिना विगमैन	जर्मनी	11	6
एन-क्रिस्टिन आरोन्स	नॉर्वे	10	0
हेइडी मोहर	जर्मनी	10	0
लिंडा मेडलेन	नॉर्वे	9	0
हेगे रिइज	नॉर्वे	9	1

फील्ड अपडेट

हरिका चैम्पियनशिप के फाइनल में हारीं

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी हरिका जूलियस बायर वुमैन्स ऑनलाइन स्पीड चेस चैम्पियनशिप 2023 के फाइनल में चीन की जीएम होऊ यिफान से 11-15 से हार गयीं. होऊ को खिताब जीतने के लिए 10,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली. जबकि हरिका को 4,230.77 डॉलर की राशि प्राप्त हुई. हरिका ने फाइनल मुकाबले के बाद कहा, ''मैं आज अच्छा नहीं खेल सकी. मुझे लगता है कि लगातार मैच खेलने का असर पड़ा है. यह वास्तव में थकाने वाला था.

320 खिलाड़ियों ने शतरंज में आजमाया हाथ

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के परीक्षा भवन सभागार में गुरुवार को हजारीबाग जिला शतरंज संघ द्वारा अखिल भारतीय स्तर का पांच दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता सेकेंड एचडीसीए ऑल इंडिया फाइड रेटिंग ओपेन टूर्नामेंट में 320 खिलाड़ियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरुवार को तीसरे राउंड तक के खेल हुआ .तीसरे राउंड तक के रिज़ल्ट में तमिलनाडु के खिलाड़ी प्रदीप कुमार 2195 पॉइंट रेटिंग के साथ सबसे उपर रहें. तीसरे राउंड तक के खेल में सर्वश्रेष्ठ पांच टेबल में प्रथम टेबल में तमिलनाडु के प्रदीप कुमार ने बिहार के मनीष यादव को हराया. दूसरे टेबल में बिहार के सिन्हा सुधीर कुमार ने झारखंड के प्रभुनाथ साह को हराया.

फुटबॉल खिलाड़ी समीर का भव्य स्वागत

जमशेदपुर । गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेल में जमशेदपुर के फुटबॉल खिलाड़ी समीर मुर्मू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया है. सर्विसेज टीम (पुरुष) की तरफ से खेलते हुए उन्होंने टीम को स्वर्ण पदक दिलाया. गुरुवार को शहर पहुंचने पर उनका टाटानगर स्टेशन पर ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया. इस अवसर पर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी, आदिवासी एकता मंच, झारखंड छात्र मोर्चा समेत कई संगठन के लोग मौजूद थे. विधायक समेत अन्य लोगों ने अंग वस्त्र के साथ पुष्प गुच्छ देकर व माला पहनकर अभिनंदन किया.

सैमुअल्स छह साल के लिए प्रतिबंधित

दुबई। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज मार्लोन सैमुअल्स पर अबुधाबी टी10 लीग के दौरान मिले फायदों का खुलासा करने में विफल होने, खेल को बदनाम करने, जानकारी छुपाने और जांच अधिकारी के साथ सहयोग नहीं करने के लिए गुरूवार को छह साल का प्रतिबंध लगा दिया गया. सैमुअल्स ने चार मामलों में अमीरात क्रिकेट बोर्ड की भ्रष्टाचार रोधी संहिता का उल्लघंन किया जिसके लिए उन्हें बोर्ड में भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी के तौर पर नामित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा सितंबर 2021 में आरोपित किया गया. अगस्त में उन्हें पंचाट द्वारा दोषी पाया गया था और उनका प्रतिबंध 11 नवंबर से शुरू हुआ. ये आरोप 2019 में अबुधाबी टी10 लीग से संबंधित हैं.

क्रिकेट

विश्व कप फाइनल हारने पर बोले कुलदीप, मोहम्मद सिराज और राहुल

जीवन चलता रहता है,पर टीस लंबे समय तक सालती रहेगी

भाषा। नई दिल्ली

विश्व कप में फाइनल तक अजेय अभियान के बाद आखिरी मोर्चे पर हारने वाले भारतीय क्रिकेटरों कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने अपना दुख साझा किया है . स्पिनर कुलदीप यादव ने गुरूवार को स्वीकार किया कि आस्ट्रेलिया से विश्व कप फाइनल में मिली हार की टीस लंबे समय तक सालती रहेगी और यह उन्हें अगले मौके तक कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करती रहेगी. भारत को 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल में आस्ट्रेलिया से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

कुलदीप ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''चेन्नई से अहमदाबाद तक हमारी यात्रा का नतीजा निराशाजनक रहा, लेकिन हमें छह हफ्तों की अपनी उपलब्धियों पर गर्व है. इस दर्द के बावजूद हम अगले मौके के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. कलाई के इस स्पिनर ने लिखा, ''हार का दर्द सालता रहेगा लेकिन हमें आगे बढ़ना होगा, जीवन चलता रहता है और पीड़ा से उबरने में समय लगता है.

कुलदीप ने कहा कि इस हार से निपटना मुश्किल था. उन्होंने कहा कि विश्व कप काफी खूबसूरत था लेकिन ऐसा लगता है कि नियति को कुछ और मंजूर था . अब 'स्विच ऑफ' करके 'रिचार्ज' होने का समय है. इस हार से निपटना मुश्किल है, लेकिन आगे की यात्रा के लिए हमारा भरोसा कायम है. कुलदीप ने विश्व कप में भारत के सभी 11 मैच खेले और 15 विकेट झटके.

भारत ने लगातार 10 मैच जीते लेकिन नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक लाख से ज्यादा घरेलू समर्थकों के सामने हुए फाइनल में उसे हार का सामना करना पड़ा. कुलदीप ने कहा कि हमारे सहयोगी स्टाफ का शुक्रिया, हम हर प्रतिद्वंद्वी से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार थे और उनकी प्रतिबद्धता ने बतौर खिलाड़ी हमारा भरोसा बढ़ाया. उन्होंने कहा कि सभी नौ स्टेडियम में प्रशंसकों के प्यार ने हमारे दिल को छू लिया और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ से बेहतर करने के लिए प्रेरित किया. हम दुनिया भर के जुनूनी प्रशंसकों और हर भारतीय परिवार के समर्थन के लिए आभारी हैं. भारत की हार के बाद मैदान पर रोते दिखे सिराज ने 11 मैचों में छह से कम की इकॉनामी रेट से 14 विकेट लिये. उन्होंने कहा कहा हमारे अभियान का अंत वैसा नहीं हुआ जैसा हम चाहते थे . लेकिन भारत की नुमाइंदगी करना फख्र की बात है . मैं हमेशा से भारत के लिये खेलना चाहता था. उन्होंने लिखा कि दिल टूट गया है . लफ्जों में इस दुख और मायूसी को बयां नहीं किया जा सकता. इस बार ईश्वर की इच्छा नहीं थी लेकिन हम हर दिन कड़ी मेहनत करते रहेंगे. उन्होंने लिखा कि सभी प्रशंसकों का शुक्रिया .

रोहित को सिखाने की जरूरत नहीं : अश्विन

भाषा। मुंबई

भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गुरूवार को अपने कप्तान रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं है. आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में आक्रामक शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदलने के लिए रोहित की आलोचना की जा रही है. रोहित पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार लय में थे और भारत ने शीर्ष क्रम में उनके प्रदर्शन की बदौलत ही धमाकेदार शुरूआत की. उन्होंने 125 के शानदार स्ट्राइक रेट से 11 मैच में 597 रन बनाये.

रोहित फाइनल में ग्लेन मैक्सवेल को बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में जिस तरह आउट हुए, उसकी कुछ तबकों में आलोचना की जा रही है. उन्होंने 31 गेंद में 47 रन की पारी खेली जिससे मजबूत नींव बनी लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी. अश्विन ने कहा कि हर कोई पीछे से कह रहा है कि अगर वह खेलता रहता तो 100 रन बना सकता था लेकिन यह उनकी इच्छाशक्ति थी कि टीम इस तरह का खेल दिखा सकी. रोहित शर्मा को शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं है , वह काफी शतक बना चुके हैं लेकिन यह जज्बा है जो मायने रखता है.

इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने यह भी खुलासा किया कि पिछले रविवार को फाइनल में आस्ट्रेलिया के पहले गेंदबाजी करने के फैसले से भी वह हैरान थे लेकिन साथ ही पैट कमिंस और चयनकर्ता जॉर्ज बेली की अहमदाबाद की पिच बखूबी पढ़ने के लिए प्रशंसा की. आस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को कई मोर्चों पर पछाड़कर छठी बार विश्व कप जीता . अश्विन ने गुरूवार को अपने यूट्यूब वीडियो में कहा कि आस्ट्रेलिया ने फाइनल में शानदार खेल दिखाया. मैं उनकी रणनीति देखकर हैरान रह गया.

▼ ब्रीफ खबरें

मंदिर पुनर्विकास के लिए 42.51 करोड़ रु की मंजूरी

बेहरामपुर। ओडिशा सरकार ने गंजम जिले में 26 प्राचीन मंदिरों के पुनर्विकास के लिए 42.51 करोड़ रु की मंजूरी दी. एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के गृह क्षेत्र गंजम में बेरहामपुर को छोड़कर 13 विधानसभा क्षेत्रों में से 12 में स्थित प्राचीन मंदिरों का नवीनीकरण, जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण इसी राशि से किया जाएगा. जिला प्रशासन ने जनता की मांग के मद्देनजर पुराने और ऐतिहासिक मंदिरों के नवीनीकरण और बुनियादे ढांचे के विकास के लिए सरकार से सिफारिश की थी.

राजौरी के मुठभेड़ में लश्कर का आतंकी ढेर

राजौरी/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक आतंकी मारा गया. बुधवार को मुठभेड़ में विशेष बलों के दो कैप्टन समेत चार सैन्यकर्मी शहीद हो गये थे और दो अन्य घायल हो गए. धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में रात भर के विराम के बाद आज सुबह गोलीबारी फिर से शुरू हो गई. रात भर अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में घेराबंदी कर दी थी ताकि, आतंकी घने जंगली इलाके की ओर न भाग सकें.

पहली महिला न्यायाधीश फातिमा बीबी का निधन

कोल्लम। उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश और तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति फातिमा बीबी का गुरुवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी. वे 96 वर्ष की थीं. केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने न्यायमूर्ति फातिमा बीबी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश और तमिलनाडु की राज्यपाल के रूप में अपनी छाप छोड़ी.

गोलीबारी में पुलिसकर्मी की मौत, दो अन्य घायल

सुल्तानपुर लोधी। पंजाब के कपूरथला जिले में 'निहंगों' के समूह की गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई जबकि दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए. घटना उस वक्त हुई जब पुलिसकर्मी सुल्तानपुर लोधी में बाबा मान सिंह के नेतृत्व वाले निहंगों के एक गुट द्वारा खाली किए गए गुरुद्वारा अकाल बंगा साहिब में अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे. कपूरथला के पुलिस अधीक्षक तेजबीर सिंह हुंडल ने बताया कि पुलिसकर्मी सड़क पर खड़े थे तभी कुछ निहंगों ने उन पर गोलियां चला दीं.

इमारत में लगी आग 9 अस्पताल में भर्ती

मुंबई। मुंबई के भायखला इलाके में गुरुवार को 24 मंजिली एक आवासीय इमारत में आग लग गई, जिसके बाद पांच बुजुर्गों समेत नौ लोगों को दम घुटने की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि आग भायखला के घोडपदेव इलाके में महाराष्ट्र आवासीय एवं क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (एमएचएडीए) कॉलोनी में न्यू हिंद मिल कंपाउंड में स्थित इमारत की तीसरी मंजिल पर सुबह तीन बजकर 40 मिनट पर लगी.

अमेरिकी सरकार में जवाबदेही की कमी

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में वरिष्ठ अधिकारी रहे भारतीय-अमेरिकी काश पटेल का कहना है कि अमेरिकी सरकार के भीतर उन लोगों में जवाबदेही की भारी कमी है, जो पद पर हैं और उन्होंने कानून तोड़े हैं. भारतीय अमेरिकी अटार्नी और ट्रंप प्रशासन में प्रशासनिक अधिकारी रहे पटेल ने अपनी नयी किताब 'गवर्नमेंट गैंगस्टर' में अमेरिकी नौकरशाही की कड़ी आलोचना की है. उनका आरोप है कि अमेरिकी नौकरशाही में कानून तोड़ने वाले लोगों के एक वर्ग की गहरी घुसपैठ या वर्चस्व है.

बिजनौर में बाघ ने ले ली मजदूर की जान

बिजनौर। बिजनौर जनपद में कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान के ढिकाला पर्यटन क्षेत्र में 'सोलर फेंसिंग' का कार्य कर रहे श्रमिक पर बाघ ने हमला कर उसकी जान ले ली. वन क्षेत्राधिकारी राजेन्द्र चक्रवात ने बताया कि गुरुवार को कार्बेट टाइगर रिजर्व के ढिकाला क्षेत्र में 'सोलर फेंसिंग' का काम कर रहे नेपाली मूल के श्रमिक रामप्रसाद (55) को बाघ खींचकर झाड़ियों में ले गया. बाघ से छुड़ाने के लिए नौ राउंड हवाई फायरिंग करनी पड़ी लेकिन रामप्रसाद को बचाया नहीं जा सका.

गुरुवार को नई दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म 'एनिमल' के ट्रेलर लॉन्च होने के मौके पर अभिनेता रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा, टी-सीरीज के प्रबंध निदेशक भूषण कुमार और अन्य लोग मौजूद थे. -फोटो : पीटीआई

आओ जानें

देश के अनुसार सर्वाधिक टाइम जोन

फ्रांस	12	किरिबाती	3
रूस	11	कांगो	2
यूएसए	11	इक्वाडोर	2
ऑस्ट्रेलिया	9	माइक्रोनेशिया	2
यूके	9	कजाकिस्तान	2
अंटार्कटिका	9	नीदरलैंड	2
कनाडा	6	मंगोलिया	2
डेनमार्क	5	पापुआ न्यू गिनी	2
न्यूजीलैंड	5	पुर्तगाल	2
ब्राज़ील	4	दक्षिण अफ्रीका	2
मेक्सिको	4	स्पेन	2
चिली	3	नोट : इनमें ओवरसीज टेरिटरीज भी शामिल हैं	
इंडोनेशिया	3		

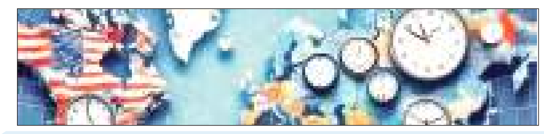

सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों से मात्र 6 मीटर दूर जिंदगी

बचाव अभियान फिर शुरू

भाषा। उत्तरकाशी

उत्तराखंड की निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में मलबे में ड्रिलिंग के दौरान आई बाधा को दूर करने के बाद गुरुवार को सुबह फिर बचाव अभियान शुरू कर दिया गया. यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था और तब से 41 श्रमिक उसमें फंसे हुए हैं, जिन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है. अधिकारियों ने यहां बताया कि श्रमिकों के लिए मलबे में रास्ता तैयार करने हेतु अमेरिकी ऑगर मशीन से बुधवार को की जा रही ड्रिलिंग के दौरान सामने आए लोहे के सरिये को हटा दिया गया है लेकिन, इससे अभियान में 12-14 घंटे की देरी हो गयी. बचाव कार्य की निगरानी कर रहे प्रधानमंत्री कार्यालय के पूर्व सलाहकार भास्कर खुल्बे ने संवाददाताओं को बताया कि लोहे के सरिये के कारण उत्पन्न समस्या को दूर कर लिया गया है. गैस कटर का इस्तेमाल कर सरिये को काट दिया गया है. खुल्बे ने कहा कि सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के अभियान में शामिल बचावकर्मियों को ड्रिलिंग पूरी करने और श्रमिकों तक पहुंचने में 12 से 14 घंटे और लगेंगे.

श्रमिकों को निकालने का बनाया जा रहा है रास्ता : सत्रह नवंबर को भी किसी कठोर सतह से टकराने के कारण तेज आवाज आने के बाद अमेरिकी ऑगर मशीन से ड्रिलिंग रोक दी गयी थी जो मंगलवार मध्यरात्रि के बाद फिर शुरू की गयी. ऑगर मशीन से ड्रिलिंग कर उसमें छह-छह मीटर लंबे, 800 मिलीमीटर व्यास के पाइपों को जोड़कर श्रमिकों को निकालने का रास्ता बनाया जा रहा है. अधिकारियों ने बताया कि रास्ता तैयार करने के बाद राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के जवान श्रमिकों को एक-एक कर बाहर लाएंगे जिसके लिए पूर्वाभ्यास (मॉक ड्रिल) कर लिया गया है.

सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाते मुख्यमंत्री धामी.

कोशिश जारी

- सुरंग का एक हिस्सा 12 को ढह गया था
- सरिया मिलने से कुछ घंटे रुका था काम

सरिया मिलने से कुछ देर काम अवरुद्ध

बुधवार देर रात बाधा आने के बाद 800 मिलीमीटर व्यास वाले स्टील पाइप को मलबे में डालने के लिए की जा रही ड्रिलिंग को रोकना पड़ा था. खुल्बे ने कहा कि बुधवार शाम मलबे के 45 मीटर अंदर तक ड्रिलिंग पूरी कर ली गयी थी लेकिन, उसके बाद मलबे में लोहे का सरिया मिलने से पांच-छह घंटे काम रुका रहा. श्रमिकों तक पहुंचने के लिए अब मलबे को केवल 6 मीटर भेदा जाना शेष है.

सुरंग में फंसे मजदूरों को सरकार उचित मुआवजा दे : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी की निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों के सुकशल बाहर निकलने की कामना करते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार द्वारा इन मजदूरों को उचित मुआवजा और मदद दी जानी चाहिए. प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उत्तरकाशी के सिलक्यारा में 12 दिन से 41 मजदूर भाई सुरंग में फंसे हैं. खबर है कि उन्हें बचाने के लिए चल रहा अभियान सफलता की ओर बढ़ रहा है और जल्द ही सबके सकुशल बाहर आने की उम्मीद जगी है. ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी मजदूर भाई जल्द से जल्द बाहर आकर स्वस्थ-सानंद अपने-अपने घर पहुंचें. पूरा देश उनके लिए प्रार्थनाएं कर रहा है.

सुरंग के बाहर सारे उपकरणों से लैस एंबुलेंस तैयार

इस बीच, श्रमिकों के बाहर आते ही उन्हें चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराने के लिए घटनास्थल से 30 किलोमीटर दूर चिन्यालीसौड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 41 बिस्तरों का अस्पताल तैयार किया गया है. सुरंग के बाहर भी चिकित्सकों तथा उपकरणों से लैस एंबुलेंस तैयार खड़ी हैं. केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह और एनडीआरएफ के महानिदेशक अतुल करवाल बचाव कार्यों की समीक्षा करने के लिए सिलक्यारा पहुंच गये हैं. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं.

प्रौद्योगिकी की बागडोर अपने हाथ में लेने की जरूरत : सीतारमण

वित्त मंत्री का जागरूकता पर जोर

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि साइबर धोखाधड़ी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने और धोखा देने वालों को प्रणाली से खिलवाड़ करने से रोकने के लिए प्रौद्योगिकी की बागडोर अपने हाथ में लेने की जरूरत है. 'डिजिटल एक्सेलेरेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन एक्सपो' (डीएटीई) के प्रौद्योगिकी संबंधी सत्र में मंत्री ने कहा कि लोगों को फोन या एसएमएस (संदेश) के जरिए निशाना बनाए जाने वाले साइबर धोखाधड़ी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार समय-समय पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की समीक्षा करती है.

नियामक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी स्वयं की प्रणाली की समीक्षा करता है. बीमा कंपनियां भी अपनी प्रणाली की समीक्षा करती हैं. सीतारमण ने कहा कि हम लगातार इस पर काम कर रहे हैं जो आवश्यक है... जब तक जागरूकता नहीं आती, तब तक हम लोगों को इस बात को लेकर सतर्क नहीं कर सकते कि उन्हें फोन पर कही गई किसी भी बात पर ध्यान नहीं देना चाहिए, तब तक नागरिक खतरे में हैं.

उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर चिंता है कि लोगों को कहीं से भी फोन आ रहे हैं, जिससे वे ऐसी स्थिति में आ जाते और फंस जाते हैं. इसके परिणामस्वरूप उन्हें अपने पैसों से हाथ धोना पड़ता है. मंत्री ने कहा कि जो लोग प्रणाली के साथ खिलवाड़ करते हैं. वे प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल और दुरुपयोग के मामले में शायद हमसे एक स्तर आगे हैं. इस पर बहुत काम करने की जरूरत है. यह कभी खत्म न होने वाला खेल है क्योंकि प्रौद्योगिकी हमेशा आपसे बहुत आगे रहती है. आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि इसकी लगाम अपने हाथ में कैसे रखी जाए. मंत्री ने कहा कि बड़े संस्थानों, संवेदनशील संस्थानों के पास पर्याप्त प्रौद्योगिकी होनी चाहिए. दलों को नियमित रूप से 'फ़ायरवॉल' के लिए पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए और यह जांचते रहना चाहिए कि 'फ़ायरवॉल' काम कर रहा है या नहीं.

खास बातें

- आरबीआई अपनी स्वयं की प्रणाली की समीक्षा करता है
- प्रौद्योगिकी हमेशा आपसे बहुत आगे रहती है

फार्म हाउस से अवैध शराब जब्त, 4 गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के नोएडा में आबकारी विभाग और पुलिस टीम ने संयुक्त टीम ने एक फार्म हाउस से अवैध शराब जब्त की है और चार लोगों को गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि शराब को हरियाणा से तस्करी कर लाया गया था. उन्होंने बताया कि फार्म हाउस का मालिक फरार है और उसकी तलाश की जा रही है. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि बीती रात संयुक्त टीम ने सेक्टर-135 स्थित कांतम फार्म हाउस पर छापेमारी की.

सीएम योगी ने दी शहीद कैप्टन को श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए आगरा जिले के निवासी सेना के कैप्टन शुभम गुप्ता को गुरुवार को श्रद्धांजलि दी. राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने शहीद शुभम गुप्ता के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है. मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है. उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जनपद की एक सड़क का नामकरण शहीद गुप्ता के नाम पर करने की भी घोषणा की है. जम्मू के राजौरी में बुधवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में चार भारतीय सैनिक शहीद हो गये. इनमें आगरा निवासी कैप्टन शुभम गुप्ता भी शामिल हैं.

राजस्थान में कांग्रेस के पक्ष में है माहौल : मल्लिकार्जुन खड़गे

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के आखिरी दिन बृहस्पतिवार को दावा किया कि अशोक गहलोत सरकार की कल्याकारी योजनाओं एवं पार्टी की सात 'गारंटी' के चलते प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है तथा हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज इस बार बदलेगा.

राजस्थान में गुरुवार शाम चुनाव प्रचार थम जाएगा. प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीट के लिए आगामी 25 नवंबर को मतदान होगा. मतगणना तीन दिसंबर को होगी. खड़गे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि राजस्थान के चुनाव प्रचार का आज आख़री दिन है. वीरों और रणबांकुरों की पावन धरती राजस्थान ने हमारी जन-कल्याणकारी योजनाओं को स्वीकारा है. कांग्रेस पार्टी की 7 गारंटी पर अपना भरोसा जताने के लिए एक करोड़ से भी ज़्यादा परिवारों को धन्यवाद. पूरे राज्य में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में माहौल है उन्होंने दावा किया कि भाजपा हमारे सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण और बचत एवं राहत की योजनाओं से घबरा गई है.

शिफा अस्पताल की आड़ में हमास ने कमान केंद्र बना रखे हैं और अस्पताल के नीचे कई बंकर हैं : इजराइली सेना

अस्पताल के नीचे हमास के बड़े ठिकाने का खुलासा

भाषा। गाजा सिटी

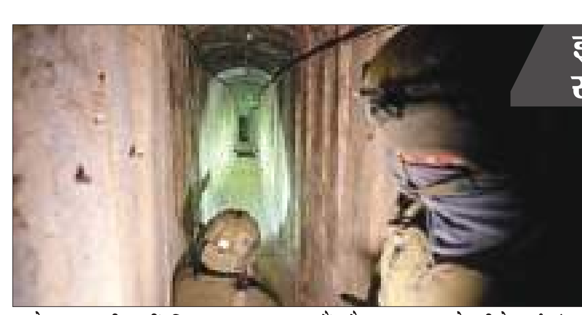

इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े अस्पताल शिफा के नीचे हमास का सैन्य केंद्र होने के अपने दावे को साबित करने के लिए विदेशी पत्रकारों के एक समूह को एक भूमिगत ठिकाने की तरह प्रतीत होने वाले बंकर दिखाए. दर्जनों सैनिक इन पत्रकारों को पत्थर की एक संकीर्ण सुरंग के जरिए शिफा अस्पताल के नीचे बने भूमिगत बंकरों में ले गए. सेना के अनुसार इस सुरंग की लंबाई 150 मीटर है. सुरंग के अंत में स्थित कई क्वार्टर में एक एयर कंडीशनर, रसोईघर, शौचालय और सफेद टाइल से बने कमरे में धातु की चारपाई हैं. ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इनका इस्तेमाल अभी नहीं किया जा रहा. इजराइल ने सात अक्टूबर को हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी. उसने हमास पर गाजा के अस्पतालों का सैन्य कवर के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है. उसने दावा किया है कि शिफा अस्पताल की आड़ में हमास ने कमान केंद्र बना रखे हैं और अस्पताल के नीचे कई बंकर हैं. हमास और अस्पताल के प्रशासन ने इजराइल के आरोपों को खारिज किया है. इजराइली सेना के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगारी ने कहा कि शिफा गाजा का सबसे बड़ा अस्पताल है और हमास का सबसे बड़ा आतंकवादी केंद्र है.

इजराइल-हमास युद्धविराम समझौते में थोड़ा व्यवधान

इजराइल-हमास के बीच चार दिन के युद्ध विराम तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के बदले में इजराइल की जेलों में बंद फिलिस्तीन के नागरिकों को रिहा कराने संबंधी समझौते में अंतिम वक्त में व्यवधान आ गया जिससे युद्ध विराम के शुक्रवार से पहले लागू होने के आसार नहीं है. इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जाची हानेग्बी ने देर रात घोषणा की कि समझौता शुक्रवार से पहले लागू नहीं होगा. माना जा रहा था कि इससे एक दिन पहले ही युद्धविराम प्रभावी हो जाएगा.

गाजा में 13,000 से अधिक लोग मारे गए

हमास शासित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उसने इजराइल-हमास की जंग में मारे गए फिलिस्तीनियों की विस्तृत जानकारी के साथ गणना करना फिर शुरू कर दिया है और मृत्यु के 13000 से अधिक मामले दर्ज किए हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय के निदेशक मेदहत अब्बास ने गुरुवार को 'द एसोसिएटिड प्रेस' से बातचीत में मृतकों की गिनती शुरू करने की पुष्टि की. स्वास्थ्य मंत्रालय ने उत्तर गाजा में आवागमन और संचार बाधित होने के बाद 11 नवंबर को आंकड़ें जारी करना बंद कर दिया था.

चिंताजनक सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों से मिले वैष्णव, कहा-

'डीपफेक' के लिए जल्द नए नियम लाएंगे

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'डीपफेक' को लोकतंत्र के लिए नया खतरा करार देते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार इससे निपटने के लिए जल्द ही नए नियम लाएगी.

मंत्री ने 'डीपफेक' के मुद्दे पर सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों से गुरुवार को मुलाकात की. उन्होंने कहा कि कंपनियां 'डीपफेक' का पता लगाने, इससे निपटने, इसकी सूचना देने के तंत्र को मजबूत करने और उपयोगकर्ताओं में जागरूकता बढ़ाने जैसी स्पष्ट कार्रवाइयां करने पर सहमत हुईं. वैष्णव ने पत्रकारों से कहा कि हम आज ही विनियमन का मसौदा तैयार करना शुरू कर देंगे और कुछ ही समय में हमारे पास 'डीपफेक' से निपटने के लिए नए नियम होंगे...यह मौजूदा ढांचे में संशोधन या नए नियम या नया कानून लाने के रूप में हो सकता है.

खास बातें

- 'डीपफेक' लोकतंत्र के लिए नया खतरा
- असली और नकली में अंतर करना काफी मुश्किल

मंत्री ने कहा कि 'डीपफेक' लोकतंत्र के लिए एक नया खतरा बनकर उभरा है.

अगली बैठक दिसंबर के पहले सप्ताह में : वैष्णव ने कहा कि हमारी अगली बैठक दिसंबर के पहले सप्ताह में होगी...आज किए गए फैसलों पर उसमें आगे की चर्चा होगी. मसौदा विनियमन में क्या शामिल किया जाना चाहिए, इस पर भी चर्चा की जाएगी. 'डीपफेक' में कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल करते हुए किसी तस्वीर या वीडियो में मौजूद व्यक्ति की जगह किसी दूसरे को दिखा दिया जाता है. इसमें इतनी समानता होती है कि असली और नकली में अंतर करना काफी मुश्किल होता है. हाल ही में, बॉलीवुड के कई कलाकारों को निशाना बनाने वाले कई 'डीपफेक' वीडियो सोशल मीडिया मंच पर आए. इसपर कई लोगों ने नाराजगी जाहिर की. इससे नकली सामग्री बनाने के लिए प्रौद्योगिकी तथा उपकरणों के दुरुपयोग को लेकर भी कई सवाल खड़े हो गए.

तिनसुकिया में सैन्य शिविर के बाहर धमाका

तिनसुकिया। असम के तिनसुकिया जिले में एक सैन्य शिविर के गेट के बाहर ग्रेनेड में विस्फोट हुआ. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. यह विस्फोट बुधवार शाम डिराक में एक सैन्य शिविर के गेट के सामने हुआ. अधिकारी ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने शिविर के अंदर ग्रेनेड फेंकने की कोशिश की लेकिन वह बाहर गिर गया और उसमें विस्फोट हो गया. उन्होंने कहा कि हम मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है. सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) अधिनियम, 1958 (अफस्पा) को एक अक्टूबर से असम के चार जिलों - डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, शिवसागर और चराइदेव में विस्तार दिया गया था.

इमरान की पार्टी 20 दिन में चुनाव कराये : आयोग

आयोग ने चुनाव कराने के लिए अंतिम चेतावनी दी थी

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को गुरुवार को आदेश दिया कि वह अपने चुनाव चिह्न के रूप में 'बल्ले' को बरकरार रखने के लिए 20 दिनों के भीतर पार्टी के अंदरूनी चुनाव कराये. एक मीडिया खबर में यह जानकारी दी. पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा कि पीटीआई ने संविधान के मुताबिक पारदर्शी तरीके से चुनाव नहीं कराया. आयोग ने अगस्त में पीटीआई को चुनाव कराने के लिए अंतिम चेतावनी दी थी, अन्यथा उसे चुनाव चिह्न प्राप्त करने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है. इसमें कहा गया था कि पार्टी के संविधान के तहत चुनाव 13 जून 2021 को होने थे लेकिन एक साल का विस्तार दिया गया था. पीटीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले गौहर अली खान ने कहा था कि पार्टी के चुनाव उसके संविधान में संशोधन से पहले हुए थे.

हालांकि, मुख्य चुनाव आयुक्त ने दावा किया कि पीटीआई ने 8 जून 2022 को अपने संविधान में संशोधन किया और 10 जून 2022 को अंतर-पार्टी चुनाव कराये. 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, खान ने यह भी कहा था कि पार्टी संविधान में किये गये संशोधन को बाद में वापस ले लिया गया था.

प्रधानमंत्री ने देवगढ़ में एक चुनावी जनसभा को किया संबोधित

'कांग्रेस ने गुर्जरों को छला'

भाषा। जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को लेकर गुरुवार को एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है, लेकिन सत्ता मिलने के बाद उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया जाता है. मोदी ने देवगढ़ (राजस्थान) में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ...गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है. पार्टी के लिए जान लगाता है और सत्ता मिलने के बाद ''शाही परिवार'' की शह पर उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया जाता है. उन्होंने कहा, स्वर्गीय राजेश पायलट जी के साथ भी इन्होंने यही किया और उनके बेटे के साथ भी यही कर रहे हैं.

मोदी ने कहा, गुर्जरों का जितना अपमान कांग्रेस ने किया है... यह राजस्थान की पहली पीढ़ी ने भी देखा है और आज की पीढ़ी भी देख रही है. कल राजस्थान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था, राजेश पायलट जी ने कभी इस कांग्रेस परिवार को चुनौती दी थी, लेकिन यह परिवार ऐसा है कि राजेश जी को तो सजा दी, उनके बेटे (सचिन पायलट) को भी सजा देने में लगे हुए हैं. अपने बयान पर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रियाओं पर मोदी ने कहा, कांग्रेस मेरे असली सवालों के जवाब नहीं दे रही... कांग्रेस पूरी ताकत से झूठ बोल रही है कि कांग्रेस के ''शाही परिवार'' ने राजेश पायलट का कभी अपमान नहीं किया.. जो सवाल मैं उठाता हूं उसके जवाब दो ना. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सचिन पायलट को दी गई गालियों को कैसे झुठला सकती है.

अनोखा रोड शो

सीएम योगी शिंदे ने रोड शो किया

जयपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा और राजसमंद के नाथद्वारा में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो किया. यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जयपुर में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो किया. शाह जयपुर से निम्बाहेड़ा पहुंचे और चार किलोमीटर लंबा रोड शो किया. प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी भी सजे हुए खुले वाहन में शाह और कृपलानी के साथ मौजूद थे.

षड्यंत्र रच रही है भाजपा : गहलोत

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लाल डायरी और महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले को भाजपा का राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए रचा गया 'षड्यंत्र' करार दिया. उन्होंने इसकी जांच उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से करवाने की मांग की. गहलोत ने दावा किया कि उनकी सरकार के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी' लहर नहीं है. उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी. गहलोत ने दिवंगत कांग्रेस नेता राजेश पायलट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी की भी आलोचना की और कहा कि भाजपा राज्य में गुर्जर समुदाय को भड़काना चाहती है.

यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में गहलोत ने कहा, एक मांग मैं महादेव ऐप व लाल डायरी मामले के बारे में करना चाहूंगा...उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से इसकी जांच कराई जानी चाहिए. भाजपा ने चुनाव के दौरान ये जो षड्यंत्र किया, चुनाव जीतने के लिए, यह बहुत बड़ा षड्यंत्र है. इसकी जांच होनी चाहिए.

छत्तीसगढ़ में महादेव ऐप मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, षड्यंत्रकारी लोग हैं.. चार दिन पहले वहां के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने की इनकी साजिश थी. उसका पर्दाफाश हो गया. मुख्यमंत्री ने दावा किया, भाजपा ने पूरी कोशिश कर ली, लेकिन राजस्थान में सरकार नहीं गिरा पाई. आज उन्हें इसी बात की टीस सता रही है.

भाजपा लोगों को गुमराह कर रही है

गहलोत ने कहा कि भाजपा लोगों को गुमराह कर और षड्यंत्र रचकर चुनाव जीतना चाहती है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में एक युवती के साथ छेड़छाड़ हुई लेकिन उसकी कोई चर्चा नहीं है. गहलोत ने कहा कि दिल्ली में महिला पहलवान धरने पर बैठी रहीं और उन्होंने भाजपा सांसद पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया लेकिन प्रधानमंत्री ने कोई परवाह नहीं की. भाजपा द्वारा उदयपुर के कन्हैया लाल हत्याकांड को चुनावी मुद्दा बनाए जाने पर गहलोत ने कहा कि जिन लोगों ने कन्हैया लाल की हत्या की, वे चार साल से भाजपा के कार्यकर्ता थे.

पीएम के खिलाफ टिप्पणी के लिए आयोग ने राहुल को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए की गईं 'पनौती', 'जेबकतरे' और कर्ज माफी संबंधी टिप्पणियों के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बृहस्पतिवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया. आयोग ने उनसे शनिवार शाम तक जवाब देने को कहा है. सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ निर्वाचन आयोग का दरवाजा खटखटाया था और कहा था कि एक वरिष्ठ नेता द्वारा इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना 'दुर्भाग्यपूर्ण' है. निर्वाचन आयोग ने गांधी को याद दिलाया कि आदर्श चुनाव आचार संहिता नेताओं को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से रोकती है. कांग्रेस नेता ने राजस्थान में हाल की रैलियों में प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए 'पनौती', जेबकतरे व अन्य टिप्पणियां की थी. इसकी शिकायत भाजपा की ओर से निर्वाचन आयोग से की गई थी, जिसके मद्देनजर नोटिस जारी किया गया.

बंटा नजर आ रहा गुर्जर समुदाय

अर्पणा बोस। अलवर

राजस्थान चुनाव

कांग्रेस शासित राजस्थान के अलवर में गुर्जर समुदाय सचिन पायलट को मुख्यमंत्री पद नहीं मिलने के मुद्दे पर पार्टी के समर्थन को लेकर बंट गया है. गुर्जर समुदाय 2018 में कांग्रेस के कथित 'विश्वासघात' के बाद पायलट को मुख्यमंत्री पद पर देखना चाहता है. पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव के बाद पायलट के बजाय गहलोत को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना था. हालांकि, इसके बाद जहां कुछ लोग भाजपा की तरफ जाना चाहते हैं, वहीं कुछ लोगों का कहना है कि केवल कांग्रेस ही पायलट को मुख्यमंत्री बना सकती है. अलवर जिले की अनुमानित 40 लाख आबादी में से करीब डेढ़ लाख लोग गुर्जर समुदाय के हैं और राज्य की 200 में से कुल 35 विधानसभा सीट गुर्जर बहुल मानी जाती है. राजस्थान में 25 नवंबर को मतदान होने हैं और नतीजे तीन दिसंबर को घोषित किए जाएंगे. स्थानीय निवासी अमर सिंह गुर्जर ने पीटीआई-भाषा से कहा कि यह सही है कि समुदाय पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाये जाने से नाराज है, लेकिन इसका असर कांग्रेस को वोट देने के उनके फैसले पर नहीं पड़ेगा. गुर्जर ने कहा, हम समझते हैं कि अगर पायलट को मुख्यमंत्री बनना है तो केवल कांग्रेस ही ऐसा कर सकती है, भाजपा नहीं. उन्होंने कहा कि गुर्जर समुदाय के लोगों ने कांग्रेस को केवल इसलिए वोट दिया था, क्योंकि उन्हें लगा कि सचिन पायलट राजस्थान के मुख्यमंत्री होंगे. उन्होंने कहा, अगर इस बार कांग्रेस को बहुमत मिलता है तो हम चाहेंगे कि पायलट मुख्यमंत्री बनें.

उन्होंने कहा कि अलवर में गुर्जर समुदाय कांग्रेस द्वारा किए गए विकास कार्यों के आधार पर अपना मत देगा. उन्होंने दावा किया, वे (सचिन पायलट) युवाओं का चेहरा हैं<bha>;</bha> वह इस नई पीढ़ी के नेता हैं. गुर्जर समाज हताश नहीं है. मीडिया की खबरें फर्जी हैं. हम नेताओं द्वारा किए गए विकास और कार्यों को भी देखेंगे और उसी के आधार पर अपना वोट देंगे. भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने हाल ही में दावा किया था कि राजस्थान में गुर्जर समुदाय ने भाजपा में घर वापसी की है, क्योंकि उनके बड़े नेता पायलट को कांग्रेस ने धोखा दिया और मुख्यमंत्री नहीं बनाया. अलवर निवासी एवं गुर्जर समुदाय से आने वाले संजय छावडी ने कहा कि वादा के बावजूद, पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया, जो विश्वासघात था.

'कांग्रेस हिमाचल में 10 गारंटी लागू नहीं कर रही'

हैदराबाद। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने गुरुवार को आरोप लगाया कि ''दस गारंटी'' का वादा करके 2022 में हिमाचल प्रदेश में सत्ता में आई कांग्रेस ने एक साल बाद भी उन्हें लागू नहीं किया है. ठाकुर ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव नीत भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) राज्य में परिवार के नेतृत्व वाली सरकार चलाती है. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पता चला है कि यहां ऐसा कोई भी विभाग नहीं बचा है, जो भ्रष्टाचार में लिप्त न हो. तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगते हुए ठाकुर ने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में प्रगति कर रहा है व तेलंगाना को भी इसे मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जरूरत है. हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की गारंटी का हवाला देते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने वादा किया था कि वे 15 साल से अधिक उम्र की प्रत्येक महिला के बैंक खाते में हर महीने 1,500 रुपये की राशि जमा करवाएगी, लेकिन एक साल बाद भी किसी महिला को पैसा नहीं मिला है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

बीए के बाद खुल जाते हैं बहुत से कोर्सेस के दरवाजे

एजुकेशन रिपोर्टर। रांची

बीए का मतलब बैचलर ऑफ आर्ट्स है, जो एक अंडरग्रेजुएट कोर्स है. यह कोर्स कला की शाखाओं की खोज करता है. प्रमुख विशेषज्ञताओं में इतिहास, संगीत, राजनीति विज्ञान, भाषाएं, पुरातत्व, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र आदि शामिल हैं. कोर्स को पूर्णकालिक या ऑनलाइन मोड के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकता है, जो 3 साल की अवधि तक चलता है. प्रोग्राम से ग्रैजुएट्स के पास करियर के कई सारे अवसर हैं. बीए कोर्सेज छात्रों के रचनात्मक सोच, समस्या समाधान और संचार कौशल में सुधार करते हैं. बीए कोर्स में छात्र इतिहास, भाषा, साहित्य, दर्शन, अन्य मानविकी क्षेत्रों, संचार, नृविज्ञान, भूगोल, सामाजिक विज्ञान और भाषा विज्ञान सहित कई विषयों से अध्ययन के अपने क्षेत्र चुन सकते है. उन क्षेत्रों में कई विशेषज्ञताएं हैं, जो अधिक विशिष्ट करियर बनाने में मदद करती है. अध्ययन के क्षेत्र की गहरी समझ के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के विकसित कौशल-सेटों के कारण, बीए करने से करियर की संभावनाओं में काफी सुधार हो सकता है. नियोक्ता अच्छी तरह से संवाद करने, कार्यस्थल में चुनौतियों का सामना करने, लचीले बने रहने और कई प्रश्नों के बारे में गंभीर रूप से सोचने की क्षमता के लिए बीए ग्रेजुएट्स की तलाश करते हैं.

बीए के बाद कौन-कौन से कोर्स कर सकते हैं?

1. बीएड
2. एमए
3. एमबीए
4. एमएड
5. एलएलबी
7. पोस्टग्रैजुएट डिप्लोमा
8. होटल मैनेजमेंट कोर्स
9. फैशन डिजाइनिंग
10. बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट
11. बेसिक स्कूल ट्रेनिंग कोर्स

बीए करने के बाद प्रोफेशनल कोर्सेज

- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
- मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) या मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स (एमएफए)
- पीजी डिप्लोमा / मास्टर्स इन जर्नलिज़्म एंड कम्युनिकेशन
- बैचलर ऑफ एजुकेशन (बीएड)
- बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस
- मास्टर्स/पीजी डिप्लोमा इन डिजिटल मार्केटिंग
- एलएलबी
- फॉरेन लैंग्वेज कोर्सेज
- पीजी डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम)
- बिजनेस एनालिटिक्स में पीजी डिप्लोमा (पीजीडीबीए)
- पीजी डिप्लोमा इन डिजिटल मार्केटिंग
- पीजीडीईएमए

बीए करने के फायदे

1. बीए का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप किसी भी सरकारी या प्राइवेट नौकरी की तैयारी कर सकते हैं.
2. बीए करने के साथ ही आप ग्रेजुएट हो जाते हैं और आप किसी भी स्कूल या कॉलेज में पढ़ाने के लिए अप्लाई कर सकते हैं.
3. बीए करने के बाद आपके सामने रोजगार के कई अवसर खुल जाते हैं.
4. बीए करने के बाद आप टीचर, कलेक्टर, पुलिस, बैंकिंग सेक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता, नेता आदि बन सकते है.

बीए के बाद कॅरियर ऑप्शन क्या-क्या होते हैं

- 1. बीएड - अगर आपकी रुचि टीचिंग में है और आप इसी में अपना करियर बनाना चाहते हैं और आपको बच्चों को पढ़ाना पसंद है, तो आप इस कोर्स को कर सकते हैं. इसे करने के लिए आपके पास बैचलर डिग्री होना जरूरी है व यह 2 साल का कोर्स होता है.
- 2. एमए - बीए के बाद किया जाने वाला सबसे पसंदीदा कोर्स में से एक है. यह एक पोस्ट ग्रैजुएट डिग्री लेवल प्रोग्राम हैं जो बीए के बाद किया जाता है. एमए किसी एक सब्जेक्ट में अपना प्रोफेशन बनाने के लिए किया जाता है इंडिया में लगभग सभी यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स कराया जाता है.
- 3. एमबीओए (मास्टर ऑफ बिजनेस) - यह बीए के बाद सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाला कोर्स हैं जिसमें छात्रों को बिजनेस से जुड़ी समस्याओं को हल करना और बिजनेस करने के तरीके सिखाए जाते है. यह कोर्स 2 साल का होता है. इस कोर्स को करने के बाद आप किसी भी प्राइवेट या पब्लिक सेक्टर में नौकरी कर सकते हैं इसमें काफी अच्छी सैलरी दी जाती है.
- 4.एमएड. - यह एक पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री कोर्स है. इसकी समय अवधि 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) की होती है.
- 5. एलएलबी- बीए करने के बाद एल एल बी की पढ़ाई कर सकते हैं.एलएलबी कर आप वकील बन सकते है. अगर आपकी रुचि वकील बनने में है तो आप इस कोर्स के साथ अपनी आगे की पढाई कर सकते है.
- 6. एमएसी- यह एक ग्रेजुएशन कोर्स होता है जो बीए के बाद किया जाता है. यह 2 साल का ग्रेजुएशन प्रोग्राम होता है, इसमें आपको रिसर्च के बारे में सिखाया जाता है, एमएससी करने से पहले आपको बीएससी करनी होती है.

होटल मैनेजमेंट

- आजकल बढ़ती जनसंख्या के साथ-साथ हम लोग तरह-तरह के खाने को खाने के इच्छुक हो गए हैं.
- हर घर में स्वाद को प्राथमिकता देने वाले लोग उपलब्ध है जिसके चलते स्वादिष्ट भोजन हर पार्टी की शान माना जाता है.
- यदि हम अपने चारों ओर देखे तो होटल एक ऐसी जगह है जहां लोग आना पसंद करते हैं. इसी को देख कर कई लोग होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा करने को प्राथमिकता देते हैं.
- होटल मैनेजमेंट में हाउसकीपिंग से लेकर होटल का प्रबंधन करने तक सब कुछ सिखाया जाता है. होटल प्रबंधन में डिप्लोमा करते वक्त कई विषय सिखाएं जाते हैं जिनमें से कुछ है जैसे- फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट, फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन, बेसिक फूड प्रोडक्शन, एनवायरमेंटल स्टडीज आदि शामिल है.
- होटल मैनेजमेंट में डिप्लोमा कोर्स 3 साल का होता है.

डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस

- कंप्यूटर साइंस में कई लोकप्रिय डिप्लोमा कोर्स उपलब्ध हैं. आजकल ज्यादातर छात्र इस कोर्स को करने के इच्छुक हैं.
- कंप्यूटर साइंस इन डिप्लोमा में कई सारी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे-जावा एचटीएमएल, वीभी.नेट, सी, सी , पीएचपी डेटाबेस, ऑपरेटिंग सिस्टम, डाटा माइनिंग, डाटा वेयरहाउस, डेट एप्लीकेशन, नेटवर्किंग आदि के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाता है.
- डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस के बाद भी कई सारे डिग्री कोर्स है जो किए जा सकते हैं .
- डिप्लोमा कोर्स करके भी कई सारी जॉब्स मिल सकती हैं लेकिन वह आपकी प्रैक्टिकल नॉलेज पर निर्भर करती हैं.
- कंप्यूटर साइंस डिप्लोमा में एडमिशन लेने के लिए आपको 10वीं तथा 12वीं कक्षा में 50% से अधिक अंकों से मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण होना आवश्यक है.
- यदि आप केवल दसवीं के बाद ही डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं तो आप इस कोर्स को कर सकते हैं. यह कोर्स 3 साल का होता है.

डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट

- आजकल बिजनेस मैनेजमेंट में करियर बनाना एक अच्छा विकल्प माना जाने लगा है.
- बिजनेस मैनेजमेंट में प्लानिंग, ऑर्गेनाइजिंग, एग्जीक्यूशन, डायरेक्शन आदि सिखाया जाता है.
- इसे करके आप किसी अच्छी कंपनी में जॉब कर सकते हैं या खुद का बिजनेस भी चला सकते हैं.
- बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा 12वीं में मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण होकर किया जा सकता है.
- बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा में कई विषय पढ़ाए जाते हैं जैसे- मैनेजमेंट थिअरी एंड प्रैक्टिस, बिजनेस इकोनॉमिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन, मार्केटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग स्किल्स आदि भी सिखाई जाती है.

डिप्लोमा इन फायर एंड सेफ्टी टेक्नोलॉजी

- यह डिप्लोमा विदेशों में काम करने के लिए शानदार अवसर प्रदान करता है, खासकर गल्फ देशों में साथ ही साथ इसमें पे-ऑफ काफी विशाल है.
- दुनिया भर के संगठनों में सुरक्षा अधिकारियों की बढ़ती मांग ने इस डिप्लोमा प्रोग्राम की मांग को बढ़ा दिया है.
- यह जोखिम प्रबंधन की अवधारणा और सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में उपयोग किए गए उपायों को सिखाता है.
- यह कार्यक्रम सुरक्षा अधिकारियों के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एक बेहतरीन बूस्टर है क्योंकि यह तैयारियों की टिप्स और ट्रिक्स का एक अच्छा ऑप्शन प्रदान करता है.
- यह आग से हुई दुर्घटनाओं से होने वाली प्रतिकूलताओं से निपटने के इच्छुक लोगों के लिए सबसे अच्छा है.
- यह विदेश में और बड़े निगमों में काम करने के अवसरों के साथ आपके बायोडाटा में एक बड़ी प्रशंसा भी जोड़ देगा.
- नेतृत्व के गुणों और भाषा पर एक अच्छी कमांड के लिए ये डिप्लोमा अच्छा साबित होगा.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.

संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)